@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 11 अगस्त 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 276 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

चुनाव से पहले मराठा कोटा के जरिए भड़काना चाहते हैं दंगा: राज ठाकरे

मुंबई, 10 अगस्त। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे ने शनिवार को आरोप लगाया कि शरद पवार और उद्धव ठाकरे राज्य में विधानसभा चुनावों से पहले, खासकर मराठवाड़ा क्षेत्र में दंगे भड़काने के लिए मराठा आरक्षण आंदोलन का इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहे हैं। छत्रपति संभाजीनगर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राज ठाकरे ने दावा किया कि उद्धव और शरद पवार मनोज जरांगे के नेतृत्व वाले आरक्षण आंदोलन का इस्तेमाल जातिगत राजनीति के लिए ढाल के रूप में कर रहे हैं। राज ठाकरे ने अपने मराठवाड़ा दौरे के अंतिम दिन कहा, इस आंदोलन को ढाल बनाकर शरद पवार और उद्धव ठाकरे जैसे लोग मराठवाड़ा में राजनीति कर रहे हैं। वहीं इससे एक दिन पहले बीड शहर में कुछ लोगों ने उनके काफिले पर कुछ चीजें फेंकी थी। हालांकि इस घटना के लिए शिवसेना (यूबीटी) के चार कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है। जबकि इस घटना के बारे में बोलते हुए मनसे प्रमुख ने दावा किया कि (बीड) जिला शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष ने मनोज जरांगे के प्रति अपनी निष्ठा दिखाने के लिए जातिवादी नारे लगाए। वहीं राज ठाकरे ने कहा कि उद्धव ठाकरे की अगुआई वाली शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) अगर उनके दौरे के दौरान बाधा डालने की कोशिश करेंगे तो वे महाराष्ट्र में एक भी रैली आयोजित नहीं कर पाएंगे। जबकि इससे पहले शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने माना कि राज ठाकरे के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले लोग ठाकरे के नेतृत्व वाले गुट के कार्यकर्ता हो सकते हैं। इस बीच, राज ठाकरे ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव के दौरान मुस्लिम और दलित वोट प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ गए क्योंकि उन्हें संविधान पर विपक्ष के बयान पर भरोसा था। हालांकि, मनसे प्रमुख ने ये भी दावा किया कि संविधान बदलने का बयान झूठा नहीं था। वहीं उन्होंने महाराष्ट्र में मणिपुर जैसी अशांति की संभावना को बढ़ाने के लिए शरद पवार की आलोचना की।

दिल्ली की जनता पर किए हर जुल्म का हिसाब लेंगे: मनीष सिसोदिया

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 10 अगस्त। तिहाड़ जेल से रिहा होने के बाद पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने शनिवार को पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। सिसोदिया ने कहा कि आज मैं बजरंग बली के मंदिर में गया। पंडित जी ने आशीर्वाद दिया विजयी भव..। जेल के ताले टूटेंगे और केजरीवाल जल्द छूटकर आ जाएंगे। अरविंद केजरीवाल पर बजरंग बली की कृपा है। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री सिसोदिया ने कहा कि अरविंद केजरीवाल का नाम आज पूरे देश में ईमानदारी का प्रतीक बन गया है। भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद एक राज्य में एक उदाहरण नहीं दे पाई। इसी छवि को बिगाड़ने के लिए ये सारे षडयंत्र रचे जा रहे हैं। जनता के दिलों के दरवाजे खुले हुए हैं। आप जेल के दरवाजे बंद कर सकते हैं लेकिन जनता के दिलों के दरवाजे बंद नहीं कर सकते हैं। बाबा साहेब अंबेडकर के दिए हुए संविधान की बदौलत हम पर कल भगवान की कृपा हुई। बाबा

साहेब ने 75 साल पहले ही ये अंदाजा लगा लिया था कि कभी-कभी इस देश में ऐसा होगा कि तानाशाही बढ़ जाएगी। तानाशाह सरकार जब एजेंसियों, कानूनों और जेलों का दुरुपयोग करेगी तो हमें कौन बचाएगा? बाबा साहेब ने लिखा था संविधान बचाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने संविधान का इस्तेमाल करते हुए कल तानाशाही को कुचला। मैं उन वकीलों का भी शुक्रगुजार हूं जो यह लड़ाई लड़ रहे थे। वो वकील एक कोर्ट से दूसरे कोर्ट धक्के खा रहे हैं। मेरे लिए अभिषेक मनु सिंघवी भगवान स्वरूप हैं। विनेश फोगाट पर मनीष सिसोदिया ने कहा कि देश की बेटी जब नेता पर शोषण का आरोप लगाती है तो उसे ट्रोल करते हैं। उस नेता को गिरफ़्तार तक नहीं किया। हमने देखा कि उस बेटी के साथ क्या हुआ, सबको पता है किसने क्या किया, कुछ तो खेल हुआ है। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मनीष सिसोदिया ने कहा कि ये तानाशाह के ख़िलाफ़ एलान-ए-जंग है। दिल्ली की जनता पर किए हर जुल्म का हिसाब लेंगे। बीजेपी कह रही थी, मनीष सिसोदिया को जमानत ही तो मिली है। ये सिर्फ़ जमानत नहीं मिली है, बल्कि अगले विधानसभा चुनाव में बीजेपी की ज़मानतें ज़ब्त करने का लाइसेंस मिला है। विपक्षी नेता तानाशाही के खिलाफ एकजुट हो जाएं तो अरविंद केजरीवाल 24 घंटे में जेल से बाहर आ जाएंगे। आम आदमी पार्टी के नेता ने दावा किया कि जब वे जेल में थे तो उन्हें जमानत मिलने की चिंता नहीं थी लेकिन उन्हें यह देखकर पीड़ा हुई कि व्यापारियों को ''फर्जी मामलों में सलाखों के पीछे डाला दिया गया है वो भी सिर्फ इसलिए कि उन्होंने भाजपा को चंदा नहीं दिया। सिसोदिया ने यहां पार्टी मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हर व्यक्ति को इस ''तानाशाही'' के खिलाफ लड़ना होगा जो न केवल नेताओं को जेल में डाल रही है बल्कि नागरिकों को भी परेशान कर रही है।

विनेश के योगदान को नहीं भूलना चाहिए, नीरज ने लोगों से की अपील

कौमी संवाददाता

पेरिस, 10 अगस्त। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि उन्हें महिला पहलवान विनेश फोगाट के योगदान को नहीं भूलना चाहिए। विनेश 50 किग्रा कुश्ती स्पर्धा के फाइनल में पहुंच गई थीं, लेकिन स्वर्ण पदक मुकाबले से पहले उनका वजन 100 ग्राम अधिक था जिस कारण उन्हें अयोग्य घोषित किया गया था। विनेश ने हालांकि खेल पंचाट से उन्हें रजत पदक देने की अपील की है, जिस पर शनिवार रात फैसला आने की उम्मीद है। पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाले नीरज ने कहा, हम सभी को पता है कि अगर विनेश को पदक मिलता है तो यह काफी अच्छा होगा। अगर यह स्थिति नहीं बनती तो वह जरूर पदक जीतने में सफल रहती। अगर हम पदक नहीं जीतते हैं तो लोग हमें कुछ समय तक याद रखते हैं और हमें चैंपियन कहते हैं, लेकिन पदक नहीं मिलने पर वह हमें भूल भी जाते हैं। मैं बस

लोगों से कहना चाहता हूं कि विनेश ने देश के लिए क्या किया है, उसे हमें नहीं भूलना चाहिए। भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी करने की योजना बना रहा है। इस पर नीरज ने कहा, अगर 2036 में ओलंपिक का आयोजन भारत में होता है तो इससे अच्छी बात क्या होगी। यह भारतीय खेल के लिए काफी अच्छा होगा। यह देखना सुखद है कि लोग हमारे मैच लाइव देख रहे हैं। सिर्फ हमारा मुकाबला देखने के लिए वे जल्दी उठते हैं और देर तक सोते हैं। यह एक संकेत है कि भारत खेल में परिवर्तन हो रहा है।

रिश्वत में पांच किलो आलू मांग रहा था चौकी इंचार्ज, निलंबित

कन्नौज, 10 अगस्त। कन्नौज जिले में रिश्वत में पांच किलो आलू की मांग करना पुलिस चौकी प्रभारी को महंगा पड़ गया। मांग करने के दौरान हुई बातचीत का ऑडियो वायरल होने पर एसपी ने चौकी प्रभारी को निलंबित कर मामले की विभागीय जांच शुरू कर दी है। मामला सौरिख थाना के चपुन्ना-भावलपुर पुलिस चौकी का है। यहां तैनात प्रभारी एसआई रामकृपाल का मोबाइल में किसी से बात करने का एक ऑडियो तेजी से वायरल हुआ, जिसमें वह पांच किलो आलू की मांग कर रहा है। फरियादी अपनी असमर्थता जताते हुए दो किलो ही आलू देने की बात कह रहा है। इस पर चौकी प्रभारी की ओर से पहले तो नाराजगी जताई जा रही है, उसके बाद तीन किलो आलू देने को कहा, जिस पर फरियादी रजामंदी जता रहा है। हालांकि बाद में फिर वह दो किलो ही देने पर तैयार हुआ।

अनंतनाग में सुरक्षाबलों की आतंकियों से मुठभेड़ में दो जवान बलिदान

जम्मू, 10 अगस्त। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ जारी है। इस मुठभेड़ के दौरान अब तक दो जवान बलिदान हो गए हैं जबकि तीन घायल हैं। जिन्हें इलाक के लिए अस्पताल ले जाया गया है। अनंतनाग के अहलान गगरमंडू इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई थी। मिली जानकारी के मुताबिक, अहलान इलाके में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ जारी है। मुठभेड़ तब शुरू हुई जब आतंकवादियों की ओर से खोजी टीम पर फायरिंग की गई। इसके जवाब में जवानों ने भी फायरिंग की। इससे पहले बीती छह अगस्त को बसंतगढ़ क्षेत्र में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच शाम चार बजे के करीब मुठभेड़ शुरू हुई थी। दोनों ओर से दो घंटे तक गोलीबारी हुई। मौसम खराब होने और धुंध के बीच सुरक्षाबलों ने देर शाम तक तलाशी अभियान चलाया। सेना ने जंगल में छिपे आतंकियों की घेराबंदी बढ़ा दी। अभी किसी भी आतंकी के मारे जाने की सूचना नहीं है। इससे एक दिन पहले ही अनंतनाग में सुरक्षाबलों ने तीन आतंकवादी मददगारों को गिरफ्तार किया था। इनसे हथियार और गोला-बारूद की बरामदगी हुई है। पकड़े गए आतंकी मददगारों की पहचान दाऊद अहमद डार, इम्तियाज अहमद रेशी और शाहिद अहमद डार के तौर पर हुई है। तीनों हसनपोरा तवेला के निवासी हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि हसनपोरा तुलखान रोड पर संयुक्त नाके पर जांच के दौरान आतंकी मददगारों को हिरासत में लिया गया। इस दौरान सुरक्षाबलों ने उनके कब्जे से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया।

आपदा से प्रभावित लोगों की मदद में कोई कसर नहीं छोड़ेगी भारत सरकार: पीएम मोदी

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 10 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वायनाड दौरे के दौरान हुई समीक्षा बैठक में शामिल हुए केरल सरकार के मंत्रियों ने वायनाड के विकास को लेकर केंद्र सरकार की ओर से पहल होने की उम्मीद जताई है। राज्य के लोक निर्माण मंत्री पीए मोहम्मद रियास ने कहा कि राज्य सरकार और सीएम पिनाराई विजयन ने भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र के पुनर्निर्माण के लिए दो हजार करोड़ रुपये की मांग केंद्र से की गई है। हमने प्रधानमंत्री के समक्ष अपनी सभी मांगें रखी हैं। एससी-एसटी विभाग के मंत्री ओआर केलू ने कहा कि प्रधानमंत्री ने आपदा को समझने के लिए अधिक समय बिताया। उन्होंने सुझाव दिया है कि हम आपदा के कारण का पता लगाने के लिए एक अध्ययन करें। वह हमारी मांगों पर विचार करेंगे। बैठक के दौरान पीएम मोदी ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और आश्वासन दिया कि केंद्र से पर्याप्त वित्तीय सहायता की कमी के कारण राज्य को नुकसान नहीं होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वायनाड दौरे को लेकर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि काश प्रधानमंत्री पहले आ जाते और जमीनी हालात देखते। अब मुझे उम्मीद है कि सरकार वास्तव में कोई पहल करेगी। वायनाड भूस्खलन को राष्ट्रीय आपदा घोषित करेगी। ताकि उचित सहायता मिल सके। वायनाड में

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैंने एक आपदा को बहुत करीब से देखा और अनुभव किया है। लगभग 45-47 साल पहले गुजरात के मोरबी में भारी बारिश से एक बांध पूरी तरह नष्ट हो गया था। पानी मोरबी शहर में घुस गया। पूरे शहर में 10-12 फीट पानी था। 2,500 से ज्यादा लोग मारे गए। मैं वहां एक स्वयंसेवक के रूप में करीब छह महीने तक रहा। मैं इन परिस्थितियों को भली-भांति समझता हूं। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि देश और भारत सरकार आपदा से प्रभावित लोगों की मदद में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब घटना हुई तो सुबह मैंने सीएम पिनाराई विजयन से बात की और उन्हें आश्वासन दिया कि हम सहायता प्रदान करेंगे। जितनी जल्दी हो सके घटनास्थल पर पहुंचने का प्रयास करेंगे। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना, पुलिस , डॉक्टर और सभी ने पीड़ितों की जल्द से जल्द मदद करने की कोशिश की। मैं मृतकों के परिवारों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि वे अकेले नहीं हैं। हम सभी उनके साथ खड़े हैं। केंद्र सरकार केरल सरकार के साथ खड़ी है। हम सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी काम बजट की कमी के कारण रुके नहीं। वायनाड दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अफसरों के साथ बैठक की। बैठक में प्रधानमंत्री ने कहा कि जब से मुझे घटना के बारे में जानकारी मिली है, तब से मैं भूस्खलन के बारे में लगातार अपडेट ले रहा हूं।

संसद के जरिए क्रीमी लेयर फैसले को कर देना चाहिए था रद्द: मल्लिकार्जुन खरगे

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 10 अगस्त। आरक्षण के मुद्दे पर देश में जारी रार के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र की भाजपा सरकार पर आरोप लगाया है। खरगे ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, क्रीमी लेयर लाकर आप किसे लाभ पहुंचाना चाहते हैं? क्रीमी लेयर (अवधारणा) लाकर आप एक तरफ अछूतों को नकार रहे हैं और उन लोगों को दे रहे हैं जिन्होंने हजारों सालों से विशेषाधिकारों का आनंद लिया है। मैं इसकी निंदा करता हूं। उन्होंने कहा कि सात न्यायाधीशों की तरफ से उठाया गया क्रीमी लेयर का मुद्दा दर्शाता है कि उन्होंने एससी और एसटी के बारे में गंभीरता से नहीं सोचा है। बता दें कि इस महीने की शुरुआत में, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली सुप्रीम कोर्ट की सात जजों की बेंच ने 6-1 बहुमत के फैसले में फैसला सुनाया था कि राज्य सरकारों को अनुभवजन्य आंकड़ों के आधार पर एससी सूची के भीतर समुदायों को उप-वर्गीकृत करने की अनुमति है। सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस बीआर गवई ने कहा था कि राज्यों को अनुसूचित जातियों (एससी) और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के बीच भी क्रीमी लेयर की पहचान करने और उन्हें आरक्षण का लाभ

देने से इनकार करने के लिए एक नीति विकसित करनी चाहिए। वहीं मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, जब तक छुआ-छूत रहेगी, तब तक आरक्षण होना चाहिए और रहेगा। हम इसके लिए लड़ेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष ने भाजपा पर आरक्षण खत्म करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। खरगे ने कहा कि सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की नौकरियों का निजीकरण कर दिया है और बहुत सारी रिक्तियां हैं, लेकिन वे भर्ती नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, एससी और एसटी को नौकरी नहीं मिल पा रही है। कोई भी एससी उच्च-स्तरीय पदों पर नहीं है। वे एससी और एसटी को क्रीमी लेयर में वर्गीकृत करके दबाने की कोशिश कर रहे हैं। खरगे ने कहा, मुझे न्यायालय का निर्णय आश्चर्यजनक लगा। जो लोग वास्तविक जीवन में अस्पृश्यता का सामना कर रहे हैं और उच्च पदों पर आसीन अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोग भेदभाव का सामना कर रहे हैं। अगर उनके पास पैसा है, तब भी उन्हें भेदभाव का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा, मैं अपील करना चाहूंगा कि सभी लोग एकजुट हों और सुनिश्चित करें कि इस निर्णय को मान्यता न मिले और यह मामला फिर से न उठाया जाए। उन्होंने कहा कि हम अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की सुरक्षा के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

अगर न्यायपालिका ने घुटने नहीं टेके होते, तो आपातकाल की स्थिति नहीं आती: उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, 10 अगस्त। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आज जोधपुर में राजस्थान उच्च न्यायालय के प्लेटिनम जयंती समारोह की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने कई मुद्दों पर अपने विचार रखें। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इस दौरान आपातकाल का भी जिक्र किया। जोधपुर में राजस्थान उच्च न्यायालय के प्लेटिनम जयंती समारोह को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने आपातकाल का भी जिक्र किया।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि अगर उच्चतम स्तर पर न्यायपालिका ने घुटने नहीं टेके होते, असंवैधानिक तंत्रों के आगे नहीं झुकी होती, इंदिरा गांधी की उस तानाशाही के आगे कमजोर नहीं पड़ी होती, तो आपातकाल की स्थिति नहीं आती। हमारा राष्ट्र बहुत पहले ही अधिक विकास प्राप्त कर चुका होता। हमें दशकों तक इंतजार नहीं करना पड़ता। उपराष्ट्रपति ने आगे कहा कि- हम न्यायपालिका की एक बहुत ही उच्च संस्था का हिस्सा हैं, लेकिन उस समय, नागरिकों के मूल अधिकारों के दुर्जेय गढ़ और शीर्ष पर आसीन न्यायपालिका, तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के मनमाने तानाशाही शासन के आगे झुक गई। और इसका क्या परिणाम हुआ? लाखों लोगों को सलाखों के पीछे डाल दिया गया, उन्हें अपमान सहना पड़ा। उनमें से कई इस देश के प्रधानमंत्री, राज्यपाल, मंत्री बने और कई क्षेत्रों में योगदान दिया और योगदान देना जारी रखा। इस देश के किसी भी नागरिक के लिए उस काले दौर को भूलना बिल्कुल भी उचित नहीं होगा। इस दौरान उपराष्ट्रपति ने बांग्लादेश का जिक्र करते हुए कहा कि मैं आपका ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूं और वे यह धारणा फैलाना चाहते हैं कि कुछ दिन पहले हमारे पड़ोस में जो हुआ, वह भारत में भी होने वाला है। यह बहुत चिंताजनक है। इस देश का नागरिक संसद में रहते हुए कैसे ऐसा कर सकता है। इनमें से एक प्रतिष्ठित कानूनी बिरादरी से संबंधित है, जबकि दूसरे ने भारतीय विदेश सेवा में पर्याप्त अनुभव प्राप्त किया है।

बांग्लादेश से लोगों का आना चिंता का विषय: बीरेन सिंह

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 10 अगस्त। तेलंगाना के जगतियाल जिले में एक सरकारी आवासीय हाई स्कूल में 15 दिन बाद एक और छात्र की मौत हो गई। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि शुक्रवार को स्वास्थ्य कारणों की वजह से उसकी 12 साल के लड़के की मौत हो गई। इसके पहले 26 जुलाई को भी दौरा पड़ने से आठवीं के एक छात्र की मौत हो गई थी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को झाड़ग्राम जिले में 247.26 करोड़ रुपये की 454 परियोजनाओं की आधारशिला रखी। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि ये योजनाएं लोगों के जीवन स्तर में जरूरी सुधार लाने के उद्देश्य से शुरू की गई हैं। अपनी यात्रा के दौरान, बनर्जी ने पुरुलिया जिले में मानबाजार और झालदा उप-मंडलों के लिए नवनिर्मित झाड़ग्राम जिला प्रशासन भवन और कार्यालयों का उद्घाटन किया। यह आयोजन विश्व के स्वदेशी लोगों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस के उत्सव के साथ हुआ, जिसे स्थानीय रूप से आदिवासी दिवस के रूप में मनाया जाता है। बिहार में पटना जिला प्रशासन ने शुक्रवार को राज्य की राजधानी में संचालित 'पंजीकरण के लिए अयोग्य' पाए गए 124 कोचिंग संस्थानों को बंद करने के आदेश जारी किए। दिल्ली के एक कोचिंग सेंटर के 'बेसमेंट' में पानी भरने के बाद हुए हादसे के बाद से पटना में जिला प्रशासन ने कोचिंग संस्थानों को पंजीकरण कराने को कहा था। पटना के जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह ने शुक्रवार को बताया, हमें कोचिंग संस्थानों के 936 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें 523 आवेदनों में से 138 पंजीकरण के लिए अयोग्य पाए गए। इन 138 कोचिंग संस्थानों में से 14 कार्यरत नहीं थे और पंजीकरण के लिए अयोग्य पाए गए बाकी 124 कोचिंग संस्थानों को बंद करने के आदेश जारी किए गए हैं। पटना के जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई बैठक में 124 कोचिंग संस्थानों के बारे में यह आदेश जारी किया गया। तेलंगाना के निजामाबाद जिले में नगर निगम कार्यालय में कार्यरत एक अधिकारी के घर एवं अन्य ठिकानों पर तलाशी के दौरान लगभग छह करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गई। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने प्रभारी अधीक्षक राजस्व अधिकारी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया गया है। एसीबी के एक अधिकारी ने शुक्रवार को कहा, प्रभारी अधीक्षक राजस्व अधिकारी को अपनी सेवाओं के दौरान भ्रष्ट आचरण से आय अर्जित करने और ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति का

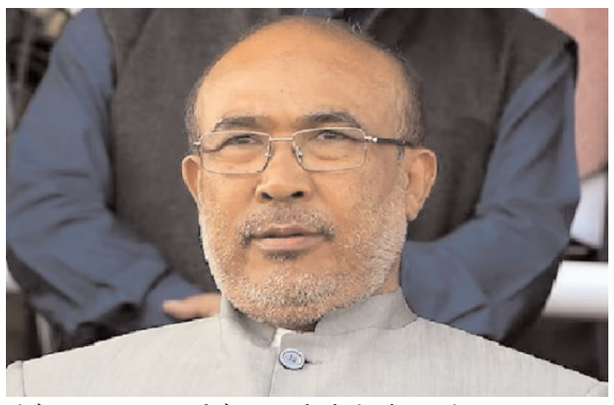

पता चलने के बाद कार्रवाई की गई। तलाशी अभियान के दौरान 2.93 करोड़ रुपये की नकदी, आरोपी अधिकारी, उनकी पत्नी व मां के नाम पर कुल 1.10 करोड़ का बैंक बैलेंस, छह लाख का सोना और 1.98 करोड़ की 17 अचल संपत्तियां जब्त की गई। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने शुक्रवार को कहा कि असम और बांग्लादेश में हिंदुओं की आबादी तेजी से घट रही है और जनसांख्यिकीय में बदलाव हो रहा है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में सरमा ने जनगणना के आंकड़ों का हवाला देते हुए आशंका जताई कि प. बंगाल और झारखंड में भी स्थिति ऐसी ही होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, दोनों स्थानों के 2011 तक के आधिकारिक जनगणना आंकड़े जनसांख्यिकीय में बदलाव को दर्शाते हैं। सरमा ने अपनी पोस्ट के साथ एक ग्राफिक भी साझा किया। इसमें दिखाया गया कि असम में हिंदू आबादी 1951 में 70.78 प्रतिशत से घटकर 2011 में 61.47 प्रतिशत हो गई, जबकि इसी अवधि में बांग्लादेश में यह 22 प्रतिशत से घटकर 8.5 प्रतिशत हो गई। एफओसी के दौरान दोनों देशों में संस्थागत तंत्र, छात्रवृत्ति, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण, उच्च शिक्षा में सहयोग और व्यापार तथा वाणिज्यिक संबंधों की समीक्षा सहित दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण पहलुओं की समीक्षा भी की। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बताया, भारतीय पक्ष का नेतृत्व अतिरिक्त सचिव (पूर्वी और दक्षिणी अफ्रीका) पुनीत आर. कुंडल ने किया, जबकि जाम्बिया पक्ष का नेतृत्व विदेश मामलों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंत्रालय के स्थायी सचिव एताम्बुयु अनामेला गुंडर्सन ने किया।

जातीय जनगणना के मुद्दे पर और पैनी होगी कांग्रेस की रणनीति

लखनऊ, 10 अगस्त। कांग्रेस जातिगत जनगणना कराने और आरक्षण पर लगी 50 फीसदी की सीमा हटाने, सामाजिक न्याय सहित विभिन्न मांगों को लेकर हर मंडल में सम्मेलन करेगी। इसकी शुरुआत रविवार को कानपुर से होने जा रही है। कांग्रेस के रणनीतिकारों का मानना है कि लोकसभा चुनाव में जातिगत जनगणना और सामाजिक न्याय के मुद्दा कारगर साबित हुआ। इसकी वजह से इंडिया गठबंधन को काफी फायदा हुआ। ऐसे में पार्टी इस मुद्दे को खोना नहीं चाहती। इसी रणनीति के तहत कांग्रेस पिछड़ा विभाग, अल्पसंख्यक विभाग और फिशरमैन विभाग की ओर से 26 जुलाई से छह अगस्त तक हस्ताक्षर अभियान चलाया गया और एक लाख से अधिक हस्ताक्षर वाले पत्र राज्यपाल के जरिये राष्ट्रपति को भेजे गए। अब पार्टी की ओर से मंडलीय सम्मेलन की शुरुआत की जा रही है। पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव ने बताया कि रविवार को कानपुर के काकादेव में मंडलीय सम्मेलन होगा।

मैक्रों ने गाजा से संघर्ष विराम की मांग की

एजेंसी

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गाजा में युद्धविराम के लिए फ्रांस के समर्थन की पुष्टि की है, जिसका उद्देश्य सभी बंधकों को रिहा करना, गाजावासियों की रक्षा करना और बड़े पैमाने पर मानवीय सहायता पहुंचाना है। यह जानकारी एलिसी पैलेस ने दी। मैक्रों ने मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी, कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ टेलीफोन पर बातचीत के दौरान ये टिप्पणी की। फोन पर चर्चा के दौरान, मैक्रों और दोनों अरब नेताओं ने दो-राज्य समाधान के आधार पर संकट का स्थायी और विश्वसनीय समाधान करने की दिशा में काम करना जारी रखने पर सहमति व्यक्त की। फ्रांसीसी नेता ने अरब लीग, इस्लामी सहयोग संगठन और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में अपने सहयोगियों के साथ सहयोग करने के लिए फ्रांस की प्रतिबद्धता को दोहराया जिससे एक राजनीतिक संरचना को परिभाषित किया जा सके जो क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बहाल करेगा।

विदेश मंत्री तीन दिवसीय यात्रा पर मालदीव पहुंचे

माले। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शाम मालदीव पहुंचने पर कहा कि वह नेतृत्व के साथ सार्थक बातचीत की उम्मीद कर रहे हैं। विदेश मंत्री के आगमन पर वेलाना अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनके मालदीव समकक्ष मूसा ज़मीर ने उनका स्वागत किया। विदेश मंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा मालदीव पहुंचकर खुशी हुई। हवाई अड्डे पर मेरा स्वागत करने के लिए विदेश मंत्री मूसा ज़मीर को धन्यवाद। मालदीव 'नेबरहुड फर्स्ट' और 'सागर' के हमारे दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। नेतृत्व के साथ सार्थक जुड़ाव की आशा है। मालदीव के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि मंत्री जयशंकर अपने मालदीव के समकक्ष विदेश मंत्री मूसा ज़मीर के निमंत्रण पर 9 से 11 अगस्त तक यात्रा कर रहे हैं। मंत्रालय के अनुसार, मंत्री जयशंकर इस यात्रा के दौरान राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू से शिष्टाचार मुलाकात करेंगे।

ढाका में सैन्य सहयोग से फिर से खुले थाने

ढाका। बंगलादेश में पुलिस प्रशासन के पतन के कारण देश भर में कई दिनों की घोर अराजकता, क्रूर हत्याओं और झड़पों के बाद सेना के सहयोग से लगभग 29 थाने फिर से खोले गए। मीडिया रिपोर्टों में यह जानकारी दी गयी। छात्रों के नेतृत्व में पांच अगस्त को सार्वजनिक विद्रोह के कारण बंगलादेश की शेख हसीना सरकार गिरने के बाद से उपद्रवियों को पूरी तरह से खुली छूट मिल गई थी। जिसमें प्रदर्शनकारियों ने देश के विभिन्न हिस्सों में थानों पर हमले, लूटपाट और आगजनी तथा पुलिसवालों की पीट-पीट कर हत्या भी की थी। घबराए पुलिस अधिकारी और कांस्टेबल अपनी जान बचाने के लिए छिप गए। 'द ढाका ट्रिब्यून' की रिपोर्ट के अनुसार, आखिरकार, शुक्रवार को पुलिस कर्मियों ने सेना की सहायता से कई स्थानों पर अपनी ड्यूटी फिर से शुरू कर दी। तेजगांव थाने में 25वीं ईस्ट बंगाल रेजिमेंट के कंपनी कमांडर शेखावत खंडाकर ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ÷यह देखते हुए कि कैसे अपराधी पुलिस अधिकारियों सहित सभी को मार रहे थे, हमें लगा कि पुलिस अधिकारियों को बचाना महत्वपूर्ण है। वे लोगों की सेवा करते हैं, हमें उन्हें पुनर्वास का अवसर देना होगा। पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में कमांडर खंडाकर ने मीडिया से कहा, तेजगांव थाने में कई हथियार हैं। अगर ये अपराधियों के हाथों में पड़ गए, तो देश गंभीर खतरे में पड़ जाएगा। तभी हमने स्टेशन की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कदम उठाए।

गाजा समझौते को आसान बनाने के लिए रूस तैयार- विदेश मंत्री

मॉस्को। रूस के उप विदेश मंत्री मिखाइल बोगदानोव ने मॉस्को में फिलिस्तीनी राजदूत अब्देल हाफिज नोफाल के साथ बातचीत में गाजा पट्टी में लड़ाई को समाप्त करने हेतु राजनीतिक और राजनयिक प्रयासों को जारी रखने के लिए देश की तत्परता की पुष्टि की। यह जानकारी रूसी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में दी।

इससे पहले आठ अगस्त को, मध्य पूर्व और अफ्रीका के लिए रूसी राष्ट्रपति के दूत, उप विदेश मंत्री मिखाइल बोगदानोव ने उनके अनुरोध पर फिलिस्तीनी राजदूत नोफ़ल से मुलाकात की। मंत्रालय ने कहा कि बातचीत के दौरान, मुख्य बिंदु फिलिस्तीनी-इजरायल संघर्ष क्षेत्र की स्थिति पर था। रूसी पक्ष ने रक्तपात को तेजी से समाप्त करने और गाजा पट्टी में प्रभावित निवासियों को आवश्यक मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए राजनीतिक और राजनयिक प्रयासों को जारी रखने की अपनी तत्परता की पुष्टि की। बयान में कहा गया कि बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने पारंपरिक रूप से रूस-फिलिस्तीन मैत्रीपूर्ण सहयोग को मजबूत करने पर भी चर्चा की।

संयुक्त राष्ट्र में बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमले की निंदा

50 से अधिक जिलों में हिंदुओं को बनाया गया निशाना

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में ढाका समेत पूरे देश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों के विरोध में ढाका में हजारों लोगों ने प्रदर्शन किया। इन हमलों में एक शिक्षक सहित दो लोगों की मौत हो चुकी है और 45 लोग घायल हुए हैं। इसके अतिरिक्त दसियों करोड़ की संपत्ति को नष्ट किया गया है और मंदिरों पर हमले हुए हैं। यह सब शेख हसीना के प्रधानमंत्री से इस्तीफे की मांग को लेकर छेड़े गए आंदोलन के दौरान रविवार और सोमवार को हुआ।

हसीना के इस्तीफे के बाद मंगलवार को भी ये हमले जारी रहे। प्रदर्शन में शामिल लोग अपनी सुरक्षा के लिए गुहार लगा रहे थे और खुद के बंगाली होने के पोस्टर हाथ में लिए हुए थे। उन्होंने शांति की मांग को लेकर सड़क के एक हिस्से पर जाम भी लगाया। मुस्लिम बहुल बांग्लादेश की मुस्लिम बहुल 17 करोड़ की आबादी में हिंदू करीब आठ प्रतिशत (1.35 करोड़) हैं। देश की बहुसंख्य हिंदू आबादी परंपरागत रूप से शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग की समर्थक रही है और हिंसा में अवामी लीग के समर्थक व कार्यालय हिंसक आंदोलनकारियों के निशाने पर रहे हैं। बांग्लादेश हिंदू, बौद्ध, ईसाई एकता परिषद के अनुसार, देश के 64 जिलों में से 52 में हिंदुओं और उनकी संपत्तियों को निशाना बनाया गया। परिषद ने कहा है कि

देश में रहने वाले अल्पसंख्यकों की आबादी इस स्थिति से बुरी तरह से आशंकित, बेचैन और भविष्य की अनिश्चितता को लेकर डरी हुई है। परिषद ने सरकार प्रमुख मुहम्मद यूनुस से सुरक्षा और संरक्षण की मांग की है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के कार्यालय ने कहा है कि बांग्लादेश में हिंसा को रोका जाए। बयान में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र हर तरह की नस्लभेदी हिंसा के खिलाफ है, उसकी रोकथाम के तत्काल उपाय किए जाएं। हिंसा के शिकार और भयभीत हजारों बांग्लादेशी हिंदू पड़ोसी देश भारत में प्रवेश के लिए सीमा पर पहुंचे हुए हैं। उन्हें समझा-बुझाकर वापस किया जा रहा है।

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक की सुरक्षा की अपील की है। शपथ लेने के बाद बांग्लादेश सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस ने देश में लोकतंत्र, न्याय, मानवाधिकारों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कायम करने का वादा किया है। बांग्लादेश में अराजकता के बीच अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमले को लेकर संयुक्त राष्ट्र ने चिंता जताई है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरस के प्रवक्ता ने कहा कि हम निश्चित रूप से नस्लीय आधारित हमले या इसके आधार पर हिंसा उकसाने के विरुद्ध खड़े हैं।

यूएन महासचिव के उप प्रवक्ता फरहान हक ने गुरुवार को कहा कि हमने जो स्पष्ट किया वह यह है कि हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हाल के हफ्तों में बांग्लादेश में होने वाली हिंसा को कम किया जाए। वह बांग्लादेश में हिंदुओं व अन्य अल्पसंख्यकों पर हमले को लेकर यूएन महासचिव की प्रतिक्रिया पूछे जाने पर जवाब दे रहे थे। बांग्लादेश में भयानक अराजकता के बीच शेख हसीना के पीएम पद से इस्तीफा देने और भारत पहुंचने के बाद से अब तक कई हिंदू मंदिरों और उनके घरों और दुकानों में तोड़फोड़ की गई। इस दौरान शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग से जुड़े कम से कम दो हिंदू नेताओं की हत्या कर दी गई।यूएन के उप प्रवक्ता फरहान हक ने कहा कि बांग्लादेश में नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बनी नई अंतरिम सरकार से संयुक्त राष्ट्र को उम्मीदें हैं। निश्चित रूप से जनता के बीच हिंसा में कमी का कोई भी संकेत एक अच्छी बात है।जब उनसे पूछा गया कि क्या महासचिव गुटेरस ने यूनुस को बधाई दी या उनसे फोन पर बात की। इसके जवाब में फरहान ने कहा कि गुटेरस ने बात नहीं की लेकिन यूएन के रेजिडेंट क्वार्डिनेटर ग्वीन लेविस ने शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया था।

ब्राजील में 62 लोगों को लेकर जा रहा विमान हुआ दुर्घटनाग्रस्त, वीडियो वायरल

एजेंसी

साओ पाओलो। ब्राजील के साओ पाओलो में एक यात्री विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जानकारी के मुताबिक इस विमान में 62 लोग सवार थे। इस हादसे में कितने लोगों की मौत हुई और कितने लोगों को बचाया गया है इस बारे में अंतिम जानकारी उपलब्ध नहीं मिल सकी है। यह विमान 14 साल पुराना विमान था। यह विमान एक आवासीय इलाके में क्रैश हुआ है। घटना से जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। एयरलाइन वोएपास ने विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की पुष्टि की है। विमान में 58 यात्री और 4 चालक दल के सदस्य सवार थे। यह

विमान साओ पाउलो के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर जा रहा था।

एयरलाइन ने एक बयान में पुष्टि की कि साओ पाउलो के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ग्वारुलहोस के लिए जा रहा एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसमें 58 यात्री और 4 चालक दल के सदस्य सवार थे। बयान में यह नहीं बताया गया कि दुर्घटना किस कारण से हुई।

साओ पाउलो के राज्य अग्निशमन विभाग ने सोशल मीडिया पर पुष्टि की कि विन्हेडो में एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसने दुर्घटना वाले क्षेत्र में सात दल भेजे हैं। सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में दिखाया गया है कि विमान पेड़ों के समूह में गिर रहा है और उसके बाद काले धुएं का बड़ा गुबार उठता दिख रहा है। घटना ब्राजील के साओ पाउलो राज्य की है।

ऑकलैंड में वाणिज्य दूतावास खोलेगा भारत : राष्ट्रपति मुर्मू

एजेंसी

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड दौरे पहुंचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि भारत न्यूजीलैंड के साथ संबंधों को प्रगाढ़ बनाने और प्रवासी भारतीयों की सुविधा के लिए जल्द ही ऑकलैंड में वाणिज्य दूतावास खोलेगा। ऑकलैंड में भारतीय समुदाय द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी

मुर्मू ने कहा कि उन्हें न्यूजीलैंड में भारतीय समुदाय की उपलब्धियां देखकर बहुत प्रसन्नता हुई। उन्होंने कहा, 'भारत के न्यूजीलैंड से संबंध बहुत गहरे और बहुआयामी हैं। भारतीय समुदाय ने न्यूजीलैंड के विकास में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुझे यह बताते हुए बहुत प्रसन्नता हो रही है कि भारत समुदाय की काफी समय से लंबित मांग को पूरा करते हुए जल्द ही ऑकलैंड में वाणिज्य दूतावास खोलेगा।' उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस निर्णय से राजनयिक संबंध और मजबूत होंगे।

इमरान और बुशरा बीबी की रिमांड तोशाखाना के नए भ्रष्टाचार मामले में 11 दिन और बढ़ाई गई

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक जवाबेदही अदालत ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी की रिमांड तोशाखाना के नए भ्रष्टाचार मामले में 11 दिनों के लिए बढ़ा दी है। मीडिया में जारी खबरों में यह जानकारी दी गई। पाकिस्तान के अंग्रेजी अखबार 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार' में प्रकाशित खबर के अनुसार जवाबदेही अदालत के न्यायाधीश नासिर जावेद राणा की अध्यक्षता में रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अदियाला जेल में स्थापित अस्थायी अदालत कक्ष में बृहस्पतिवार को मामले की सुनवाई की गई। न्यायाधीश राणा ने तोशाखाना के नये भ्रष्टाचार मामले में खान और बीबी की 10 दिन की रिमांड समाप्त होने के बाद इसे 11 और दिनों के लिए बढ़ा दिया। पाकिस्तान-तहरीक-ए इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख नेता इमरान खान (71) कई मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद पिछले एक साल से अधिक समय से अदियाला जेल में बंद हैं। उनकी पत्नी 49 वर्षीया बीबी भी उनके साथ जेल में बंद हैं।

राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने अदालत को बताया कि खान ने पिछले 10 दिनों की रिमांड के दौरान केवल दो बार जांच टीम के साथ सहयोग किया था।

भ्रष्टाचार विरोधी निगरानी संस्था ने अदालत से मामले की जांच के लिए अतिरिक्त 14 दिन की रिमांड सौंपने का अनुरोध किया था। खबर में बताया गया कि हालांकि, अदालत ने दलीलें सुनने के बाद खान की प्रत्यक्ष रिमांड 11 दिन के लिए बढ़ाई और मामले की सुनवाई 19 अगस्त तक स्थगित कर दी।खान और बीबी पहले ही तोशाखाना के नये भ्रष्टाचार मामले के संबंध में 24 दिन की रिमांड अवधि को पूरा कर चुके हैं। एनएबी ने इस मामले में खाना और बीबी पर तोशाखाना से आभूषण सेट खरीदने और कानून का उल्लंघन कर उसे बेचने का आरोप लगाया।

एनएबी ने उनके खिलाफ ताजा तोशाखाना मामला तब दर्ज किया जब पिछले महीने जिला एवं सत्र न्यायालय ने गैर-इस्लामिक विवाह मामले में उनकी दोषसिद्धि को खारिज कर दिया था।

अदालत ने अपने आदेश में कहा था कि दोनों को तत्काल रिहा कर दिया जाना चाहिए, जब तक कि वे अन्य मामलों में वांछित न हों। तोशाखाना मामले में हुई सुनवाई के बाद खान ने संवाददाताओं से कहा कि पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार दो महीने में गिर जाएगी। खबर में उनके हवाले से कहा गया है, 'ये मूर्ख यह नहीं समझ रहे हैं कि इस सरकार के पास दो महीने से अधिक का समय नहीं है। सरकार दो महीने में गिर जाएगी।

इमरान खान ने कहा, 'मेरे पास बहुत समय है, लेकिन उनके (शासकों के) पास समय खत्म होता जा रहा है।' खान ने कहा कि वह सत्ताधारियों के साथ कोई समझौता नहीं करेंगे, चाहे सरकार उन्हें कितने भी लंबे समय तक जेल में रखे।

बांग्लादेश की दो जेलों में झड़प और गोलीबारी, छह कैदियों की मौत

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में भारी हिंसा के बीच हुए सत्ता परिवर्तन के बाद अब जेलों में मारकाट शुरू हो गई है। पिछले 24 घंटे में झड़प और गोलीबारी में छह कैदी मारे गए हैं। कई जेल मुलाजिम घायल हुए हैं। जेल अधिकारियों को जान बचाने के लाले पड़े हुए हैं। दोपहर करीब दो बजे चट्टोग्राम सेंट्रल जेल में कैदियों और गार्डों के एक वर्ग के बीच झड़प के दौरान गोलियों की आवाज सुनी गई। अधिकारियों ने बताया कि जमालपुर जिला जेल में गुरुवार दोपहर कैदियों के दो समूहों के बीच झड़प में छह कैदियों की मौत हो गई। इस झड़प में जेलर और सात बंदीरक्षक घायल हो गए। मृत कैदियों के नाम अरमान, रेहान, श्यामल, फजले रब्बी बाबू, जसीम और राहत हैं। ये सभी जमालपुर सदर उपजिला के निवासी थे। जेलर अबू फत्ताह ने कहा है कि स्थिति पर काबू पाने के बाद कैदियों ने उन्हें बंधक बनाकर जेल से भागने की कोशिश की। कैदियों ने जेल के भीतर दो इमारतों, उनके कार्यालय और एक मुख्य द्वार में तोड़फोड़ की। इस दौरान 14 जेल प्रहरियों को बंधक बना लिया। आज दोपहर में चट्टोग्राम सेंट्रल जेल में कैदियों और गार्डों के एक वर्ग के बीच झड़प के दौरान गोलियों की आवाज सुनी गई। अब स्थिति सामान्य है। जेल में सेना, रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी), पुलिस और अग्निशमन सेवा को तैनात किया गया है। उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से घायल चार कैदियों और तीन जेल प्रहरियों को मैमनसिंह मेडिकल कॉलेज अस्पताल और जमालपुर जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

यूक्रेन ने रूस के 27 ड्रोनों को मार गिराया

एजेंसी

कीव। यूक्रेनी सेना ने रूस की ओर से छोड़े गये सभी 27 लड़ाकू ड्रोनों को मार गिराया। यूक्रेनी वायु सेना ने जानकारी दी। एक सोशल मीडिया बयान के मुताबिक रूस के शहीद-136 और शहीद-131 ड्रोनों को उत्तरी, मध्य, दक्षिणी और पूर्वी यूक्रेन के सात क्षेत्रों में हवा में ही रोका गया और सभी ड्रोन को मार गिराया। कीव क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन ने कहा कि वायु रक्षा प्रणाली क्षेत्र में सहजगता के साथ काम कर रहा है। क्षेत्र में रूसी हमलों से कोई हताहत नहीं हुआ और न ही क्षति पहुंची है।

नेपाल के सत्तारूढ़ दल कांग्रेस ने कहा- बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले की घटनाएं चिंताजनक

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के प्रमुख सत्तारूढ़ दल नेपाली कांग्रेस ने बांग्लादेश में छात्र आन्दोलन के क्रम में हिन्दुओं पर हो रहे हमले की घटनाओं पर चिंता जाहिर की है। पार्टी ने कहा है कि बांग्लादेश में आरक्षण विरोधी आंदोलन के दौरान हिंदू समुदाय पर हमले की घटनाएं चिंताजनक है। केंद्रीय कार्यसमिति की बैठक के बाद जारी बयान में कहा गया है कि बांग्लादेश के शासक और सुरक्षाबलों को धार्मिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा करते हुए धार्मिक सहिष्णुता और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने की मांग की है। पार्टी ने बांग्लादेश में शांतिपूर्ण माहौल बनाने में सफल होने का विश्वास व्यक्त किया है। पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय के मुख्य सचिव कृष्ण प्रसाद पौडेल की ओर से जारी बयान में बांग्लादेश में जारी विरोध प्रदर्शन के दौरान धार्मिक अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं पर हमले की घटनाएं चिंताजनक है। पार्टी का मानना ??है कि वहां जल्द करते हुए धार्मिक सहिष्णुता और सामाजिक सद्भाव बनाए रखते हुए जल्द से जल्द शांतिपूर्ण वातावरण बहाल होने की अपेक्षा की गई है।

ही स्थिति सामान्य होगी और सभी की सुरक्षा की गारंटी करने में बांग्लादेश सफल होगी। विज्ञप्ति में धार्मिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा नेपाली कांग्रेस के केंद्रीय कार्यालय में पार्टी अध्यक्ष शेर बहादुर देउवा की अध्यक्षता में हुई बैठक में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के नवनियुक्त प्रमुख मोहम्मद यूनुस को बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल की कामना करने के साथ आल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने की बात कही गई है। बयान के मार्फत नेपाली कांग्रेस ने उम्मीद जताई है कि अंतरिम सरकार सभी राजनीतिक दलों, नागरिक समाज और विरोध करने वाले दलों के परामर्श से चुनाव की तारीख की घोषणा हो और उसने विश्वास व्यक्त किया है कि सभी बांग्लादेशी नागरिकों की भागीदारी में चुनाव स्वच्छ, निष्पक्ष और भय मुक्त वातावरण में पूरा होगा। बयान में कहा गया है कि नेपाली कांग्रेस पिछले कुछ हफ्तों से बांग्लादेश में चल रहे राजनीतिक घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रही है और उसे विश्वास है कि लोकतांत्रिक और संवैधानिक प्रक्रिया बिना किसी देरी के आगे बढ़ाई जाएगी और राजनीतिक गतिरोध समाप्त हो जाएगा।

पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने मोनाल रेस्तरां केस में कैबिनेट सचिव, अटॉर्नी जनरल समेत तीन को तलब किया

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने आज मार्गल्ला नेशनल पार्क में व्यावसायिक गतिविधियों से संबंधित एक मामले में मोनाल रेस्तरां के मालिक, पाकिस्तान के अटॉर्नी जनरल और कैबिनेट सचिव को तलब किया है। सुप्रीम कोर्ट ने 11 जून को राजधानी इस्लामाबाद के मार्गल्ला हिल्स नेशनल पार्क में बने मोनाल रेस्तरां समेत सभी भोजनालयों को 90 दिन के भीतर बंद करने का आदेश दिया था।

इस आदेश पर अभी तक पूरी तरह अमल नहीं हुआ है। इसे अदालत की अवमानना बताते हुए दो याचिकाएं दायर की गई हैं। तीनों को इसीलिए तलब किया गया है। 11 जून को सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस काजी फैज ईसा की बेंच ने कैपिटल डेवलपमेंट अथॉरिटी (सीडीए) की रिपोर्ट को खारिज कर दिया था। चीफ जस्टिस ने आज याचिकाओं की सुनवाई की। उन्होंने टिप्पणी की कि सुप्रीम कोर्ट ने मार्गल्ला नेशनल पार्क की राष्ट्रीय विरासत को संरक्षित करने का फैसला दिया, लेकिन वन्यजीव बोर्ड के अध्यक्ष को ही उनके पद से हटा दिया गया। उन्होंने कहा कि ऐसा कर अदालत के फैसले का उल्लंघन किया गया। उन्होंने एक निजी होटल के मालिक और कैबिनेट सचिव के बीच संबंध के बारे में भी पूछा। साथ ही कहा यह पूरा मामला प्रधानमंत्री शरीफ की जानकारी में लाया जाए।

यह दोनों याचिकाएं वकील उमर इजाज गिलानी के माध्यम से दायर की गई हैं। पहली याचिका एक नागरिक बिलाल हक की है। दूसरी याचिका इस्लामाबाद वन्यजीव प्रबंधन बोर्ड की पूर्व अध्यक्ष रीना सईद खान की है। उन्हें ही इस्लामाबाद वन्यजीव प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष के पद से हटाया गया है। हक की याचिका में कहा गया है कि मोनाल रेस्तरां और ला मोंटाना के मालिक ने स्वेच्छा से सुविधाएं खाली तो कर दी हैं पर संरचनाओं को नष्ट नहीं किया गया है। लगभग दो महीने बाद दुर्भाग्य से रेस्तरां की एक भी ईंट नहीं हटाई गई है। स्पष्ट रूप से यह अदालत के आदेश की अवहेलना है। इसके लिए जवाबदेह कैबिनेट सचिव कामरान अली अफजल, आंतरिक सचिव आफताब दुर्रानी, ??प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव असद रहमान गिलानी, राजधानी विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष चौधरी मोहम्मद अली रंधावा आदि इस्लामाबाद वन्यजीव प्रबंधन बोर्ड को खत्म करने पर आमादा हैं। बोर्ड अध्यक्ष रीना सईद खान को इन लोगों ने 19 जुलाई को अध्यक्ष के पद से हटा दिया और उनकी जगह पर जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव को नियुक्त किया है। यह कदम कानूनी रूप से संदिग्ध है।उधर, मोनाल प्रबंधन ने हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप 11 सितंबर को स्थायी रूप से रेस्तरां बंद करने की घोषणा की है। मोनाल रेस्तरां इस्लामाबाद के सबसे लोकप्रिय भोजनालयों में है। यह अपने शानदार प्राकृतिक दृश्यों और विविध व्यंजनों के लिए मशहूर है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले रोकने के लिए मोहम्मद यूनुस को खुला पत्र

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश हिंदू बौद्ध क्रिस्टान एक्य परिषद ने खुला पत्र लिखकर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रधान सलाहकार, डॉ. मोहम्मद यूनुस से देश में बढ़ती सांप्रदायिक हिंसा और उत्पीड़न के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। परिषद ने हाल ही में देश के विभिन्न हिस्सों में अल्पसंख्यक हिंदू समुदायों के खिलाफ हुई हिंसक घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि देश के विभिन्न हिस्सों में धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा और उत्पीड़न की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। विशेष रूप से छात्र-छात्राओं और महिलाओं के खिलाफ हमलों में वृद्धि हुई है, जिससे उनके जीवन पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। इस बढ़ती हिंसा के कारण अल्पसंख्यक समुदायों में भय और असुरक्षा का माहौल पैदा हो गया है। बांग्लादेश हिंदू बौद्ध क्रिस्टान एक्य परिषद के सचिव राणा दास गुप्ता और अध्यक्ष बासुदेव धर के हस्ताक्षर के साथ जारी की गई इस चिट्ठी में परिषद ने इस स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए अंतरिम सरकार से अपील की है कि वह तुरंत कदम उठाए और इस हिंसा को रोकने के लिए सख्त उपाय करे। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर इस स्थिति को नियंत्रित नहीं किया गया, तो यह स्थिति देश की स्थिरता और अंतर्राष्ट्रीय छवि को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है।

ईरान में इस वर्ष कम से कम 345 लोगों को फांसी दी गई

एजेंसी

तेहरान। ईरान में इस वर्ष हत्या, नशीली दवाओं संबंधित अपराधों तथा अन्य जुर्मों के लिए अब तक कम से कम 345 लोगों को मौत की सजा दी गयी है।

संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त (ओएचसीएचआर) के कार्यालय की प्रवक्ता एलिजाबेथ थ्रोसेल ने कहा, मानवाधिकार के लिए संयुक्त राष्ट्र के उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क उन रिपोर्टों से बेहद चिंतित हैं कि इस सप्ताह दो दिनों के अंतराल में ईरानी अधिकारियों ने कथित तौर पर देश भर में कम से कम 29 लोगों को मौत की

सजा दी है। रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई में 38 लोगों को फांसी दी गई थी। सुश्री थ्रोसेल ने ओएचसीएचआर की ओर से जारी एक बयान में कहा, 'इस साल फांसी की कथित संख्या कम से कम 345 हो गई है, जिनमें 15 महिलाएं भी शामिल हैं।'

उन्होंने कहा कि जिन लोगों को फांसी दी गई, उनमें से अधिकतर को नशीली दवाओं के अपराध या हत्या का दोषी ठहराया गया था।बयान में कहा गया है कि कुर्द, बलूची और अहवाजी अरब जैसे ईरान के अल्पसंख्यक इन फाँसी से लगातार प्रभावित हो रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पांच मार्च 2023 को नॉर्वे स्थित संगठन 'ईरान ह्यूमन राइट्स' और फ्रांस के 'टुगेदर अगेंस्ट द डेथ पेनल्टी वॉचडॉग' द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में ईरान में कम से कम 834 लोगों को फाँसी दी गई, जो आठ साल का उच्चतम स्तर है। उनमें से 471 लोगों को नशीली दवाओं से संबंधित अपराधों के लिए मौत की सजा सुनाई गई थी। वॉचडॉग के अनुसार, ऐसे मामलों में फांसी की संख्या 2022 की तुलना में 84 प्रतिशत और 2020 की तुलना में लगभग 18 गुना बढ़ गई है।

नगालैंड के मुख्यमंत्री ने की प्रधानमंत्री से मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा कि नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने

प्रधानमंत्री से मुलाकात की। वहीं मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया कि प्रधानमंत्री से मुलाकात कर खुशी हुई। राज्य के विकास के लिए प्रमुख परियोजनाओं और पहलों के बारे में उन्हें जानकारी दी। उनके निरंतर सहयोग और मार्गदर्शन की आशा है।

वक्फ संशोधन विधेयक पर विचार के लिए जेपीसी गठित

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पर विचार के लिए संसद के दोनों सदनों की एक 31 सदस्यीय संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के गठन की घोषणा की गयी। संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजीजू ने इस समिति के गठन की घोषणा की। इस समिति में 21 सदस्य लोकसभा के और दस सदस्य राज्यसभा के होंगे। समिति में शामिल लोकसभा के सदस्य -सर्वश्री जगदंबिका पाल, निशिकांत दुबे, तेजेस्वी सूर्या, श्रीमती अपराजिता सारंगी, डॉ. संजय जायसवाल, दिलीप सैकिया, अभिजीत गंगोपाध्याय, डी.के. अरुणा, गौरव गोगोई, इमरान मसूद, मोहम्मद जावेद, मोहिबुल्लाह, कल्याण बनर्जी, ए. राजा, डी. लावू श्रीकृष्णा, दिलेश्वर कामत, अरविंद सावंत, महात्रे बाल्या मामा सुरेश गोपीनाथ, नरेश गणपत म्हास्के, अरुण भारती और असदुद्दीन ओवैसी हैं।

समिति में राज्य सभा के सदस्य- बृजलाल, मेधा विश्राम कुलकर्णी, गुलाम अली, राधामोहन दास अग्रवाल, सैयद नासिर हुसैन, मोहम्मद नदीमुलहक़, मोहम्मद अब्दुल्ला, वी विजयसाई रेड्डी, संजय सिंह और धर्माधिकारी वीरेन्द्र हेगड़े हैं। समिति को संसद के अगले सत्र के प्रथम सप्ताह के अंतिम दिन तक अपनी रिपोर्ट देने को कहा गया है।

कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दो बच्चों तक सीमित करने की मांग

नयी दिल्ली। राज्यसभा में सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ माता -पिता और उनके दो बच्चे तक सीमित करने की मांग करते हुए कहा कि इससे जनसंख्या नियंत्रण में मदद मिलेगी और सरकारी संसाधनों पर दबाव घटेगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अनिल सुखदेवराव बोंडे ने सदन में शून्यकाल में 'सभापति की अनुमति से उठाये गए मामले' के अंतर्गत कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना का लाभ दो बच्चों तक सीमित कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार प्रति व्यक्ति पांच किलोग्राम खाद्यान्न दिया जाता है। कुछ परिवारों में पांच ङ्क आठ ङ्क दस तक बच्चे है जिससे सरकार को अत्यधिक खाद्यान्न देना पड़ता है जिससे सरकार पर अनावश्यक दबाव पड़ता है। सरकार को इनके लिए अतिरिक्त आवास आदि की भी व्यवस्था करनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि सरकार को सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दो बच्चों तक सीमित कर देना चाहिए। इससे जनसंख्या नियंत्रण पर मदद मिलेगी और सरकारी संसाधनों पर दबाव घटेगा। उन्होंने कहा कि दूसरा बच्चा जुड़वा होने को अपवाद माना जाना चाहिए।भाजपा के नगेंद्र राय ने नारायणी रेजिमेंट बनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध तक यह रेजिमेंट थी और देश की रक्षा में इसने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। उन्होंने कहा कि देश के मौजूदा हालात में नारायणी रेजिमेंट का गठन आवश्यक है।

आरएसएस ने की बंगलादेश सरकार से हिंदुओं के खिलाफ हिंसा पर रोक लगाने की मांग

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने बंगलादेश में सत्ता परिवर्तन के घटनाक्रम के बीच हिंसा में हिंदू, बौद्ध एवं अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर होने वाले हमलों और अपराध की कड़ी निंदा की तथा बंगलादेश की अंतरिम सरकार से ऐसी घटनाओं पर सख्ती से रोक लगाने की मांग की है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह ने बंगलादेश की परिस्थिति पर एक वक्तव्य जारी करके कहा कि विगत कुछ दिनों से बंगलादेश में सत्ता परिवर्तन के आंदोलन के दौरान हिंदू, बौद्ध तथा वहाँ के अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के साथ हो रही हिंसा की घटनाओं पर आरएसएस गंभीर चिंता व्यक्त करता है। उन्होंने कहा कि बंगलादेश में हिंदू तथा अन्य अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों की लक्षित हत्या, लूटपाट, आगज़नी, महिलाओं के साथ जघन्य अपराध तथा मंदिर जैसे श्रद्धास्थानों पर हमले जैसी क्रूरता असहनीय है, तथा संघ इसकी घोर निंदा करता है। उन्होंने कहा कि बंगलादेश की अंतरिम सरकार से अपेक्षा है कि वह तुरंत सख़्ती से ऐसी घटनाओं पर रोक लगाये और पीड़ितों के जान, माल एवं मान के रक्षा की समुचित व्यवस्था करे।

गाजा पर बड़ी-बड़ी बातें लेकिन हिन्दूओं पर नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में भारतीय जनता पार्टी के सांसद अनुराग ठाकुर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सहित पूरा विपक्ष बांग्लादेश में हिन्दुओं और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के मुद्दे को नजरअंदाज कर रहा है।

भाजपा नेता ने शून्य काल के दौरान इस मुद्दे को उठाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता लोकसभा राहुल गांधी और राज्यसभा मल्लिकार्जुन खड़गे ने बांग्लादेश में नई सरकार के नेता को बधाई दी लेकिन वे हिन्दुओं और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की बात नहीं की। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के हालात पर विपक्षी दलों सहित सभी दल चिंतित हैं। प्रधानमंत्री ने भी अंतरिम सरकार के नेता को शुभकामनायें दी लेकिन साथ ही उन्होंने हिन्दुओं की सुरक्षा का मुद्दा उठाया। दुर्भाग्य की बात है कि नेता प्रतिपक्ष ने इसे नहीं उठाया। उन्होंने पूछा कि आखिर क्या मजबूरी रही है। गाजा को लेकर बड़ी-बड़ी बातें करने वाले इस मुद्दे पर चुप्प हैं।

कानून का लाभ हर व्यक्ति को मिले : दीपक मिश्रा

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस दीपक मिश्रा ने कहा कि कानून का लाभ समाज के हर वर्ग और हर व्यक्ति को मिलना चाहिए। कानून का अंतिम उद्देश्य ही यही है। वे गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ लॉ एंड लीगल स्टडीज (यूएसएलएलएस) द्वारा आयोजित कानून की पवित्रता और इसमें अवसर विषय पर आयोजित संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के तौर पर बोल रहे थे। जस्टिस मिश्रा ने कहा कि कानून किसी भी सभ्य समाज की पहली आवश्यकता है। समाज में कानून कई मौलिक कारणों से आवश्यक है, जैसे कि व्यवस्था बनाए रखना, अधिकारों की रक्षा करना और न्याय को बढ़ावा देना इत्यादि। उन्होंने कहा कि कानून का अध्ययन छात्रों को नैतिकता से अवगत कराता है और उन्हें सही और गलत के ज्ञान से लैस करता है। यह छात्रों के लिए एक पथ प्रदान करता है जिससे वे समाजिक मूल्यों को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित करने वाले कानूनों के विकास में योगदान कर सकते हैं और उभरते हुए मुद्दों का सामना कर सकते हैं। इस अवसर पर आईपी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेश वर्मा ने ऐसी अकादमिक व्याख्यानों की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हम सभी अपने दैनिक जीवन में खुशी का पीछा कर रहे हैं। नए विचारों का अन्वेषण करने में आनंद लें। सीखने की पूरी यात्रा आनंदमय होनी चाहिए। पवित्रता के बिना कानून का अस्तित्व नहीं है। धर्म और धैर्य साथ-साथ चलते हैं। हमारी कानूनी प्रणाली में बहुत सारे परिवर्तन हो रहे हैं और हमें सुधारों के साथ तालमेल बैठाने की आवश्यकता है। नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली के कुलपति प्रो. डॉ जीएस बाजपेयी ने इस अवसर पर कहा कि खुशी और आनंद की निर्भरता आर्थिक संपन्नता पर नहीं है। विपरीत परिस्थितियों में भी हमें अपना संबल और विश्वास नहीं खोना चाहिए।

पुरानी दिल्ली स्टेशन पर वॉशेबल एप्रेन बदले जाएंगे, ट्रेन रहेंगी प्रभावित

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने दिल्ली जंक्शन (पुरानी दिल्ली) स्टेशन पर प्लेटफार्म संख्या-2 के वॉशेबल एप्रेन को बदलने के लिए 12 अगस्त से 25 सितंबर तक 45 दिनों के पावर और ट्रैफिक ब्लॉक के कारण कई ट्रेनें अस्थायी रूप से रद्द रहेंगी। इसके अलावा कई ट्रेनों की बर्थिंग में बदलाव किया जाएगा।

उत्तर रेलवे ने बताया कि ट्रेन संख्या 04432 जाखल-दिल्ली स्पेशल, ट्रेन संख्या 04425 दिल्ली-नरवाना स्पेशल, ट्रेन संख्या 04426 नरवाना-जींद स्पेशल, ट्रेन संख्या 14023 दिल्ली-कुरुक्षेत्र स्पेशल और ट्रेन संख्या 14024 कुरुक्षेत्र-दिल्ली ट्रेन 12 अगस्त से 25 सितंबर तक

रद्द रहेगी। वहीं ट्रेन संख्या 15531 सहरसा-अमृतसर एक्सप्रेस 11 अगस्त को अंबाला-सरहिंद-साहनेवाल स्टेशन के रास्ते चलाया जाएगा तथा चंडीगढ़ में ठहराव नहीं दिया जाएगा। ट्रेन संख्या 15532 अमृतसर-सहरसा एक्सप्रेस 12 अगस्त को साहनेवाल-सरहिंद-अंबाला के रास्ते चलाया जाएगा तथा चंडीगढ़ में ठहराव नहीं दिया जाएगा। ट्रेन संख्या 12926 अमृतसर-मुंबई सेंट्रल पश्चिम एक्सप्रेस 10 अगस्त को साहनेवाल-सरहिंद-अंबाला के रास्ते चलाया जाएगा तथा चंडीगढ़ और सास नगर मोहाली में ठहराव नहीं दिया जाएगा।

ट्रेन संख्या 12449 मडगांव-चंडीगढ़ एक्सप्रेस 13 और 14 अगस्त को अंबाला-चंडीगढ़ के बीच 20 मिनट के लिए विनियमित किया जाएगा।

विदेश सचिव रविवार से दो दिनों के नेपाल दौरे पर

नई दिल्ली। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री रविवार को दो दिवसीय दौरे पर नेपाल जाएंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार विक्रम मिस्त्री नेपाल के विदेश सचिव सेवा लम्सल के निमंत्रण पर 11-12 अगस्त तक नेपाल के आधिकारिक दौरे पर होंगे। विदेश सचिव की यह यात्रा द्विपक्षीय संबंधों को और आगे बढ़ाने का अवसर है। विदेश सचिव की यह यात्रा दोनों देशों के बीच नियमित उच्चस्तरीय आदान-प्रदान की परंपरा के अनुरूप है। यह उस प्राथमिकता को दर्शाती है कि भारत अपनी पड़ोसी प्रथम नीति के तहत नेपाल के साथ अपने संबंधों को महत्व देता है।

अपोलो, मेदांता और रिजेंसी अस्पताल में भी हो रहा आयुष्मान कार्ड धारकों का इलाज

एजेंसी

लखनऊ। मोदी सरकार की आयुष्मान भारत योजना का लाभ गरीब और जरूरतमंदों को देने में उत्तर प्रदेश की योगी सरकार का कोई सानी नहीं है। पूरे देश में उत्तर प्रदेश ही ऐसा राज्य है, जहां सबसे ज्यादा आयुष्मान कार्ड धारक हैं। प्रदेश की गरीब जनता और जरूरतमंद को योजना का लाभ देने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार 5 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाकर पूरे देश में नंबर वन है। यह उपलब्धि प्रदेश के पास विगत कई वर्षों से है। वहीं सीएम योगी की पहल पर प्रदेश में कार्ड धारक मरीजों को गंभीर से गंभीर बीमारी में आसानी से इलाज मिल रहा है। उन्हे यह इलाज बड़े-बड़े कॉर्पोरेट मेडिकल संस्थानों में विशेषज्ञ डॉक्टर्स द्वारा मुहैया कराया जा रहा है। अब तक 25 सौ करोड़ से अधिक की धनराशि गंभीर बीमारी वाले 6 लाख से अधिक मरीजों के इलाज में खर्च की जा चुकी है। इतना ही नहीं दूसरे प्रदेश के आयुष्मान कार्ड धारक भी प्रदेश की बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ ले रहे हैं।

प्रमुख सचिव चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण पार्थ सारथी सेन शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप गरीब जनता को आयुष्मान भारत का लाभ देने के लिए युद्धस्तर पर आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। इसी का नतीजा है कि प्रदेश में 5 करोड़ 11 लाख 72

हजार 647 आयुष्मान कार्ड धारक हैं। जिन्हे प्रदेश के 5,669 अस्पतालों द्वारा इलाज मुहैया कराया जा रहा है। इनमें 2948 सरकारी और 2721 प्राइवेट अस्पताल शामिल हैं। इतना ही नहीं प्रदेश के कार्पोरेट अस्पतालों में भी कार्ड धारकों को इलाज मिल रहा है। इसमें अपोलो, मेदांता, यशोदा, रिजेंसी, टेंडर पॉम जैस बड़े कॉर्पोरेट अस्पताल शामिल हैं। योजना के तहत अब तक 45,19,375 मरीजों के इलाज में 7040 करोड़ रुपये खर्च किये जा चुके हैं। प्रमुख सचिव ने बताया कि उत्तर प्रदेश कार्ड बनाने के मामले में विगत कई वर्षों से पूरे देश में नंबर वन राज्य बना हुआ है, जबकि दूसरे स्थान पर मध्य प्रदेश है, जहां 4 करोड़ 3 लाख कार्ड बनाए गए हैं। वहीं तीसरे स्थान पर बिहार है, जहां 3 करोड़ 26 लाख कार्ड बनाए गए हैं। साचीज की सीईओ संगीता सिंह ने बताया कि आयुष्मान कार्ड धारक मरीजों की गंभीर से गंभीर बीमारी का भी आसानी से इलाज किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अब तक 2,557 करोड़ से टर्शियरी केयर के तहत 6,98,831 मरीजों को इलाज उपलब्ध कराया गया है। इसमें 66,513 हृदय रोगियों का इलाज किया गया। इनके इलाज में 684 करोड़ रुपये खर्च किये गये। वहीं दूसरे राज्य के 1,79,141 मरीजों ने प्रदेश की बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया। इनके इलाज में 491 करोड़ रुपये खर्च किये गये जबकि प्रदेश के बाहर रहने वाले 3,05,264 प्रदेशवासी मरीजों ने दूसरे प्रदेश में इलाज कराया। इनके इलाज में 821 करोड़ रुपये खर्च किये गये।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर निगरानी के लिए समिति का गठन

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बांग्लादेश में जारी तनाव की स्थिति के मद्देनजर भारत-बांग्लादेश सीमा (आईबीबी) पर मौजूदा स्थिति की निगरानी के लिए एक समिति गठित की है। गृह मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में कहा कि समिति बांग्लादेश में रहने वाले भारतीय नागरिकों और अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बांग्लादेश के अपने समकक्ष अधिकारियों के साथ संपर्क बनाए रखेगी। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), पूर्वी कमान के अपर महानिदेशक (एडीजी) इस समिति के अध्यक्ष होंगे। समिति के अन्य सदस्यों में बीएसएफ फ्रंटियर मुख्यालय दक्षिण बंगाल के महानिरीक्षक (आईजी), बीएसएफ फ्रंटियर मुख्यालय त्रिपुरा के आईजी, सदस्य (योजना एवं विकास), भारतीय भूमि बंदरगाह प्राधिकरण (एलपीएआई) और एलपीएआई के सचिव शामिल हैं।

गृहमंत्री अमित शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बांग्लादेश में चल रही स्थिति के मद्देनजर मोदी सरकार ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर मौजूदा स्थिति की निगरानी के लिए एक समिति गठित की है। यह समिति बांग्लादेश में अपने समकक्ष अधिकारियों के साथ संचार चैनल बनाए रखेगी ताकि वहां रहने वाले भारतीय नागरिकों, हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। समिति की अध्यक्षता एडीजी, सीमा सुरक्षा बल, पूर्वी कमान करेंगे।

850 करोड़ का कैलिफोर्नियम जब्त, तीन तस्कर गिरफ्तार, पदार्थ की जांच में जुटी पुलिस

एजेंसी

गोपालगंज। गोपालगंज पुलिस को एक बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। एसटीएफ, एसओजी 7, डीआईयू और कुचायकोट थाना के पुलिस ने 50 ग्राम केलिपोर्यिम , एक बहुमूल्य रेडियोएक्टिव पदार्थ की तस्करी करते हुए तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में मुख्य तस्कर यूपी के कुशीनगर जिले का तथा दो तस्कर जो लाइनर का काम करते है वे गोपालगंज निवासी बताए जाते है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि जब्त पदार्थ का प्रयोग न्यूक्लीयर रिएक्टर से न्यूक्लीयर पावर के उत्पादन और साथ ही कई गंभीर ब्रेन कैंसर जैसे बीमारियों को ठीक करने में भी होता है। इंटरनेट से प्राप्त इंफॉर्मेशन के आधार पर 1 ग्राम की कीमत करीब 17 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इस प्रकार 50 ग्राम पदार्थ की कीमत 850 करोड़ रुपये बताई जाती है। इस पदार्थ को बेचने के लिए तस्कर कई महीनों से कोशिश में था। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर यह कारवाई की है। एसपी ने बताया कि रेडियोएक्टिव पदार्थ की हैंडलिंग और अग्रतर जांच हेतु एफएसएल की विशेष टीम को बुलाया गया है। डीपार्टमेंट ऑफ एटामिक एनर्जी को भी सूचित किया गया है। ये उक्त पदार्थ का टेस्ट लब रिपोर्ट है। आईआईटी मद्रास में टेस्ट हुआ है, पांडिचेरी के न्यूक्लियर पावर कंपनी है। पुलिस ने पांडिचेरी पुलिस से भी सम्पर्क साधा है।

राज्यसभा को लोकतंत्र को अस्थिर करने का मंच नहीं बनने दिया जाएगा: धनखड़

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि संसद के उच्च सदन को लोकतंत्र को अस्थिर करने का मंच नहीं बनने दिया जाएगा। श्री धनखड़ ने राज्य सभा के 265वें सत्र के समापन पर कहा कि वह हर सदस्य का बहुत सम्मान करते हैं और किसी के साथ कोई व्यक्तिगत मुद्दा नहीं है। उन्होंने कहा, यह सुनिश्चित करने के लिए हमारा संकल्प है कि राज्य सभा के पवित्र परिसर को लोकतंत्र को अस्थिर करने की जमीन नहीं बनने दिया जाएगा, यह सभी सदस्यों द्वारा व्यक्त किया गया है, स्वागत योग्य है।

श्री धनखड़ ने सदन में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और भारतीय जनता पार्टी के घनश्याम तिवाड़ी के प्रकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि भोजनावकाश के पश्चात सदन की कार्यवाही तीन बार स्थगित की गई। श्री खड़गे और श्री तिवाड़ी की उपस्थिति में पूरा मामला सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लिया गया था। उन्होंने कहा, ÷ मैंने स्पष्ट रूप से यह विचार मन में रखा कि इस मुद्दे को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल कर दिया गया है और अब इस पर और अधिक विचार करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के सदस्यों ने

इस मुद्दे पर फिर बहिर्गमन किया है, जो परेशान करने वाला है। सभापति ने इन सदस्यों से आत्मचिंतन करने, राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्य के बारे में सोचने, संविधान के तहत अपनी शपथ पर विचार करने तथा आगामी सत्रों में रचनात्मक तरीके से जोरदार भागीदारी के लिए तैयार होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि श्री तिवाड़ी के साथ इस मुद्दे पर अलग से कोई चर्चा नहीं की गयी है।

उन्होंने कहा कि कर्तव्य का पालन किसी भी व्यक्तिगत चोट या भावनाओं से ऊपर है। सदन में कुछ मुद्दों पर, राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर, दलीय हितों से ऊपर उठकर, द्विदलीय होकर, देश और दुनिया को यह संदेश दें कि यह देश लोकतंत्र की जननी है और सबसे पुराना तथा सबसे बड़ा लोकतंत्र है। सभापति ने कहा, ÷मैं सदस्यों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए काम करना जारी रखूंगा, ताकि उन्हें अवसर मिले, वे अपना संवैधानिक कर्तव्य निभा सकें और अपनी ऊर्जा, विशेषज्ञता और अनुभव का उपयोग भारत के कल्याण के लिए व्यापक जन सेवा में कर सकें। उन्होंने कहा कि सदन से बहिर्गमन करने वाले सदस्य उच्च सदन, सदन की गौरवशाली परंपरा को ध्यान में रखते हुए तथा सदन के सदस्यों से लोगों की अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए, राष्ट्र के विकास के लिए किस प्रकार कार्य करना चाहिए, इस पर गहन आत्मचिंतन करें तथा अपने भीतर आत्मंथन करें।

राज्यसभा के सभापति के अपमान पर माफी मांगें विपक्ष : चौहान

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ का अपमान करने के लिए विपक्ष को माफी मांगनी चाहिए।

श्री चौहान ने सदन में प्रश्नकाल के दौरान कहा कि ये सदन केवल ईंट और गारे का भवन नहीं है बल्कि ये लोकतंत्र का पवित्र मंदिर है। उन्होंने कहा कि ये सिद्ध हो गया है कि गैर जिम्मेदार विपक्ष देश को अराजकता में झोंकने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा, ÷हम लोग उत्तर के लिए आते हैं। तो केवल प्रश्नकर्ता का जवाब नहीं देते हैं, हम जवाब जनता के लिए भी देते हैं, लेकिन आज प्रश्नकाल में जो व्यवहार किया है, सचमुच में इसका कोई दूसरा उदाहरण नहीं मिलता। श्री चौहान ने कहा कि इसके लिए विपक्ष को माफी माँगनी चाहिए। विपक्ष ने सारे सदन और देश को शर्मसार किया है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, मैं, छह बार लोकसभा और छह बार विधानसभा का सदस्य रहा हूँ। मैं या तो विधानसभा में या तो लोकसभा में आया हूँ, लेकिन अपने जीवन में मैंने विपक्ष का ऐसा अमर्यादित, अशोभनीय व्यवहार कभी नहीं देखा है। आज मन व्यथित है, वेदना से भरा हुआ है। ये केवल आसंदी का अपमान नहीं है, ये देश के लोकतान्त्रिक मूल्यों का अपमान है। ये लोकतंत्र का अपमान है, ये संविधान का अपमान है।

इस बार लाल किले पर सुरक्षा-व्यवस्था संभालेगा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

एजेंसी

नई दिल्ली। इस बार लाल किले के स्वतंत्रता दिवस समारोह की सुरक्षा व्यवस्था आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के भरोसे रहेगी। इसके लिए भारत में पहली बार एआई-आधारित निगरानी और स्वचालित भीड़ प्रणाली को तैनात किया जाएगा। हाल ही में अमेरिका में चुनाव प्रचार के दौरान पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हमले को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए अतिरिक्त सुरक्षा इंतजाम किए जाएंगे।

लाल किले के स्वतंत्रता दिवस समारोह की सुरक्षा कमान रक्षा मंत्रालय और सेना के अधीन रहेगी। वायु सेना के लड़ाकू विमानों को आसमान से पहरेदारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सुरक्षा तैयारियों के मद्देनजर केंद्रीय खुफिया एजेंसियों और सभी संबंधित सुरक्षा एजेंसियों की एक टीम ने हाल ही में लाल किले का दौरा करने के बाद समीक्षा बैठक की। समीक्षा बैठक में अमेरिका में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हमले को देखते हुए लाल किले पर होने वाले उच्च सुरक्षा वाले समारोह में कड़ी निगरानी बनाए रखने के लिए अतिरिक्त व्यवस्था किये जाने पर जोर दिया गया। रक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियां स्वतंत्रता दिवस पर

लाल किले और उसके आसपास उन्नत निगरानी सुविधाओं और स्वचालित भीड़ आकलन सुविधाओं के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता-आधारित सुरक्षा प्रणाली तैनात करेंगी। वीडियो एनालिटिक्स सुविधाओं वाले सीसीटीवी को आयोजन स्थल पर महत्वपूर्ण स्थानों पर तैनात किया जाएगा। खुफिया वीडियो निगरानी प्रणाली में वाहन नंबर प्लेट पहचान प्रणाली, चेहरा पहचान, लोगों की आवाजाही की गिनती, ट्रिपवायर, ऑडियो डिटेक्शन, घुसपैठ और छोड़ी गई या गुम हुई वस्तुओं जैसी सुविधाएं होंगी। समारोह के दौरान लाल किला परिसर के अंदर लोगों के प्रवेश और निकास की गिनती करने के लिए एआई से लैस कैमरों का भी उपयोग किया

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हिजाब पर प्रतिबंध लगाने संबंधी मुंबई के कॉलेज के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मुंबई के एक कॉलेज में विद्यार्थियों के हिजाब, नकाब, टोपी या धार्मिक बैज के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने वाले परिपत्र के जरिए जारी आदेश पर रोक लगा दी। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कॉलेज की ओर से इस तरह का परिपत्र जारी करने पर हैरानी जताई और इसे जारी करने वाले अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कई सवाल पूछे। पीठ ने कॉलेज प्रशासन से यह भी पूछा कि आजादी के इतने सालों बाद अचानक यह परिपत्र जारी करने का फैसला क्यों किया गया? इस पर कॉलेज की ओर से पेश अधिवक्ता ने कहा कि कॉलेज की स्थापना 2008 में की गई थी। शीर्ष अदालत ने परिपत्र पर अंतरिम रोक लगाते हुए कहा कि वह इस मामले में अगली सुनवाई 18 नवंबर 2024 को करेगी। पीठ ने हालांकि, स्पष्ट किया कि कक्षाओं में बुर्का की अनुमति नहीं दी जा सकती। इसके साथ ही पीठ ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि इस आदेश का कोई भी दुरुपयोग नहीं करेगा।' सुनवाई शुरू होते ही पीठ ने कॉलेज की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता माधवी दीवान से पूछा, 'यह निर्देश क्या है? ऐसा कुछ भी न पहनें जिससे धार्मिक पहचान का पता चले। क्या नाम से धार्मिक पहचान का पता नहीं चलेगा?'

इस पर अधिवक्ता ने कहा कि ये बातचीत में बाधाएं हैं। कॉलेज सह-शिक्षा वाला निजी गैर-सहायता प्राप्त संस्थान है, जिसकी स्वायत्तता नहीं छीनी जा सकती। छात्राएं हमेशा से इसे नहीं पहनती रही हैं। उन्होंने कहा कि केवल तीन लड़कियों को इससे समस्या है। पीठ ने अधिवक्ता से पूछा, 'क्या यह लड़की पर निर्भर नहीं करता कि वह क्या पहनना चाहती है। क्या आप कह सकते हैं कि तिलक लगाने वाले को अनुमति नहीं दी जानी चाहिए?' इन दलीलों के बाद पीठ ने कहा कि वह परिपत्र पर रोक लगाएगी। शीर्ष अदालत के समक्ष पीड़ित छात्राओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कॉलिन गोंजाल्विस पेश हुए। कॉलेज की छात्राओं ने बॉम्बे उच्च न्यायालय के उस फैसले को चुनौती दी, जिसमें मुंबई के एक निजी कॉलेज द्वारा अपने परिसर में छात्राओं द्वारा हिजाब, नकाब, बुर्का, टोपी आदि पहनने पर लगाए गए प्रतिबंध को बरकरार रखा गया था।

हरियाणा के स्कूलों में नियुक्त होंगे 500 स्कूल प्राचार्य : शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा की शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने कहा है कि अगस्त माह की आखिरी तारीख तक हरियाणा में 500 प्राचार्य नियुक्त किए जाएंगे। इसके अलावा मुख्यमंत्री नायब सिंह के नेतृत्व में सरकार द्वारा 130 नए राजकीय विद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं। शिक्षा मंत्री यहां सेक्टर-49 स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल में शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित किए एसएमसी ट्रेनिंग कम कांफ्रेंस में बोल रही थीं। उन्होंने कहा कि हमारे हरियाणा के जवान, किसान और खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध हैं। हमारा लक्ष्य है कि शिक्षा के क्षेत्र में भी हरियाणा को नंबर वन बनाया जाए। मुख्यमंत्री नायब सिंह शैक्षणिक सुधार को लेकर कृतसंकल्प हैं। इस दिशा में सरकार की ओर से ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। शैक्षणिक सुधार के उद्देश्य को लेकर पूरे प्रदेश के 22 जिलों में अभिभावक, एसमएसी सदस्यों व शिक्षकों के सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। गुरुग्राम इस कड़ी में बीसवां जिला है, जहां यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद प्रदेश के शिक्षा तंत्र में काफी सकारात्मक परिवर्तन आया है। एसएमसी प्रबंधन समिति के सदस्यों से शिक्षा मंत्री ने सीधी बात की और उनके सुझाव भी लिए। उन्होंने कहा कि जो सुझाव आज आए हैं, उनको पूरी तरह से लागू किया जाएगा। इस अवसर पर गुरुग्राम जिला की 10 श्रेष्ठ एसएमसी को शिक्षा मंत्री ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। दसवीं और बारहवीं कक्षा में सर्वश्रेष्ठ परिणाम लाने वाले छात्र-छात्राओं को भी पुरस्कृत किया गया।

अनजान नंबर से आए वीडियो कॉल तो हो जाएं सावधान, ना उठाए कॉल: एसपी

एजेंसी

सिरसा। साइबर ठगी की वारदातों से बचाने के लिए पुलिस द्वारा समय-समय पर जनहित में एडवाइजरी जारी कर लोगों को जागरूक करने का काम किया जा रहा है। आमजन से अपील है की जागरूक व सतर्क होकर साइबर ठगी की वारदातों से बचे। पुलिस अधीक्षक डबवाली दीप्ति गर्ग आईपीएस ने बताया कि अंजान नंबर से आया वीडियों कॉल आप पर भारी पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि तकनीक के इस युग में हर कोई इंटरनेट की दुनिया में साइबर अपराधी ठगी के नए-नए तरीके अपना कर लोगों के साथ ठगी की वारदातों को अजाम दे रहे हैं। साइबर फॉड करने वालो ने लोगों को ब्लैकमेल करने का नया तरीका अपना लिया है। साइबर अपराधी पहले अज्ञात नंबर से वीडियो कॉल करते हैं। जिस नंबर से कॉल आता है, उसे अटेंड करने पर सामने न्यूड वीडियों चल रही होती है। कॉल रिसीव करते ही साइबर अपराधी न अपने मोबाइल फोन का स्क्रीन शॉट्स ले लेते हैं। इसमें कॉल करने वाले और कॉल रिसीव करने वाले न की तस्वीर कैद हो जाती है। तत्काल उस वीडियों को सामने वाले के पास भेजकर सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करना शुरू कर देते है। पीड़ित व्यक्ति अपने सम्मान और साख बचाने के चक्कर में पैसे दे देता है । सोशल मीडिया अकाउंट के प्रोफाइल को हमेशा लॉक रखें व अपने फेसबुक प्रोफाइल पर प्राइवेसी सेटिंग लगा के रखें।

बांग्लादेश की राजनीतिक अस्थिरता भारत के व्यापार को करेगी प्रभावित

गुरुग्राम। प्रोग्रेसिव फेडरेशन ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (पीएफटीआई) ने भी बांग्लादेश के हालातों में व्यापार प्रभावित होने की पूरी-पूरी आशंका जताई है। पीएफटीआई के चेयरमैन दीपक मैनी ने कहा कि बांग्लादेश में भले ही अंतरिम सरकार का गठन कर लिया गया है, मगर स्थिति के सामान्य होने में अभी लंबा समय लग सकता है। उन्होंने कहा कि इससे भारत के उद्योग और व्यापार जगत के नकारात्मक रूप से प्रभावित होने की आशंका बलवती हो गई है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में बांग्लादेश से भारत द्वारा आयात किए गए कुल 1154 वस्तुओं का मूल्य 2.02 अरब डॉलर रहा था, जबकि वित्तीय वर्ष 2022-23 में यह आंकड़ा 1.97 अरब डॉलर था। वहीं बांग्लादेश को भारत से भी कई वस्तुओं का निर्यात किया जाता है। गारमेंट उद्योग की बात करें तो इसका बांग्लादेश से काफी कुछ लेना-देना होता है।

विनेश नहीं, खेल सिस्टम हारा है - दीपेंद्र हुड्डा

करनाल। पेरिस ओलंपिक 2024 के फाइनल में पहुंचने के बाद महज 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण अयोग्य करार दी गई स्टार पहलवान विनेश फोगाट के बारे में कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि वह हारी नहीं हैं, बल्कि खेल सिस्टम हारा है। यदि विनेश फोगाट जीततीं तो पूरा देश गर्व महसूस करता। हुड्डा ने कहा, हम सभी ने उनसे गोल्ड की उम्मीद लगाई थी। लेकिन, वह हारी नहीं। मैं विनेश फोगाट से बस यही कहना चाहता हूं कि वह हारी नहीं हैं, उन्होंने हमारे देश का नाम रौशन किया है। विनेश ने लंबे समय तक सरकार के खिलाफ लड़ाई लड़ी। जब पूरे देश के पहलवान तैयारी कर रहे थे। तब विनेश जंतर-मंतर पर बैठकर न्याय मांग रही थीं। ऐसे खिलाड़ियों के लिए न्याय मांग रही थीं जिनके साथ गलत हुआ था। विनेश ने लंबी लड़ाई लड़ी। मैं समझता हूं कि वह देश के लिए साहस का प्रतीक बनी हैं। वहीं कांग्रेस के द्वारा विनेश को राज्यसभा भेजने पर बबीता फोगाट द्वारा दिए बयान पर उन्होंने कहा कि बबीता फोगाट भाजपा में हैं, वह भाजपा से चुनाव लड़ रही हैं। वह सुबह और शाम बयान हमारे खिलाफ देती हैं। बीते 10 साल के आंकड़े देख लीजिए। वह हमारे खिलाफ ही बयान देती हैं। हरियाणा में होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर कांग्रेस ने तैयारी शुरू कर दी है। दीपेंद्र हुड्डा ने इसका मोर्चा संभाल लिया है।

ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर और सरबजोत सिंह को मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से आज उनके आवास संत कबीर कुटीर पर पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक विजेता सुश्री मनु भाकर और सरबजोत सिंह ने मुलाकात की। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने दोनों खिलाड़ियों को सम्मानित किया और भविष्य में भी उच्च प्रदर्शन करने के लिए शुभकामनाएं दी। इस दौरान सरबजोत सिंह और मनु भाकर के साथ उनके माता-पिता और कोच भी उपस्थित रहे। दोनों खिलाड़ियों ने मुख्यमंत्री के साथ पेरिस ओलंपिक में अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर खेल राज्य मंत्री संजय सिंह भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हमेशा हरियाणा के खिलाड़ियों ने राज्य और देश का नाम रोशन किया है। हरियाणा के खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर हमें बहुत गर्व है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में खेलों और खिलाड़ियों को सहयोग देने के लिए वर्तमान राज्य सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि उन्हें दोनों खिलाड़ियों से मिलकर बहुत खुशी हो रही है। मनु भाकर और

सरबजोत सिंह ने पेरिस ओलंपिक में देश के लिए कांस्य पदक जीते हैं। मनु भाकर ने निशानेबाजी में दो कांस्य पदक जीते, जबकि सरबजोत सिंह ने भी कांस्य पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है। पूरे देश को हमारे दोनों खिलाड़ियों पर गर्व है। उन्हें जल्द ही राज्य स्तरीय समारोह में सम्मानित किया जाएगा।

इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने नीरज चोपड़ा को भी रजत पदक जीतने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। हॉकी में भी राज्य के तीन खिलाड़ियों ने कांस्य पदक हासिल किया है। उन्होंने कहा कि 2 प्रतिशत से भी कम आबादी वाले हरियाणा ने एक बार फिर ओलंपिक में देश का नाम रोशन किया है। देश को अब तक मिले 5 पदकों में से 4 पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते हैं, जो पूरे प्रदेश के लिए गर्व की बात है।

हरियाणा की संस्कृति और खानपान में ही खेल रचे बसे हैं- मनु भाकर:

इस अवसर पर सुश्री मनु भाकर ने कहा कि हरियाणा की समृद्ध संस्कृति और खान-पान की अच्छी आदतों ने राज्य के खिलाड़ियों में खेल प्रतिभा के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मनु भाकर ने राज्य की खेल नीति को देश में सर्वश्रेष्ठ बताया।

उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने हमेशा हमारी प्रतिभा को निखारने के लिए हरसंभव मदद की है। उन्होंने भविष्य में स्वर्ण पदक लाने का दृढ़ संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उन्हें न केवल अपने माता-पिता और कोचों से सहयोग मिला है, बल्कि राज्य सरकार से भी निरंतर सहायता को मिलती रही है, जो उनकी सफलता का आधार रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, परिवहन विभाग के प्रधान सचिव नवदीप सिंह विर्क, मुख्यमंत्री की अतिरिक्त प्रधान सचिव आशिमा बराड़, सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के महानिदेशक मंदीप सिंह बराड़ और विशेष अधिकारी, कम्युनिटी पुलिसिंग एवं आउटरीच, पंकज नैन सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने संत बहादुर चंद वकील साहिब को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी वीरवार को सिरसा के डेरा जगमालवाली पहुंचे। उन्होंने डेरा प्रमुख संत बहादुर चंद वकील साहिब के समाधी स्थल पर पहुंचकर उन्हें नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। गौरतलब

है कि गत दिनों संत वकील साहिब का निधन हो गया था। वीरवार को उनका अंतिम अरदास कार्यक्रम रखा गया। अरदास कार्यक्रम में पहुंचकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने संत वकील साहिब को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की और परिवार के सदस्यों से भी मुलाकात की।

हिन्दुस्तान के लिए मैडल लाने में हरियाणा अदा कर रहा बहुत बड़ी भूमिका : अनिल विज

एजेंसी

अंबाला। हरियाणा के पूर्व गृहमंत्री अनिल विज ने कहा कि हिन्दुस्तान के लिए मैडल लाने में हरियाणा बहुत बड़ी भूमिका अदा कर रहा है और पानीपत के गोल्डन आर्म बॉय नीरज चोपडा द्वारा जेवलियन थ्रो में देश को एक और इंडिविजुअल मैडल दिलाने से सारे देश और प्रदेश में बहुत खुशी का माहौल है।

विज ने विनेश फोगाट के डिस्कवालीफाई होने पर राजनीति कर रही आप और कांग्रेस पार्टी को भी खरी-खरी सुनाई।

विज ने मीडिया कर्मियों से कहा कि हरियाणा के पानीपत से गोल्डन आर्म कहलाए जाने वाले नीरज चोपडा ने कल पेरिस ओलंपिक में सिंगल सिल्वर मैडल लाने से ना केवल देश का बल्कि हरियाणा का नाम भी चमका दिया है। नीरज चोपडा के मैडल लाने पर हरियाणा के

पूर्व गृहमंत्री अनिल विज ने खुशी जाहिर करते हुए कहा की देश को मैडल दिलाने में हरियाणा बहुत बड़ी भूमिका अदा कर रहा है। विज ने कहा की देश की झोली में सिल्वर मैडल आने से देश और प्रदेश में खुशी की लहर है। कुश्ती में विनेश फोगाट के डिस्कवालीफाई होने के बाद से आप और कांग्रेस पार्टी देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और खेल मंत्री को लेकर ब्यान दे रही है और आरोप लगा रही है कि विनेश फोगाट के लिए जो कदम उठाये जाने चाहिए थे वो नहीं उठाये गए।

उसी को लेकर अनिल विज ने आज दोनों पार्टियों पर कटाक्ष किया और कहा कि राजनीति में रोज किसी ना किसी के साथ खेल होता रहता है लेकिन खेल में राजनीति नहीं होनी चाहिए। विज ने कहा कि अगर इन पार्टियों को इतनी ही खेल की जानकारी है तो वह अपने कार्यकर्ताओं को खेलों में भेजें और देश के लिए मैडल लेकर आएं।

आनलाइन रुपये कमाने का लालच दे कर 2.46 लाख हजार रुपये ठग लिए

सोनीपत। गन्नौर में आनलाइन रुपये कमाने का लालच दे कर ठगों ने टेहा गांव के एक व्यक्ति से 2.46 लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित ने मामले की शिकायत थाना बड़ी मेंदी।

शिकायत में टेहा गांव के रहने वाले सरोज कुमार गुप्ता ने बताया कि ठगों ने टेलीग्राम एवं व्हाट्सप्प के माध्यम से पार्ट टाइम नौकरी कर रुपये कमाने का लालच दिया था। उन्होंने कहा कि गूगल मैप पर होटलों की ऑनलाइन रेटिंग कर 12हजार रुपये साप्ताहिक कमा सकते हैं। शुरुआत में ठगों ने उसे होटल की रेटिंग करने के एक हजार रुपये उसके खाते में ट्रांसफर कर दिए।

प्राकृतिक खेती अपनाने की आवश्यकता: आचार्य देवव्रत

एजेंसी

सोनीपत। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि वर्तमान में प्राकृतिक खेती अपनाने की आवश्यकता है। खेतों में अंधाधुंध कर रही है। किसानों को यह भी जानना है कि प्राकृतिक खेती से नुकसान होने की भ्रांति गलत है। हरियाणा के कई किसानों ने इस प्रमाण दिया है।

खाद और कीटनाशकों के प्रयोग पर चिंता का विषय है। उत्पादन बढ़ाने के प्रयास में हम ज़मीन की उर्वराशक्ति कम कर रहे हैं इससे कैंसर, शुगर, और हार्ट अटैक जैसी बीमारियों की समस्याएं बढ़ रही हैं। भावी पीढ़ियों को शुद्ध जल, भोजन, हवा प्रदान करने के लिए प्राकृतिक खेती को अपनानी होगी।

आचार्य देवव्रत ने मुरथल स्थित दीन बंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित प्राकृतिक कृषि संवाद कार्यक्रम में किसानों को बतौर मुख्यअतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कि केंद्र सरकार पूरे देश में प्राकृतिक कृषि को बढ़ावा देने के लिए संवाद कार्यक्रम आयोजित

उन्होंने चेतावनी दी कि रासायनिक खाद और कीटनाशकों का अधिक प्रयोग कैंसर जैसी बीमारियों की वृद्धि कर रहा है। उदाहरण स्वरूप, भटिंडा क्षेत्र में कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग के कारण वहां कैंसररोगियों की संख्या इतनी बढ़ गई है कि वहां से बीकानेर के लिए चलने वाली ट्रेन को कैंसर

ट्रेन कहा जाता है। प्राकृतिक खेती के लाभ बताते हुए आचार्य देवव्रत ने कहा कि जीवामृत के प्रयोग से न केवल धरती की उर्वरता बढ़ती है, बल्कि इससे खतरनाक रसायन शरीर में नहीं जाते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए नीति आयोग को कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए हैं।

हरियाणा के मंत्री जेपी दलाल ने कहा - कांग्रेस कार्यकाल में महिला पहलवानों को नौकरी के लिए करना पड़ा था संघर्ष

एजेंसी

भिवानी। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने महिला पहलवान को राज्यसभा भेजने की बात कही तो इस पर हरियाणा भाजपा सरकार के वित्तमंत्री जेपी दलाल ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस कार्यकाल में हमारे महिला पहलवानों को नौकरी के लिए संघर्ष करना पड़ा था।वित्तमंत्री जेपी दलाल ने भिवानी में प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। उन्होंने दिग्गज कांग्रेस नेता एवं प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के महिला रेसलर विनेश फोगाट को राज्यसभा भेजने वाले बयान पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि जब राज्यसभा भेजने का समय था, तब तो नहीं भेजा। उस समय उनको अपने घर के बाहर कोई नहीं दिखा। वो सिर्फ गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस कार्यकाल में हमारी महिला पहलवान गीता और बबीता को नौकरी के लिए संघर्ष करना पड़ा था। भाजपा नेता जेपी दलाल ने आगे कहा, भाजपा और कांग्रेस में फर्क साफ है। हमारी सरकार गरीब बच्चों को मेरिट के आधार पर नौकरी देती है, जबकि कांग्रेस सिर्फ चहेतों को नौकरी देती है। पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में आए सियासी भूचाल को लेकर भाजपा नेता जेपी दलाल ने कहा कि हमारा पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश शांतिपूर्ण देश था, लेकिन वहां से प्रधानमंत्री शेख हसीना को जिस तरीके से भागना पड़ा है, वो बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण और चिंता का विषय है। वहां पर हिंदू समाज के लोगों को प्रताड़ित किया जा रहा है और मंदिर जलाएं जा रहे हैं। उससे हमारे लोग चिंतित हैं। विदेश मंत्रालय वहां की समस्याओं पर लगातार नजर बनाए हुए है। मोदी जी की सरकार आने के बाद जहां भी भारतवासियों को समस्या हुई है, उसका हल निकाला गया है। वित्त मंत्री जेपी दलाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रतिदिन प्रदेश की जनता के हित में लिए जा रहे भाजपा सरकार के फैसलों को गिनवाया।

एचएकेआरएन को भंग करते हुए सरकारी पे स्केल पर पक्की नौकरी दे सरकार : सैलजा

सिरसा। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि जुमलेबाज सरकार के पास जनता को देने के लिए झूठे आश्वासन, झूठी घोषणाओं के सिवाय कुछ भी नहीं हैं, विधानसभा चुनाव आते देख अपने तरकश में जितने भी झूठे बाण है सब छोड़े जा रहे है। सरकार जनता को गुमराह नहीं कर सकती, जागरूक जनता ने भाजपा को लोकसभा चुनाव में ट्रेलर दिखा दिया है। कच्चे कर्मचारियों को 58 साल तक नौकरी की सुरक्षा की गारंटी देकर फिर गुमराह कर रही है। अच्छा होता कि सरकार एचकेआरएन को भंग करते हुए कर्मचारियों को जो जहां जिस पद पर है, पक्का करते हुए सरकारी पे स्केल लागू करती, इसमें सरकार ने दोहरी चाल चली है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार आने पर एचकेआरएन को भंग कर युवाओं का पक्की नौकरी दी जांएगी। मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि जब से नए मुख्यमंत्री ने कुर्सी संभाली है वे नित नई घोषणाएं करते जा रहे है, पूर्व में सीएम द्वारा की गई घोषणाओं पर सरकार ने कितना अमल किया।

अंजनी लढा अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के प्रदेश मंत्री नियुक्त,बोले- दायित्व का शत प्रतिशत करूंगा निवर्हन

एजेंसी

सिरसा। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन की ओर से अग्रसमाज की बेहतरी के लिए कार्य करने वाले अंजनी लढा को सम्मेलन का प्रदेश मंत्री नियुक्त किया है। अपनी नियुक्ति पर अंजनी लढा ने सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग, प्रदेशाध्यक्ष कुलभूषण गोयल, प्रदेश महामंत्री मोहित बंसल, प्रदेश प्रवक्ता विपिन गोयल, प्रदेश सचिव ओंकार गोयल सहित राष्ट्रीय व प्रादेशिक कार्यकारिणी का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें भरोसा दिलाया है कि उन्हें जो दायित्व सौंपा गया है, वे उसे पूरी दृढ़ता व संकल्प के साथ पूरा करेंगे। साथ ही अग्रसमाज की एकजुटता व सम्मेलन के प्रमुख लक्ष्यों व उद्देश्यों को सार्थक करेंगे। वहीं अंजनी लढा के अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के प्रदेश मंत्री बनाए जाने पर भजनलाल गर्ग, गौरीशंअखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन की ओर से अग्रसमाज की बेहतरी के लिए कार्य करने वाले अंजनी लढा को सम्मेलन का प्रदेश मंत्री नियुक्त किया है।

हर वर्ग के हित में घोषणाएं कर रहे मुख्यमंत्री : भव्य बिश्नोई

एजेंसी

हिसार। विधायक एवं भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश प्रभारी भव्य बिश्नोई ने कहा है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी राज्य के किसानों, कर्मचारियों, युवाओं, मजदूरों, गरीब एवं आम आदमी के उत्थान के लिए निरंतर जनहितैषी घोषणाएं कर रहे हैं। उनकी घोषणाओं से राज्य के हर वर्ग में उत्साह है। मुख्यमंत्री जी जिस प्रकार से हर वर्ग की समस्याओं को समझकर और उनकी मांगों को सुनकर प्रदेश हित में घोषणाएं कर रहे हैं, उससे एक बार फिर साबित होता कि भाजपा ही अंत्योदय की भावना से कार्य करती है।

भव्य बिश्नोई हलके के गांवों में कार्यक्रमों में भाग लेने के दौरान लोगों से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने लोगों के सुख-दुख में शिरकत की। उन्होंने डोभी, चौधरीवाली, जाखोद, लाडवी, कोहली, आदमपुर गांव, मंडी आदमपुर, ढाणी मोहबतपुर, चुली खुर्द, चुली बागडियान, किशनगढ़, सदलपुर, सारंगपुर, खासा महाजन, काजला का दौरा किया। भव्य ने बीपीएल परिवारों को 500 रूपए में गैस सिलेंडर देने, कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने, खरीफ की फसलों पर 2000 प्रति एकड़ बोनस देने, महिलाओं को

सशक्त बनाने के लिए 100 करोड़ रूपए के ब्याज रहित ऋण प्रदान करने के निर्णय की सराहना की। उन्होंने कहा कि राज्य के हर क्षेत्र और हर बिरादरी में जिस प्रकार से भाजपा के प्रति माहौल है। साफ है कि तीसरी बार भी हरियाणा में भाजपा की सरकार बनने जा रही है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के आशीर्वाद से और कुलदीप बिश्नोई व उनके प्रयासों से आदमपुर हलके के चहुंमुखी विकास के लिए हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और हर गांव में तेजी से विकास कार्य जारी हैं। इस दौरान बड़ी संख्या में पार्टी नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद थे। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने केन्द्र में तीसरी बार सरकार बनाकर इतिहास रचा है, उसी प्रकार हरियाणा में भी तीसरी बार सरकार बनाकर भाजपा इतिहास रचेगी।

तिरंगा यात्रा के 100 से ज्यादा तोरण द्वार बनाएंगे: राजीव जैन

सोनीपत। सोनीपत में स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर 14 अगस्त को शहर में तिरंगा यात्रा के रास्ते में स्वतंत्रता आंदोलन के शहीदों एवं महापुरुषों के नाम पर 100 से ज्यादा तोरण द्वार बनाएंगे। तीन दर्जन से ज्यादा स्थानों पर विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधि पुष्प वर्षा करके स्वागत करेंगे। यात्रा के संयोजक एवं मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार राजीव जैन ने जनता कॉलोनी, वेस्ट रामनगर, लाल दरवाजा, हनुमान नगर समेत कई कॉलोनीयों में युवा कार्यकर्ताओं की बैठक मे यात्रा का निमंत्रण दिए और कहा कि यह यात्रा देश के उन महान शहीदों को समर्पित रहती है। जिन्होंने देश को ब्रिटिश शासन से मुक्त करने के लिए हंसते-हंसते मौत को गले लगा लिया। देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए भी सैनिक वीर गति को प्राप्त हुए यह उनको हमारा नमन है। यात्रा अग्रसेन चौक से शुरू होकर मुरथल अड्डा, बस स्टैंड, मामा भांजा चौक, ओल्ड डीसी रोड, दीपक मंदिर, कच्चे क्वार्टर, सुभाष चौक, रेलवे रोड, गीता भवन, गुरुद्वारा रोड, शनि मंदिर, शंभू दयाल, तिरंगा चौक, ककरोई रोड, सूरी पेट्रोल पंप वालीगली, ओल्ड रोहतक रोड, जाट कॉलेज, मिशन चौक, पुरानी अनाज मंडी, काठ मंडी होते हुए खाटू श्याम मंदिर में समापन होगा। सैकड़ों युवा हर रोज पंजीकरण करवा रहे हैं। नीरज गर्ग, सुमित, अमित, चंद, विनोद, अनिल, पवन कुमार, रोहित, राजीव, सचिन, गोविंद मिश्रा, संदीप, भूप सिंह, विनोद कुमार समेत अनेकों लोगों उपस्थित रहे।

इस बार पंचकूला के 50 हजार घरों पर लहराएगा तिरंगा : ज्ञानचंद गुप्ता

एजेंसी

पंचकूला। भारतीय जनता पार्टी ने हर घर तिरंगा अभियान और विभाजन विभीषिका स्मरण दिवस मनाने का फैसला किया है। अभियान की तैयारियों को लेकर गुरुवार को पंचकूला स्थित पार्टी कार्यालय पंचकमल में जिला अध्यक्ष दीपक शर्मा की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में 50 हजार घरों पर तिरंगा झंडा लहराने का लक्ष्य रखा और कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियां भी तय की गई। भाजपा 11 से 14 अगस्त तक तिरंगा यात्रा के साथ-साथ विभाजन विभीषिका दिवस भी मनाएगी। बैठक में विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता, महापौर कुलभूषण गोयल, प्रदेश सह कोषाध्यक्ष वीरेंद्र गर्ग भी मौजूद रहे।

बैठक में विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने कहा कि जिला के हर घर में तिरंगा फहराया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान स्वतंत्रता दिवस को उत्सव के रूप में मनाने के लिए चलाया जा रहा है। अभियान के तहत तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी, क्रांतिकारियों की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जाएगा। गुप्ता ने कार्यकर्ताओं से तिरंगा यात्रा में पूरे उत्साह और जौश के साथ भाग लेने का आग्रह किया जिला अध्यक्ष दीपक

शर्मा ने भी कार्यकर्ताओं से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिशा निर्देशों पर पूरे प्रदेश में हर घर तिरंगा अभियान चल रहा है। सभी कार्यकर्ता अभियान को सफल बनाने में जुट जाएं। बैठक में बूथों के सशक्तिरण पर भी जोर दिया गया। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने कहा कि 11 अगस्त को पैदल तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा शहीद भगत सिंह चौक से शुरू होगी और शहीद मेजर संदीप सांखला चौक पर संपन्न होगी। इस पैदल यात्रा में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और भारी संख्या में महिला मोर्चा की महिलाएं शामिल होंगी। गुप्ता ने बताया कि 11 और 12 अगस्त को शहीद स्मारकों पर स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा और इस दौरान शहीदों की मूर्तियों पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया जाएगा।

खिलाड़ियों के नाम पर राजनीति करना छोड़ें भूपेंद्र हुड्डा : अभय चौटाला

एजेंसी

सिरसा। पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा खिलाडियों के नाम पर राजनीति करना छोड़ दें। पूर्व सीएम हुड्डा ये बयान दे रहे हैं कि यदि आज प्रदेश में उनकी सरकार होती तो वे पहलवान विनेश फौगाट को राज्यसभा में भिजवा देते। यह बात इंडियन नेशनल लोकदल के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला ने अपने आवास पर मीडिया से रूबरू होते हुए कही। इनेलो नेता अभय सिंह चौटाला ने पूछा कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार के समय जैवलिन थ्रो के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा भी थे, तब हुड्डा ने उन्हें राज्यसभा में क्यों नहीं भेजा? तब उन्होंने अपने बेटे दीपेंद्र हुड्डा को ही तरजीह क्यों दी? अभय सिंह चौटाला ने कहा कि यदि प्रदेश की जनता के आशीर्वाद से इनेला बसपा गठबंधन की सरकार बनी तो वे विनेश फौगाट को सीधे एचसीएस अथवा डीएसपी की नौकरी देंगे। इनेलो नेता ने कहा कि इनेलो शासन में ही सबसे पहले ओलंपिक में खिलाडियों के लिए पदक लाने पर नकद राशि देने का ऐलान किया गया था। इसी कड़ी में कर्णम मल्लेश्वरी को ओलंपिक में रजत पदक हासिल करने पर 25 लाख रुपए की राशि व एक मकान दिया गया था जो आज करोड़ों की कीमत का है। उनकी इस खेल नीति को पूरे देश ने अपनाया था।इस दौरान उन्होंने कहा कि सीएम नायब सिंह सैनी आज चुनावी वर्ष देखते हुए अनेकानेक घोषणाएं कर रहे हैं जो महज घोषणाएं ही सिद्ध हो रही हैं, जबकि धरातल पर उनका कोई सार्थक परिणाम देखने को नहीं मिल रहा। उन्होंने कहा कि सीएम नायब सिंह सैनी द्वारा किसानों का 133 करोड़ कर्ज माफ करना केवल ढकोसला है और वे केवल आबियाने के रूप में कहे जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि अभी भी किसानों से आबियाना वसूला जा रहा है जो भाजपा की कथनी और करनी में अंतर को दर्शाता है। इससे पूर्व उन्होंने सभी पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से सिरसा की अनाजमंडी में आगामी 13 अगस्त को होने वाली इनेलो बसपा गठबंधन की संयुक्तबैठक के सिलसिले में गांव गांव जाकर ग्रामीणों कोन्यौता देने का आह्वान किया।

यूनियन बैंक के एमडी ने वित्त मंत्री को सौंपा 2054.39 करोड़ रुपये का लाभांश चेक

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के यूनियन बैंक ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 2054.39 करोड़ रुपये का लाभांश चेक सौंपा है। सीतारमण ने आज यूनियन बैंक के प्रबंध

निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकार (सीईओ) ए. मणिमेखलाई से बीते वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 2054.39 करोड़ रुपये का लाभांश चेक प्राप्त किया। इस अवसर पर बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

नेपाल में यूपीआई मर्चेंट लेन-देन का आंकड़ा एक लाख के पहुंचा पार

नई दिल्ली। ऑनलाइन लेन-देन की लोकप्रियता दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। नेपाल में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के जरिए लेन-देन का आंकड़ा एक लाख को पार कर गया है। एनपीसीआई ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि की घोषणा करते हुए अपनी प्रसन्नता व्यक्त की है। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने बताया कि उसकी अंतरराष्ट्रीय शाखा एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) ने नेपाल में एक लाख (1,00,000) क्रॉस-बॉर्डर यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) पर्सन-टू-मर्चेंट (पी2एम) लेन-देन का आंकड़ा पार कर लिया है। यह मील का पत्थर दोनों देशों के बीच अंतरराष्ट्रीय लेन-देन को सरल बनाने और व्यापार और वाणिज्य के लिए नए रास्ते खोलने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हम नेपाल में सीमा पार व्यक्ति-से-मर्चेंट भुगतान के लिए यूपीआई को व्यापक रूप से अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए फोनपे के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। एनआईपीएल ने मार्च 2024 में सीमा पार पी2एम यूपीआई स्वीकृति शुरू करने के लिए नेपाल के सबसे बड़े भुगतान नेटवर्क फोनपे के साथ समझौता किया था।

ग्रेटएचआर ने डिजिटल फंड से किया निवेश हासिल

नयी दिल्ली। एचआरएमएस प्रदाता ग्रेटएचआर ने एपैक्स डिजिटल फंड 2 से सीरीज़ एफ फंडिंग में अपना सबसे बड़ा निवेश हासिल किया है। यह कंपनी का अब तक का सबसे बड़ा निवेश है। कंपनी ने यह निवेश एपैक्स की सलाह पर किया है, जो कि एक प्रमुख ग्लोबल प्राइवेट इक्विटी एडवाइज़री फर्म है। कंपनी इस फंड का उपयोग क्लाउड-आधारित एचआर सॉफ्टवेयर बाजार में विकास के अवसरों का लाभ उठाने के लिए करेगी।

कंपनी एचआर, पेरोल, छुट्टी, उपस्थिति और परफॉर्मेंस मैनेजमेंट को स्वचालित करने के लिए 40 से अधिक टूल्स प्रदान करती है। साथ ही, यह एक एम्प्लॉयी सेल्फ-सर्विस पोर्टल और मोबाइल ऐप भी प्रदान करती है। ग्रेटएचआर एक व्यापक एचआर इकोसिस्टम है, जो 25 से अधिक देशों में 23,000 से अधिक ग्राहकों को सेवाएँ दे रहा है। इसकी टीम में एचआर प्रोफेशनल, विशेषज्ञ और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स शामिल हैं। कंपनी की ग्राहक-केंद्रित सेवाओं में कम्युनिटी, ट्रेनिंग एकेडमी, कंप्लायंस वेबसाइट, रिसोर्सेस, वेबिनार्स और एक अवॉर्ड विनिंग पॉडकास्ट सीरीज़ शामिल है। कंपनी के सह संस्थापक एवं सीईओ गिरीश रोवजी ने कहा, 'हम अपनी विकास यात्रा में एपैक्स को शामिल करते हुए बेहद गर्वित महसूस कर रहे हैं। यह कंपनी के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। रिक्रूटमेंट और टैलेंट मैनेजमेंट के लिए यह निवेश स्ट्रेटेजिक एचआर मॉड्यूल्स जोड़ेगा, जो कहीं न कहीं हमारे प्रोडक्ट पोर्टफोलियो का विस्तार करने में मदद करेगा। हम इंडस्ट्री में अपना स्थान मजबूत करते हुए, नए ग्राहक वर्गों तक पहुँचने और तेजी से आगे बढ़ने की योजना भी बना रहे हैं। एपैक्स और हमारे निरंतर शेयरहोल्डर, इन्फो एज और जीएमओ का हमें भरपूर समर्थन मिल रहा है। हम अपने ग्राहकों, रिसेलरों, अफिलिएट्स और पूरी ग्रेटएचआर कम्युनिटी को उनके समर्थन और हम पर विश्वास के लिए धन्यवाद् देते हैं।'

जियो भारत मोबाइल के जरिए एक करोड़ लोग 4जी नेटवर्क से जुड़े

नई दिल्ली। उद्योगपति मुकेश अंबानी की देश की सबसे बड़ी मोबाइल नेटवर्क ऑपरेटर कंपनी रिलायंस जियो के फोन जियो भारत से एक करोड़ लोग 4जी नेटवर्क से जुड़े हैं। रिलायंस की हाल में जारी वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि 4जी मोबाइल देश के 2जी और 3जी ग्राहकों के लिए वरदान बन कर आया है। 2जी और 3जी इस्तेमाल कर रहे एक करोड़ से अधिक ग्राहक जियोभारत के जरिए 4जी नेटवर्क से जुड़ चुके हैं। एक हजार रुपये से कम कीमत वाले मोबाइल सेगमेंट की 50 फीसदी हिस्सेदारी पर जियोभारत ने कब्जा कर लिया है।

ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का शेयर निर्गम मूल्य से 11 फीसदी उछलकर हुआ सूचीबद्ध

एजेंसी

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का शेयर अपने निर्गम मूल्य 76 रुपये से सपाट शुरुआत की और बाद में 20 फीसदी की उछाल प्राप्त की। ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर अपने इश्यू प्राइस से 0.01 फीसदी के डिस्काउंट के साथ 75.99 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ है। हालांकि, कारोबार के दौरान यह 20 फीसदी उछलकर 91.18 रुपये पर पहुंच गया।

कंपनी का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए 6 अगस्त तक खुला हुआ था। कंपनी आईपीओ के जरिए 6,145.56 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। इसके लिए कंपनी 5,500 करोड़ रुपये तक के ताजा शेयर जारी कर रही है, जबकि कंपनी के मौजूदा

निवेशक ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए 645.56 करोड़ के 84,941,997 शेयर बेच रहे हैं।उल?लेखनीय है? कि देश में ओला इलेक्ट्रिक ईवी और ईवी कंपोनेंट के लिए वर्टिकली इंटीग्रेटेड टेक्नोलॉजी और मैन्युफैक्चरिंग कैपेबिलिटीज का निर्माण करने वाली एक प्योर ईवी कंपनी है। भाविश अग्रवाल की अगुवाई वाली इस कंपनी का बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) शुरुआती कारोबार में 36,742.21 करोड़ रुपये था।

एयर इंडिया ने तेल अवीव की सभी उड़ानें अगले आदेश तक रद्द कीं

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा की अगुवाई वाली एयरलाइंस कंपनी एयर इंडिया ने मध्य-पूर्व के मौजूदा संकट को देखते हुए इजरायल की राजधानी तेल अवीव के लिए अपनी सभी उड़ानों को अगले नोटिस तक निलंबित कर दिया है।

एयर इंडिया ने बताया कि मध्य पूर्व के कुछ हिस्सों में मौजूदा स्थिति के मद्देनजर तेल अवीव से आने-जाने वाली उड़ानों का निर्धारित संचालन तत्काल प्रभाव से अगले नोटिस तक निलंबित कर दिया गया है। हम लगातार स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। एयरलाइन ने बताया कि तेल अवीव से आने-जाने के लिए कन्फर्म बुकिंग टिकट वाले अपने यात्रियों को पूरा रिफंड दे रहे हैं। हमारे मेहमानों और चालक दल की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। अधिक जानकारी के लिए कृपया

हमारे 24/7 संपर्क केंद्र पर 011-69329333/011-69329999 पर कॉल करें। इससे पहले एयर इंडिया ने 2 अगस्त को मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव को देखते हुए इजराइल के लिए अपनी सभी उड़ानों को रद्द कर दिया था। उस समय एयरलाइन ने कहा था कि एयर इंडिया के उड़ानों का निलंबन 8 अगस्त, 2024 तक प्रभावी रहेगा लेकिन अब इसे अगले नोटिस तक के लिए बढ़ा दिया गया है।

लोकसभा में बैंकिंग कानून में संशोधन से जुड़ा विधेयक पेश

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में बैंकिंग नियमों में बदलाव से जुड़ा बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया। विधेयक का उद्देश्य भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, बैंकिंग विनियमन अधिनियम और भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम में संशोधन करना है। वित्त मंत्री के पेश इस बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 में प्रति बैंक खाते में नामांकित व्यक्तियों के विकल्प को मौजूदा एक से बढ़ाकर चार करने का प्रावधान है। इस विधेयक में पत्नी/पति या माता-पिता के अलावा भाई-बहन को भी नॉमिनी बनाने का विकल्प मिलेगा। बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 को पिछले हफ्ते केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूरी प्रदान की थी। इसके तहत भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम 1934, बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949, भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम 1955, बैंकिंग कंपनियां (उपक्रमों का अधिग्रहण और हस्तांतरण) अधिनियम 1970 और बैंकिंग कंपनियां (उपक्रमों का

अधिग्रहण और हस्तांतरण) अधिनियम, 1980 में संशोधन करने का प्रस्ताव है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2023-24 के बजट भाषण में बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 की घोषणा की थी।

देश की जीडीपी के 10 फीसदी के बराबर मुकेश अंबानी परिवार की संपत्ति?

एजेंसी

नई दिल्ली। उद्योगपति मुकेश अंबानी का परिवार सबसे बड़ा कारोबारी परिवार बन कर उभरा है। उनके परिवार की कुल संपत्ति 25.75 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है। ये राशि देश की सकल घरेलू उत?पाद (जीडीपी) के लगभग 10वें हिस्से के बराबर है।

बार्कलेज-हुरुन इंडिया की ताजा रिपोर्ट में मुकेश अंबानी परिवार की कुल 25,75,100 करोड़ रुपये की संपत्ति आंकी गई है, जो भारत की जीडीपी के 10 फीसदी के बराबर है। अंबानी परिवार आरआईएल के नेतृत्व में ऊर्जा, रिटेल और दूरसंचार क्षेत्रों में मुख्य तौर पर अपना कारोबार करता है। यह रैंकिंग 20 मार्च, 2024 को कंपनी के मूल्यांकन पर आधारित है। बार्कलेज-हुरुन इंडिया के मुताबिक मुकेश अंबानी परिवार के बाद सबसे ज्यादा संपत्ति रखने वाला दूसरा कारोबारी परिवार है बजाज, जिनकी कुल संपत्ति 7.13

लाख करोड़ रुपये आंकी गई है। इस ऑटोमोबाइल कारोबारी समूह का नेतृत्व बजाज परिवार की तीसरी पीढ़ी के युवा नीरज बजाज के हाथों में है। वहीं, बिड़ला परिवार की संपत्ति मूल्य के मामले में तीसरे स्थान पर है। इस समूह की कमान बिड़ला परिवार की चौथी पीढ़ी के कुमार मंगलम बिड़ला संभाल रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इन तीनों प्रमुख कारोबारी परिवारों की कुल संपत्ति 460 अरब अमेरिकी डॉलर है, जो सिंगापुर की जीडीपी के बराबर है। इस सूची में सज्जन जिंदल को 4.71 लाख करोड़ रुपये मूल्य की संपत्ति के साथ चौथे पायदान तथा 4.30 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ नादर परिवार 5वें स्थान पर है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में टिकाव

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में घटबढ़ के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज टिकाव रहा, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.03 प्रतिशत की बढ़त के साथ 76.21 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं, लंदन ब्रेंट क्रूड 0.05 प्रतिशत उतरकर 79.12 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। देश के चार महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत इस प्रकार रही।

एफकॉम होल्डिंग्स की लिस्टिंग से निवेशकों को जबरदस्त मुनाफा, ओला इलेक्ट्रिक ने किया निराश

एजेंसी

नई दिल्ली। एयर कार्गो कंपनी एफकॉम होल्डिंग्स ने आज घरेलू शेयर बाजार में जोरदार तरीके से एंट्री की। कंपनी के शेयर आज 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुए। दूसरी ओर, ओला इलेक्ट्रिक के शेयर आज बिना किसी नफा-नुकसान के सपाट स्तर पर बीएसई और एनएसई में लिस्ट हुए। एफकॉम होल्डिंग्स का 73.83 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 2 से 6 अगस्त के बीच खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला, जिसके कारण ये आईपीओ ओवरऑल 303.03 गुणा सब्सक्राइब हो गया। इसमें सबसे अधिक 697.88 गुना सब्सक्रिप्शन नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) की ओर से आया, जबकि खुदरा निवेशकों ने 202.83 गुना सब्सक्रिप्शन किया। आईपीओ

के तहत निवेशकों को 108 रुपये के भाव पर कंपनी के शेयर जारी किए गए थे। इस आईपीओ के जारिए 10 रुपये की फेस वैल्यू वाले 68,36,400 नए शेयर जारी किए गए थे। कंपनी की ओर से उपलब्ध कराई गई जानकारी के मुताबिक आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल लीज पर 2 नए विमान लेने, वर्किंग कैपिटल की जरूरत को पूरा करने, कर्ज चुकाने और कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए होने वाले खर्चों की भरपाई करने में किया जाएगा। आज ही ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों की भी घरेलू शेयर बाजार में लिस्टिंग हुई। हालांकि ओला इलेक्ट्रिक के शेयर ने लिस्टिंग से अपने निवेशकों को काफी निराश किया। आईपीओ के जरिए कंपनी के शेयर 76 रुपये के भाव पर निवेशकों को दिए गए थे। आज एनएसई पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी उतार-चढ़ाव के 76 रुपये के भाव पर ही हुई, वहीं बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 1 पैसे के नुकसान के साथ 75.99 रुपये पर हुई थी। हालांकि लिस्टिंग के बाद ओला इलेक्ट्रिक का शेयर बढ़ कर 79.15 के स्तर तक पहुंचा। इसके बावजूद इस फीकी लिस्टिंग से निवेशकों को काफी निराशा का सामना करना पड़ा। ओला इलेक्ट्रिक का 6,145.56 करोड़ रुपये का आईपीओ 2 से 6 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था इस दौरान ये आईपीओ 4.45 गुना ओवर सब्सक्राइब हुआ था।

विदेशी मुद्रा भंडार 7.53 अरब डॉलर बढ़कर 674.92 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर

एजेंसी

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण भंडार और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में पास आरक्षित निधि में ज़बरदस्त बढ़ोतरी होने से 02 अगस्त को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 7.53 अरब डॉलर बढ़कर 674.93 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3.5 अरब डॉलर घटकर 667.4 अरब डॉलर पर रहा था।

रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 02 अगस्त को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 5.2 अरब डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 592.04 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार 2.4 अरब

डॉलर के इजाफे के साथ 60.1 अरब डॉलर हो गया। वहीं, आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में 4.1 करोड़ डॉलर की कमी हुई और यह घटकर 18.16 अरब डॉलर पर आ गया। इस अवधि में आईएमएफ के पास आरक्षित निधि 80 लाख डॉलर की बढ़त के साथ 4.62 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

सर्राफा बाजार में सपाट स्तर पर कारोबार, चांदी में मामूली कमजोरी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार सोना सपाट स्तर पर कारोबार कर रहा है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना भाव पर ही बिक रहा है। सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 69,410 रुपये से लेकर 69,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी सर्राफा बाजारों में 63,640 रुपये से लेकर 63,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना के विपरीत चांदी के भाव में आज मामूली गिरावट आई है। इस गिरावट के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी आज 81,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 69,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है,

जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 63,640 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 69,260 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 63,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 69,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 63,510 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 69,310 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 63,540 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 69,260 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 63,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 69,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 63,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 69,310 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 63,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 69,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 63,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 69,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 63,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

अमेज़न इंडिया ने चार आपदा राहत केंद्र स्थापित किये

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेजन इंडिया ने इस साल देश के कई हिस्सों में आई बाढ़ से प्रभावितों की मदद के लिए देशभर के 34 जिलों के 10 हजार से अधिक परिवारों को सहायता प्रदान की और 10,890 लोगों को आश्रय (शेल्टर) किट बांटे हैं। प्रत्येक राहत किट में तिरपाल शीट, रस्सियां, नहाने और कपड़े धोने के साबुन, डेंटल किट, बाल्टी, मच्छरदानी और सैनिटरी पैड जैसी आवश्यक वस्तुयें शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, सूखे खाद्य पदार्थों से युक्त 5,742 राशन किट भी वितरित किये गये। अमेज़न ने मानसून के मौसम की तैयारी में ऐसे शेल्टर किट को पहले से ही तैनात कर रखा था, जिससे ये किट आपदा आने पर सहायता राहत शिविरों, आश्रयों, स्कूलों और अस्पतालों में प्रभावित समुदायों तक जल्दी पहुंच सकें। ये किट महत्वपूर्ण ज़रूरतों को पूरा करने के लिये तैयार किये गये हैं।

भारत में अमेज़न इंडिया की हेड

अमेज़न कम्युनिटी इम्पैक्ट और एपीएसी अनिता कुमार ने कहा, ÷अमेज़न में, हम किसी भी तरह की आपदा के मामले में लोगों और स्थानीय हितधारकों की तत्काल ज़रूरतों को समझते हैं। हम सबसे अधिक प्रभावित लोगों के साथ खड़े होने और जल्द से जल्द सभी संभावित आपदा राहत सामग्री प्रदान करने के लिये तत्पर रहते हैं। हमने कई आपदाओं के लिये सबसे पहले कदम उठाये हैं और लोगों की भलाई हमेशा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक रही है। हम आपदा राहत के ज़रिये अपना समर्थन बढ़ाना चाहते हैं। अमेज़न के राहत प्रयास देश भर में स्थापित चार आपदा केंद्रों से 72 घंटे से भी कम समय में जुटाया गया ताकि तेज़ी से और प्रभावी तरीके से आपदा स्थल पर राहत सामग्री पहुंचाई जा सके। ये केंद्र हरियाणा, तेलंगाना, महाराष्ट्र के उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम क्षेत्रों में रणनीतिक रूप से स्थित हैं, और पश्चिम बंगाल में एक अस्थायी केंद्र है, जो अमेज़न को प्राकृतिक आपदाओं जैसे बाढ़, चक्रवात, शीत लहर आदि से प्रभावित लोगों को तेज़ी से संसाधन जुटाने और सहायता करने में मदद करता है। इन केंद्रों के लिये स्थान नेटवर्क के बेहतर इस्तेमाल को ध्यान में रखते हुये चुना गया है और अमेज़न परिवहन सेवाओं के विशेषज्ञों की एक टीम ने इनका निर्माण किया है।

खाद्य तेलों में टिकाव; गुड़-चीनी महंगी

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों में तेजी लौटने के बावजूद स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा जबकि मांग निकालने से गुड़ और चीनी महंगी हो गई वहीं अन्य जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में अगस्त का पाम ऑयल वायदा 23 रिंगिट बढ़कर 3830 रिंगिट प्रति टन हो गया। इसी तरह अगस्त का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.09 सेंट की तेजी लेकर 40.95 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में तेजी रही। इस दौरान चीनी 50 रुपये और गुड़ 50 रुपये

प्रति क्विंटल महंगे हो गए।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा। चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले स्तर पर पड़ी रही।

अनाज :अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान चावल और गेहूं के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ।

सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहेः दाल-दलहन : चना 6800-6900, दाल चना 7800-7900, मसूर काली 7550-7650, मूंग दाल 10200-10300, उड़द दाल 12400-12500, अरहर दाल 11400-11500 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

अनाजः (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2600-2700 रुपये और चावल : 2750-2850 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

चीनी-गुड़ : चीनी एस 3740-3840, चीनी एम. 4150-4250, मिल डिलीवरी 3620-3720 और गुड़ 4500-4600 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। खाद्य तेल :-सरसों तेल 13113 रुपये, मूंगफली तेल 19560 रुपये, सूरजमुखी तेल 12308 रुपये, सोया रिफाइंड 12088 रुपये, पाम ऑयल 8666 रुपये और वनस्पति तेल 11166 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

शेयर बाजार ने लगाई छलांग

एजेंसी

मुंबई। अमेरिकी श्रम बाजार के आंकड़ों से दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में संभावित मंदी के बारे में कुछ चिंताएं कम होने से विश्व बाजार में आई तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा लिवाली की बदौलत पिछले दिवस की गिरावट से उबरकर आज शेयर बाजार एक प्रतिशत से अधिक उछल गया। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 819.69 अंक अर्थात 1.04 प्रतिशत की छलांग लगाकर 79,705.91 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 250.50 अंक यानी 1.04 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,367.50 अंक हो गया। बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में भी जमकर खरीददारी हुई, जिससे मिडकैप 1.21 प्रतिशत मजबूत होकर 47,192.27 अंक और स्मॉलकैप 0.79 प्रतिशत चढ़कर 53,614.37 अंक पर बंद हुआ। इस दौरान बीएसई में कुल 4006 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2330 में लिवाली जबकि 1579 में बिकवाली हुई वहीं 97 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 45 कंपनियां लाभ जबकि शेष चार नुकसान में रही वहीं एक के भाव स्थिर रहे। वित्तीय सलाह देने वाली कंपनी जियोजित फाइनेंसियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'अमेरिका में बेरोजगारी के सकारात्मक आंकड़ों ने मंदी की आशंकाओं को कम किया और बाजार में अनुकूल प्रतिक्रिया दी। बेहतर खर्च की उम्मीद में आईटी समूह के शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया। हालांकि निवेश धारणा में तेजी आ रही है।

ऑफिस चेयर पर बैठे-बैठे बढ़ रही है पेट की चर्बी, तो Chia Seeds की एक ड्रिंक से पाएं परफेक्ट फिगर

बढ़ता वजन कई लोगों की परेशानी की वजह होता है। हमारी खराब होती लाइफस्टाइल और खानपान की गलत आदतें लोगों को अक्सर मोटापे का शिकार बना देती है। ऐसे में बढ़ती पेट की चर्बी आपके लुक को खराब कर देती है जिसकी वजह से आपका कॉन्फिडेंस भी कम होने लगता है। इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप Chia Seeds से बना ये ड्रिंक ट्राई कर सकते हैं।

शायद ही कोई ऐसा हो, जिसे परफेक्ट फिगर की चाहत नहीं। हालांकि, तेजी से बदलती लाइफस्टाइल और काम का बढ़ता प्रेशर लोगों को कई समस्याओं का शिकार बना देता है। मोटापा इन्हीं में से एक है, जो दुनियाभर के लिए एक गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। दिनभर ऑफिस चेयर पर स्क्रीन के सामने बैठे रहने की वजह से अक्सर लोगों का बैली फैट बढ़ने लगता है, जिसकी वजह से कई बार हम अपनी पसंदीदा ड्रेस तक नहीं पहन पाते हैं।इसके अलावा बाहर निकलती तोंद हमारे लुक को भी खराब कर देती है। ऐसे में आप चिया सीड्स की मदद से बैली फैट को कम कर सकते हैं और परफेक्ट फिगर पा सकते हैं। इसके लिए आपको बस चिया सीड्स की मदद से एक आसान सा ड्रिंक तैयार करना होगा, जो पेट की चर्बी को तेजी से पिघलाने में मदद कर सकता है। आइए जानते हैं इस वेट लॉस ड्रिंक के बारे में-

ड्रिंक के फायदे

तेजी से बैली फैट कम करने के लिए आप चिया बीज और दालचीनी का पानी पी सकते हैं। इस ड्रिंक को पीने से न सिर्फ वजन घटाने में मदद मिलती है, बल्कि ब्लड शुगर के लेवल को स्थिर करता है और हार्ट हेल्थ को बेहतर बनाता है। साथ ही एंटीऑक्सीडेंट और फाइबर से भरपूर होने की वजह से यह ड्रिंक पाचन को बेहतर बनाने के साथ ही लगातार एनर्जी भी देती है।

कैसे तैयार करें ड्रिंक

इसे तैयार करने के लिए दालचीनी के टुकड़े को एक जग पानी में रात भर भिगोकर रखें। फिर इसमें चिया सीड्स डाल दें और सुबह उठकर इसे पी लें। इसके अलावा आप पानी में दालचीनी पाउडर डालकर इसे 10 मिनट तक उबालकर और छानकर भी रख सकते हैं। फिर इसमें चिया सीड्स मिलाकर इसे पी सकते हैं।

चिया सीड्स ही क्यों?

चिया बीज और दालचीनी का पानी पाचन स्वास्थ्य में सुधार और मेटाबॉलिज्म रेट को बेहतर बनाने में मदद करता है। चिया सीड्स में मौजूद फाइबर गट हेल्थ बेहतर बनाता है। साथ ही चिया सीड्स खाने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है, जिससे भूख कम लगती है। इसके अलावा चिया सीड्स जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और इनमें घुलनशील और अघुलनशील दोनों तरह के फाइबर की भरपूर मात्रा पाई जाती है।

चिया सीड्स के फायदे

चिया सीड्स ब्लड शुगर के लेवल को नियंत्रित करने में मदद करते हैं।

इसमें हार्ट-हेल्दी ओमेगा-3 फैटी एसिड पाया जाता है, जो दिल को सेहतमंद बनाता है।

इस बीजों में पॉलीफेनॉल और फ्लेवोनोइड जैसे एंटीऑक्सीडेंट ऑक्सीडेटिव तनाव और सूजन से निपटने, सेल डैमेज से बचाने और पुरानी बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद करते हैं।

चिया बीज कैल्शियम, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस और मैंगनीज जैसे मिनरल्स से भरपूर होते हैं, जो हड्डियों के स्वास्थ्य, मांसपेशियों के फंक्शन और पूरे स्वास्थ्य के लिए जरूरी हैं।

'विश्व आदिवासी दिवस' : संरक्षित जंगलों में असुरक्षित आदिवासी

स्वतंत्र भारत में भी 'आरक्षित क्षेत्र' घोषित करने के लिए नियमों और प्रक्रियाओं की पूरी तरह से अनदेखी की गई

स्वतंत्र भारत में भी आरक्षित क्षेत्र घोषित करने के लिए नियमों और प्रक्रियाओं की पूरी तरह से अनदेखी की गई। आरक्षित वनघोषित करने हेतु भारतीय वन अधिनियम- 1927 की धारा-4 से 20 तक की लम्बी प्रक्रियाओं से गुजरना होता है। सरकार अधिनियम के तहत एक प्रारम्भिक अधिसूचना जारी करती है कि अमुक भूमि को आरक्षित वन के रूप में घोषित किया जाना है और वन बंदोबस्त अधिकारी स्थानीय समुदाय के सभी अधिकारों को स्वीकार या अस्वीकार कर उनका निपटान करता है।भारत में आदिवासियों/मूलनिवासियों का जंगलों से रिश्ता सहअस्तित्व के सिद्धांत पर आधारित है। ऐतिहासिक दृष्टि से वन एवं वनक्षेत्र आदिवासी जनजातियों का पारंपरिक निवास हुआ करता था, परन्तु जैव-विविधता एवं वन्यजीव संरक्षण के लिए %आरक्षित क्षेत्र% की परिकल्पना के साथ उन्हें पारंपरिक निवास स्थल से हटाने का काम वर्षों से चल रहा है। सन् 1865 के %भारतीय वन अधिनियम% के माध्यम से लाई गई औपनिवेशिक वन-नीति के कारण, वनक्षेत्र का बड़ा हिस्सा सरकार के आधीन आ गया, जिसके चलते लाखों वन-निवासियों के पारंपरिक दावे अवैध हो गए।स्वतंत्र भारत में भी आरक्षित क्षेत्र घोषित करने के लिए नियमों और प्रक्रियाओं की पूरी तरह से अनदेखी की गई। आरक्षित वन घोषित करने हेतु %भारतीय वन अधिनियम- 1927 की धारा-4 से 20 तक की लम्बी प्रक्रियाओं से गुजरना होता है। सरकार अधिनियम के तहत एक प्रारम्भिक अधिसूचना जारी करती है कि अमुक भूमि को आरक्षित वन के रूप में घोषित किया जाना है और वन बंदोबस्त अधिकारी स्थानीय समुदाय के सभी अधिकारों को स्वीकार या अस्वीकार कर उनका निपटान करता है।गांव के जंगल को रतीय वन अधिनियम-1927 की धारा- 28 के तहत ग्रामवन कहा जाता है। जब सरकार किसी आरक्षित वन% या किसी अन्य भूमि को ग्राम समुदाय के उपयोग के लिए आबंटित करती है तो उस भूमि को ग्रामवन भूमि के अन्तर्गत वर्गीकृत किया जाता है। ग्रामवन यानि राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण समाज को विधिवत हस्तांतरित किया गया वन। कुछ मामलों में ग्रामवन और वनग्राम शब्द का परस्पर उपयोग किया जाता है, जबकि अधिनियम के तहत ग्रामवन एक कानूनी श्रेणी है, वनग्राम केवल एक प्रशासनिक श्रेणी है।

वर्ष 2002 में वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने उच्चतम न्यायालय द्वारा गोदा बरमन विरुद्ध भारत सरकार के प्रकरण में 1996 में दिये गये फैसले की गलत व्याख्या की थी कि समयबद्ध तरीके से आरक्षित क्षेत्र के वनों से अतिक्रमणकारियों को बाहर निकाला जाए, जबकि उच्चतम न्यायालय ने अतिक्रमणकारियों को बाहर निकालने का आदेश नहीं दिया था। वन एवं पर्यावरण मंत्रालय लगभग 1.5 लाख हेक्टेयर वनभूमि से वन-निवासियों को बाहर करने की बात स्वीकार करता है। 2002 - 2006 से अब तक लगभग तीन लाख आदिवासी परिवारों को जंगल से निकालकर नये आरक्षित क्षेत्रों% का गठन किया जा चुका है। केवल मध्यप्रदेश में ही अब तक 125 गांवों को जलाकर राख कर दिया गया है।पहले यह समझा जाता था कि वन संरक्षण के लिए वन-निवासियों को वन से बाहर करना आवश्यक है। पहली बार वनाधिकार कानूनमें पारिस्थितिकी तंत्र को बचाने के तरीके में बदलाव लाया गया। इस कानून की प्रस्तावना में स्पष्ट है कि वन-निवासी समुदाय न केवल वन-पारिस्थितिकी का हिस्सा हैं, बल्कि वनों के संरक्षण के लिए अनिवार्य हैं। %वनाधिकार कानून की स्पष्ट मान्यता है कि जनजातीय समुदाय की खाद्य-सुरक्षा और आजीविका सुनिश्चित की जाए। कानून में आगे स्वीकार किया गया है कि पहले सरकार के विकास कार्यों के कारण जनजातीय लोगों एवं वन-निवासियों को अपनी पैतृक भूमि से जबरन विस्थापित होना पड़ा था। जनजातियों एवं वन-निवासियों के पट्टे तथा पहुंच के अधिकारों से जुड़ी असुरक्षा को ठीक करने की आवश्यकता है।

वन्यजीव संरक्षण अधिनियम- 1972 की धारा-36(क) के तहत राज्य सरकार स्थानीय समुदाय से चर्चा के बाद अभयारण्य व राष्ट्रीय उद्यान के नजदीकी क्षेत्रों को संरक्षित या आरक्षित घोषित कर सकती है। वनाधिकार कानून की धारा-2(घ) में कहा गया है कि वनभूमिसे किसी वनक्षेत्र के अन्तर्गत आने वाली किसी भी प्रकार की भूमि अभिप्रेत है और उसके अन्तर्गत अवर्गीकृत वनअसीमांकित वन या समझे गए वन,संरक्षित वन,आरक्षित वन, अभयारण्य और राष्ट्रीय उद्यान भी आते हैं। अर्थात इन सभी तरह के जंगलों में वन-निवासियों की पारंपरिक अधिकारों तक पहुंच सुनिश्चित होनी चाहिए। कर्नाटक का बीआरटी हिल्स अभयारण्य वन्यजीवों और मानवों के सहअस्तित्व का बढ़िया उदाहरण है। यहां तक कि सरकार ने भी यह माना है कि वन्यजीवों और मानवों का सहअस्तित्व संभव है।

सन् 2016 में पारित प्रतिपूरक वनरोपण निधि (सीएएफ, कैम्पा) में उल्लेख है कि वन-निवासियों की भूमि पर वृक्षारोपण से पहले उनसे परामर्श किया जाना चाहिए, परन्तु वन-विभाग वनों के प्रबंधन के लिए सामुदायिक सहमति में विश्वास नहीं रखता और आदिवासियों की खेती की जमीनों पर वनीकरण अभियान चलाता है। ये वो जमीनें हैं जहां का अधिकार पत्र या तो वन निवासियों को दे दिया गया है या उसके संबंध में अंतिम निर्णय का इंतजार है। जहां भी कैम्पा निधियों के वितरण में वृद्धि हुई है, वहां वन-निवासियों और वन-विभाग या सरकार के बीच परस्पर विरोधी दावों के मामले काफी अधिक हैं। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की ई-ग्रीनवाच बेवसाइट के अनुसार 10 राज्यों के 2479 क्षेत्रों में वृक्षारोपण का विश्लेषण करने से पता चलता है कि 70 प्रतिशत से अधिक वृक्षारोपण गैर-वनभूमि की बजाय वनभूमि पर किया गया है।तीव्र गति से बढ़ रही कथित विकास परियोजनाओं से होने वाले विस्थापन का समाधान निकालने के लिए अब तक कोई ठोस प्रयास नहीं किया गया है। तेजी से बढ़ते विस्थापन की सबसे अधिक मार देश के आदिवासी समुदाय पर पड़ रही है। सन् 2016 में जनजातीय मामलों के मंत्रालय% द्वारा जारी वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार 1950 से 1990 के बीच देश में 87 लाख आदिवासी विस्थापित हुए थे जो कुल विस्थापितों का 40 प्रतिशत है।

वनाधिकार कानून, 2006 की धारा-5 कहती है कि किसी वन-अधिकार धारक, उन क्षेत्रों में जहां इस अधिनियम के अधीन किन्हीं वन अधिकारों के धारक हैं, ग्रामसभा और ग्राम स्तर की संस्थाएं निम्न लिखित के लिए सक्षम हैं - (क) वन्यजीव, वन और जैव-विविधता का संरक्षण करना, (ख) यह सुनिश्चित करना कि लगा हुआ जलागम क्षेत्र, जलस्रोत और अन्य संवदेनशील क्षेत्र पर्याप्त रूप से संरक्षित हैं, (ग) यह सुनिश्चित करना कि वन में निवास करने वाली अनुसूचित जनजातियों और अन्य परम्परागत वन-निवासियों का निवास किसी प्रकार के विनाशकारी व्यवहारों से संरक्षित है जो उनकी सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत को प्रभावित करती हैं, (घ) यह सुनिश्चित करना कि सामुदायिक वन संसाधनों तक पहुंच को विनियमित करने और ऐसे किसी क्रियाकलाप को रोकने के लिए जो वन्यजीव, वन और जैव-विविधता पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, ग्रामसभा में लिए गए विनिश्चयों का पालन किया जाता है।संविधान के अनुच्छेद 244 की व्यवस्था के मुताबिक पांचवीं अनुसूची के प्रावधानों (धारा-2) में अनुसूचित क्षेत्रों में राज्यों की कार्यपालन शक्ति को शिथिल किया गया है। अनुसूचित क्षेत्रों की प्रशासनिक व्यवस्था में राज्यपाल को सर्वोच्च शक्ति एवं अधिकार दिया गया है। पांचवीं अनुसूची की धारा 5(1) राज्यपाल को विधायिका की शक्ति प्रदान करती है और यह शक्ति संविधान के किसी भी प्रावधानों से मुक्त है। आदिवासियों से किसी प्रकार के जमीन हस्तांतरण का नियंत्रण राज्यपाल के आधीन आता है। इतने सारे संवैधानिक और कानूनी प्रावधानों के होते हुए भी अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परम्परागत वन-निवासियों का जीवन असुरक्षित है तो कानून का राज कहां है?

संपादकीय

वक्फ़ बोर्ड : सरकार की मंशा पर सवाल

संसद के जारी मानसून सत्र में केन्द्र सरकार ने वक्फ़ बोर्ड कानूनों में संशोधन करने के उद्देश्य से गुरुवार को विधेयक पेश किया जिसका विपक्ष ने जबर्दस्त विरोध किया। इसके साथ ही सरकार में सहयोगी दल टीडीपी का रवैया भी खुलकर समर्थन देने वाला नहीं रहा। बल्कि टीडीपी सांसद जीएम हरीश बालयोगी ने विधेयक के लिए अपनी पार्टी का सशर्त समर्थन करते हुए कहा कि अगर वक्फ संशोधन विधेयक को आगे की जांच के लिए संसदीय समिति को भेजा जाता है तो वे इसका विरोध नहीं करेंगे। टीडीपी के इस हस्तक्षेप और इंडिया ब्लॉक के कड़े विरोध के बाद इस विधेयक को संसदीय समिति को भेजने का फैसला लिया गया। यह एक तरह से संसद में मोदी सरकार के लिए बड़ा झटका है।रकार का कहना है कि संशोधन कानून के जरिये वक्फ़ बोर्ड को मिले असीमित अधिकारों को नियंत्रित किया जायेगा, उसके कामकाज को पारदर्शी बनाया जायेगा और उसमें सभी वर्गों, खासकर महिलाओं एवं कमजोर वर्ग के मुसलमानों की भागीदारी बढ़ाई जायेगी। दूसरी तरफ़ विपक्षी दलों का मानना है कि इसके पीछे सरकार की मंशा साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण करने की है और वक्फ़ बोर्ड की जमीनों को हथियाना है। इस पर चर्चा जारी है लेकिन यदि संख्या बल के आधार पर सरकार इसे पास कराने में कामयाब होती है तो यह अल्पसंख्यकों में असंतोष और निराशा का एक और कारण बनेगा।मूलतः 1955 में लागू किये गये और साल 2013 में संशोधन के साथ जारी बोर्ड कानून में फिर से बदलाव के अनेक प्रस्ताव हैं। बेहतर कामकाज और संचालन के नाम से 44 संशोधन लाए जाने की सरकार की तैयारी है। सरकार के मुताबिक इस संशोधन द्वारा केंद्रीय पोर्टल और डेटाबेस के जरिये वक्फ़ के पंजीकरण को व्यवस्थित करना है। इसमें प्रस्ताव है कि किसी भी संपत्ति को वक्फ़ संपत्ति के रूप में दर्ज करने से पहले सभी संबंधितों को नोटिस देना होगा और इसमें राजस्व कानूनों के अनुसार कार्रवाई होगी। सरकार का तो कहना है कि संशोधन विधेयक का उद्देश्य बोर्डों के कामकाज में जवाबदेही और पारदर्शिता लाना तथा महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना है।सरकार का दावा है कि यह संशोधन मुस्लिम समुदाय की मांग पर किया जा रहा है। जबकि विरोधी दल मानते हैं कि रजिस्ट्रेशन की नयी प्रणाली बोर्डों को परेशान करेगी एवं उनमें शासकीय दखलंदाजी बढ़ाएगी। उनकी शक्तियों में कटौती होगी जो धार्मिक कामकाज में सरकार के हस्तक्षेप जैसा होगा। वक्फ़ बोर्ड कानून 2013 के संशोधन में वक्फ़ बोर्डों को व्यापक शक्तियां देता है। इसलिये भाजपा को इससे तकलीफ़ है। वक्फ़ अधिनियम, 1995 (2013 में संशोधित) की धारा 3 के तहत %वकीफ़% (जो मुस्लिम कानून द्वारा धार्मिक या धर्मार्थ के रूप में मान्यता प्राप्त किसी भी उद्देश्य के लिए संपत्ति समर्पित करता है) द्वारा %औकाफ़% (दान की गई और वक्फ़ के रूप में अधिसूचित संपत्ति) को नियमित करने के लिए बना था। 1954 का अधिनियम पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान वक्फ़ के कामकाज हेतु प्रशासनिक संरचना देने के उद्देश्य से बना था। तब वक्फ़ बोर्डों के पास शक्तियां थीं, जिनमें ट्रस्टियों और मुतवल्लियों (प्रबंधकों) की भूमिकाएं भी शामिल थीं।

अल्पसंख्यकों के अधिकारों एवं उनकी धार्मिक आजादी में कटौती करने वाले वक्फ़ बोर्ड कानून संशोधन का स्वाभाविकतः कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद मुस्लिमीन आदि की तरफ से संसद में विरोध किया गया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक्स पर कहा है कि- वक़्फ़ बोर्ड में संशोधन एक बहाना है।रक्षा, रेलवे, राजस्व भूमि की तरह उसकी ज़मीनें बेचना निशाना है। वक्फ़ बोर्ड की ज़मीनें के लाभार्थ योजना की श्रृंखला की कड़ी मात्र है। अखिलेश ने कहा कि इस बात की लिखकर गारंटी दी जाए कि वक्फ़ बोर्ड की ज़मीनें बेची नहीं जाएंगी।% एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने हालिया कहा था कि मोदी सरकार बोर्ड की स्वायत्तता छीनना और उसके कामों में हस्तक्षेप करना चाहती है जो धार्मिक स्वतंत्रता के खिलाफ है। उनका तो आरोप रहा है कि भाजपा बोर्डों और वक्फ़ संपत्तियों के खिलाफ रही है। लोकसभा में भी उन्होंने इन शंकाओं को दोहराया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार हिंदुत्व के एजेंडे पर काम कर रही है।

गरीब भारत का अचानक बिना किसी तर्क के सोने के आयात पर जोर

गोल्ड डोरे सोने और चांदी का एक अर्ध-शुद्ध मिश्र धातु है जिसे आमतौर पर खदान में बनाया जाता है और फिर आगे शुद्धिकरण के लिए रिफाइनरी में ले जाया जाता है। आयात-आधारित गरीब भारत के लिए सोना इतना महत्वपूर्ण क्यों है, वैसे गरीब देश के लिए जो 100 अंकों के पैमाने पर 28.7 के स्कोर के साथ वैश्विक भूख सूचकांक 2023 में 125 देशों में से 111वें स्थान पर है!सोने और गोल्ड डोरे पर भारतीय आयात शुल्क में अचानक और सबसे तेज कटौती काफी भ्रामक प्रतीत होती है, क्योंकि सोने पर 15 प्रतिशत आयात शुल्क के बावजूद पिछले वित्तीय वर्ष में भारत का पीली धातु का आयात लगभग 30प्रतिशत बढ़कर 45.54अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। उसके पहले वाले वर्ष में सोने का आयात लगभग 37अरब डॉलर का था। इस वर्ष के बजट में सोने पर सीमा शुल्क में भारी कटौती करके इसे नौ प्रतिशत घटाकर केवल छह प्रतिशत कर दिया गया, जो अब जून 2013 के बाद सबसे कम है, जबकि गोल्ड डोरेपर सीमा शुल्क 14.35प्रतिशत से घटाकर 5.35प्रतिशत कर दिया गया है।गोल्ड डोरे सोने और चांदी का एक अर्ध-शुद्ध मिश्र धातु है जिसे आमतौर पर खदान में बनाया जाता है और फिर आगे शुद्धिकरण के लिए रिफाइनरी में ले जाया जाता है। आयात-आधारित गरीब भारत के लिए सोना इतना महत्वपूर्ण क्यों है, वैसे गरीब देश के लिए जो 100 अंकों के पैमाने पर 28.7 के स्कोर के साथ वैश्विक भूख सूचकांक 2023 में 125 देशों में से 111वें स्थान पर है! दिसंबर 2023 तक भारत प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में दुनिया के लगभग 200 देशों में से 129 वें स्थान पर था, हालांकि देश का समग्र आर्थिक उत्पादन पर्याप्त है, और 2024 में यह दुनिया की जीडीपी रैंकिंग में पांचवें स्थान पर है।भारत में पेट्रोलियम के बाद सोना और गोल्ड डोरे आयात की दूसरी सबसे मूल्यवान वस्तु है। प्रभावी रूप से, भारत दुनिया के सोने के आयात में चीन और स्विट्जरलैंड के बाद तीसरे स्थान पर है। स्विट्जरलैंड ज्यादातर निर्यात के लिए सोना आयात करता है। स्विट्जरलैंड दुनिया का सबसे बड़ा सोने का निर्यातक है, जो दुनिया के सोने के निर्यात का 25प्रतिशत हिस्सा है, इसके बाद यूके, यूएस, यूएई और दक्षिण अफ्रीका का स्थान है। 2023-24 में भारत का कच्चे तेल का आयात बिल 132अरब डॉलर था, जबकि इसका सोने का आयात 45अरब डॉलर से अधिक था। देश का 86प्रतिशत आयात तेल पर निर्भर है। पिछले वित्त वर्ष में भारत का व्यापारिक व्यापार घाटा 240.17अरब डॉलर था।चीन जितना चाहे उतना सोना आयात कर सकता है क्योंकि वह किसी भी देश की तुलना में दुनिया का सबसे बड़ा व्यापार अधिशेष रखता है। पिछले साल, चीन का व्यापारिक व्यापार अधिशेष लगभग 823.2अरब डॉलर था। सोने के आयात का चीन के विदेशी व्यापार और उसकी घरेलू मुद्रा युआन की स्थिरता पर बहुत कम प्रभाव पड़ता है। चीन दुनिया का सबसे बड़ा सोना उत्पादक भी है। पिछले जुलाई तक, चीन ने 370मीट्रिक टन सोने का उत्पादन किया, उसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने 310 मीट्रिक टन और रूस ने 310मीट्रिक टन उत्पादित किया।023 में भारत ने केवल 780 किलोग्राम सोने का उत्पादन किया। भारत की आर्थिक वृद्धि में सोने की बहुत कम भूमिका है। हांगकांग सहित पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना दुनिया का सबसे बड़ा सोना आयातक है। स्टैटिस्टा के अनुसार, 2023 में चीन की प्रति व्यक्ति जीडीपी लगभग 12,514 डॉलर थी। विश्व बैंक ने 2023 में चीन की प्रति व्यक्ति जीडीपी12,174 डॉलर दर्ज की है, जो दुनिया के औसत का 96प्रतिशत है। ट्रेडिंग इकानॉमिक्स के अनुसार, 2023 में भारत का प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 2,239.25 डॉलर था, जो दुनिया के औसत का 18प्रतिशत है। यह भारत द्वारा दर्ज की गयी अब तक की सबसे अधिक प्रति व्यक्ति जीडीपी है।यह कुछ हद तक हैरान करने वाला है कि इतनी बड़ी मात्रा में सोने का आयात भारत के लिए इतना महत्वपूर्ण क्यों है और किसके लाभ के लिए है। देश के अमीरों और उच्च मध्यम वर्ग के लाभ के लिए भारत में कम शुल्क वाले सोने के आयात के पक्ष में तर्क देने के लिए बहुत कम मान्य सामग्री है। वे मुद्रास्फीति, नकारात्मक व्यापार संतुलन और बढ़ती सरकारी उधारी के सामने घरेलू मुद्रा, रुपये के घटते मूल्य के सामने अपनी संपत्ति के मूल्य की आंशिक रूप से रक्षा करने के लिए लगातार सोना खरीदते हैं।2023-24 की अंतिम तिमाही में भारत की कुल 136.6 टन सोने की मांग में आभूषणों का हिस्सा 95.5 टन था, जो पिछले वर्ष की तुलना में चार प्रतिशत की वृद्धि थी। मई 2024 में, शादी के आभूषणों का भारतीय आभूषण बाजार में 60 प्रतिशत हिस्सा था, जबकि दैनिक पहनने वाले आभूषणों का हिस्सा 30 प्रतिशत ही था। दिलचस्प बात यह है कि चालू वित्त वर्ष के राष्ट्रीय बजट में सस्ते सोने के आयात पर मुख्य ध्यान दिया गया था। ऐसा लगता है कि इससे स्थानीय सोने के व्यापारियों को सोने के आभूषण उपभोक्ताओं की तुलना में अधिक लाभ हुआ है, जिनके लिए बजट में आयात शुल्क में कमी का दावा किया गया था।इतना ही नहीं, व्यापारियों ने इसका लाभ उपभोक्ताओं को नहीं दिया, बल्कि पिछले सप्ताह के मध्य में 22कैरट आभूषण ग्रेड सोने की कीमत 800 रुपये की तेज उछाल के साथ 64,000 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गयी। 24 कैरेट सोने की कीमत 870 रुपये बढ़कर 69,820 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गयी। व्यापारियों ने भू-राजनीतिक तनाव के कारण सोने की कीमतों में उछाल का बचाव किया, मानो वे तनाव थे ही नहीं या तीन सप्ताह से भी कम समय पहले भारत सरकार के वार्षिक बजट तैयारी सत्र के दौरान कमज़ोर रहे।

इस व्यापार को ज़्यादातर मुंबई और अहमदाबाद स्थित गुजराती व्यापारियों द्वारा नियंत्रित किया जाता है। ठीक दो साल पहले, प्रधानमंत्री ने अहमदाबाद में गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्टेक) में स्थित देश का पहला अंतरराष्ट्रीय बुलियन एक्सचेंज (आईआईबीएक्स) लॉन्च किया था। सोने की बढ़ती घरेलू कीमतों का देश के बढ़ते सोने के आयात और खपत पर कोई असर पड़ने की संभावना नहीं है, हालांकि सरकार जानबूझ कर आयात कर में भारी कटौती से राजस्व का एक अच्छा हिस्सा खो देगी।

देश के अमीर बुलियन व्यापारियों के अलावा, सोने और गोल्ड डोरे के लिए आयात शुल्क में भारी कटौती का सबसे ज़्यादा स्वागत प्रमुख सोने के निर्यातक देशों ने किया है। भारत में स्विट्जरलैंड, यूके और यूएई सहित कुछ अन्य देशों से सोने के आयात पर कर की दर घटा दी गयी है और होल्डिंग अवधि को 36 महीने से घटाकर 24 महीने कर दिया गया है। इंडेक्सेशन के साथ लॉन्गटर्म कैपिटल गेन की दर को 20 प्रतिशत से घटाकर इंडेक्सेशन के बिना 12.5 प्रतिशत कर दिया गया है। यह प्रस्ताव पिछले 23 जुलाई से लागू है।

इतना ही नहीं गोल्डईटीएफ और म्यूचुअल फंड को फिर से वर्गीकृत किया गया है। गोल्डईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड) और म्यूचुअल फंड पर होने वाले मुनाफे पर अब शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन दर पर टैक्स नहीं लगेगा, अगर इसे कम से कम 12 महीने तक रखा जाये। देश के सोने के व्यापार और भारत को सोने के निर्यातक इन परिवर्तनों के संयुक्त प्रभाव से 2024 की दूसरी छमाही में सोने की मांग में कम से कम 50 टन की वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं।यह आश्चर्यजनक है कि 26 दलों के विपक्षी इंडिया गठबंधन के नेताओं ने भी अभी तक सत्तारूढ़ एनडीए सरकार की सोने के आयात शुल्क में भारी कटौती के पीछे की सरकार की मंशा पर सवाल नहीं उठाया है, जिससे मुंबई और अहमदाबाद के मुट्ठी भर बड़े सोने के व्यापारियों को लाभ पहुंचाने के लिए सरकारी राजस्व का घाटा स्वीकार्य बन गया है। सोने के आयात से रुपये की कीमत और कम होगी और उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिलेगा, जो गरीब आदमी की जेब पर भारी पड़ेगा। आदर्श रूप से, सरकार को टैरिफ बढ़ाकर सोने के आयात को नियंत्रित करना चाहिए और सोने की छड़ों और बिस्कुटों की बिक्री को प्रतिबंधित करने का प्रयास करना चाहिए। देश की मौजूदा आर्थिक स्थिति में सोने के आयात के लिए सरकार का जोर काफी रहस्यमय बना हुआ है।

सपने और फायनेंशियल प्लानिंग

शादी के बाद आपके जीवन में एक और साथी शामिल हो जाता है। जब हमारे परिवार में कोई नया सदस्य बढ़ता है तो उसके साथ-साथ हमारे खर्चों का बढ़ना भी स्वाभाविक है।

शादी के बाद कई बार प्रापर प्लानिंग के अभाव में हमारा बजट गड़बड़ा जाता है। उस वक्त होने वाली परेशानियों से बचने के लिए पहले से ही हर चीज की प्लानिंग करके चलें ताकि बाद में आपको कोई परेशानी नहीं हो।

शादी के बाद हमारे सपनों में भी पंख लग जाते हैं। शादी के बाद नए घर, बच्चे, अच्छी लाइफ स्टाइल, खर्च आदि के रूप में हमारे कई सपने उपजने लगते हैं।

ऐसे में अपने सपनों को हकीकत बनाने के लिए तथा अपने जीवनसाथी को खुशियों का तोहफा देने के लिए अपनी फायनेंशियल प्लानिंग करें। यदि आप प्री-प्लानिंग नहीं करेंगे तो पलक झपकते ही आपकी जेब कैसे ढीली हो जाएगी आपको पता ही नहीं चलेगा।

हमारे जीवन में कई ऐसी घटनाएँ होती हैं, जिनका पूर्वानुमान भी हम नहीं कर सकते हैं। ऐसी परिस्थितियों के लिए हमेशा तैयार रहें तथा अपने बजट में से कुछ धनराशि इन आपातकालीन खर्चों के लिए जमा करके रखें।

प्राथमिकताएँ तय करें :

शादी के बाद फरमाइशों की लंबी फेहरिस्त लग जाती है। ऐसे में प्राथमिकता वाले काम को पहले करें। एक-दूसरे की सलाह से यह तय करें कि पहले आपके लिए गाड़ी, घर, नौकरी आदि में से क्या बहुत जरूरी है। उसके हिसाब से यह तय करेंगे कि आपका बजट क्या है और उस बजट में आप उस चीज को खरीद सकते हैं या नहीं?

बीमा और हेल्थ पॉलिसी : शादी के बाद आपकी जिम्मेदारियाँ बहुत बढ़ जाती हैं इसलिए दोनों की बीमा पॉलिसी जरूर लें। इससे आपका भविष्य सुरक्षित हो जाएगा। यह एक ऐसा कार्य है, जिसको टालना भविष्य की कई परेशानियों का सबब बनता है।

आपके बेहतर स्वास्थ्य के लिए 'हेल्थ पॉलिसी' बहुत फायदेमंद सिद्ध होती है। बीमारी कभी कहकर दस्तक नहीं देती है इसलिए भविष्य में आने वाले खतरों के लिए पहले से ही सचेत रहें।

जब घर खरीदें :

यदि आप नया घर खरीदना चाहते हैं तो पहले ही घर खरीदने के रुपए के अलावा महीनेभर के राशन, बिजली, पानी व केबल का बिल आदि खर्च को भी उसमें जोड़ें। ऐसा करने पर आपको महीनेभर में आपकी जेब से इन खर्चों के नाम पर निकलने वाले रुपयों का अनुमान हो जाएगा।

आपातकालीन खर्च :

हमारे जीवन में कई ऐसी घटनाएँ होती हैं, जिनका पूर्वानुमान भी हम नहीं कर सकते हैं। ऐसी परिस्थितियों के लिए हमेशा तैयार रहें तथा अपने बजट में से कुछ धनराशि इन आपातकालीन खर्चों के लिए जमा करके रखें।

बजट का हमेशा ध्यान रखें :

किसी शादी-ब्याह व अन्य समारोहों में अपने बजट का पूरा ख्याल रखें क्योंकि उत्सुकतावश व दूसरों को खुश करने के लिए हम दिल खोलकर खर्च करते हैं परंतु बाद में उसकी भरपाई के लिए हमें अपनी कई चीजों से समझौता करना पड़ता है। इस स्थिति से बचने के लिए अपनी चादर देखकर ही पैर पसारें।

'आज सब कुछ लुटा दिया तो कल को आपके पास क्या बचेगा' हमेशा कुछ भी खरीदते वक्त इस बात का हमेशा ख्याल रखें।

अपने भविष्यगामी खर्चों की प्रापर प्लानिंग करें। इस प्रकार प्रापर प्लानिंग से आप अपने जीवनसाथी को उम्रभर की खुशियाँ दे सकते हैं तथा एक सुखमय जीवन की शुरुआत कर सकते हैं।

मेहमानों का कमरा हो खास

घर के हिस्से में मेहमानों का कमरा अपने अलग मायने रखता है। जितनी खुशी से आप मेहमानों का स्वागत करते हैं। उसी उत्साह को घर के गेस्ट रूम को सजा कर गेस्ट को अपने पन का अहसास करा सकते हैं। जिससे मित्र या हो रिश्तेदार बार-बार मिलने के लिए घर आए और आपकी तारीफ करें। इसलिए ये कमरा हर तरह से आरामदायक होना चाहिए। आप भी अपने घर को कुछ ऐसा अंदाज दे सकते हैं-

- कमरे में हल्के रंगों का प्रयोग करे जैसे ऑफ व्हाइट, क्रीम, लाइट ब्ल्यू आदि। क्योंकि अक्सर ऐसा होता है कि घर आने वाले मेहमान लम्बा सफर तय आते हैं। ऐसे में हल्के रंग आंखों को सुकून पहुंचाने वाले होते है। गहरे रंग आंखों में चुभते हैं।
- कमरे को और भी आकर्षक रूप देने के लिए कमरे की चादरें, पर्दों के रंग मिलते-जुलते होने चाहिए।
- कमरे को कुछ इस तरह सजाएं कि वह होटल के किसी कमरे की तरह न लगे। इस बात का ध्यान जरूर रखें कि फर्नीचर बहुत ज्यादा भरा हुआ न हो जिससे कि कमरे में चलने-फिरने में आसानी रहे और कमरा भी खुला-खुला दिखाई दे। इंटीरियर डेकोरेशन में ओपन स्पेस की अहमियत को समझें।
- गेस्ट रूम को स्टोरेज रूम में भी तब्दील न करें, घर की कोई भी पुरानी चीज या फिर बेकार पड़े सामान को इस कमरे की अपेक्षा स्टोर रूम में ही रखें। इससे घर के इस हिस्से में ठहरने वाले मेहमान को अपने घर जैसा ही अहसास होगा।
- कमरे में कपड़ों और दूसरे सामान को रखने के लिए एक अलमारी जरूर होनी चाहिए। इससे कमरे में रखा सामान बिखरा हुआ नहीं लगेगा।
- कमरे में कचरा रखने के लिए छोटा सा कूड़े दान, एक टेबल या फिर दीवार घड़ी के अलावा चाहें तो ताजे फूलों को फूलदान में सजा सकते हैं। इससे भी आपके घर आने वाले मेहमानों को फ्रेश अहसास मिल सकेगा। आप चाहें तो साइड टेबल पर कुछ पुस्तक व पत्रिकाएं भी रख सकते हैं।
- गेस्ट रूम में रोशनी का पूरा प्रबंध करना भी आवश्यक है। इसके अलावा नाइट लैंप की व्यवस्था भी इस कमरे में की जा सकती है। आप चाहें तो ड्रेसिंग टेबल के साथ ही आलमारी या फिर दीवार में फुल साइज का मिरर भी लगा सकते हैं। इससे उन्हें कही आने-जाने के समय तैयार होने में सहायता मिलेगी।

गुस्से पर लगाएं ब्रेक

भौंहें हर दम तनी रहती हैं मिसेज बेला उपाध्याय की। बच्चों से कोई चीज रखने में चूक हो जाए तो सातवें आसमान पर चढ़ जाता है उनका पारा। पति उनके कहे काम को टाल दें तो बर्दाश्त नहीं हो पाता उनसे। फट पड़ती हैं पति पर। ऑफिस में भी सहयोगी ज्यादा बात नहीं करना चाहते हैं उनसे, सभी अनप्रेडिक्टेबल कहते हैं उन्हें। अपने गुस्सैल स्वभाव पर काबू नहीं कर पाती हैं बेला। बाद में सोचती जरूर हैं कि नाहक गुस्सा किया मैंने, लेकिन तब तक तीर कमान से निकल चुका होता है। बात-बात में गुस्सा करने की उनकी आदत अब खुद पर भारी पड़ने लगी है। उनके लिए कोई कहता है, बड़ा एटीट्यूड है इसका, कोई कहता है, इससे तो बात करना ही बेकार है और कोई तो यह तक कह देता है, नकचढ़ी हैं। परिवार के लोग भी उनकी इस आदत को बखूबी समझते हैं, इसलिए उनसे सिर्फ जरूरत भर की बात करना ही पसंद करते हैं। चूंकि वह अपनी इस फितरत को मैनेज नहीं कर पा रही हैं, इसलिए अलग-थलग पड़ती जा रही हैं।

बेला की अपनी टेंशंस हैं, अपनी मुश्किलें हैं, अपनी कमजोरियां, मजबूरियां हैं, अपनी व्यस्तता और निराशा है, लेकिन कोई दूसरा उसका खामियाजा क्यों भुगते? गुस्सा करने की उनकी आदत उन पर तो भारी है ही, पर दूसरों को भी जीने नहीं देती। क्या बेला का यह व्यवहार उचित है? उनके अनुरूप अगर मैं बच्चों को डांटूं नहीं या पति और ऑफिस के सहयोगियों को टोकूं नहीं तो सब कुछ अस्त-व्यस्त हो जाएगा। बेला को अपनी सोच भले ही सही लगती हो, लेकिन वह इसके कुप्रभावों को लेकर बेपरवाह हैं।

आज जमाना परंपरागत तरीकों को छोड़कर व्यावहारिक उपायों को अपनाने का है। अगर कूल लाइफ चाहिए तो मैनेज करना ही पड़ेगा तुरंत भड़क जाने की इस आदत को और देनी पड़ेगी दूसरों को सांस लेने की आजादी।

एक बार चीखती हूं बस

मुझे जब बहुत तेज गुस्सा आता है तो एक बार चीखती जरूर हूं, लेकिन जल्दी ही खुद पर कंट्रोल कर लेती हूं और किचन में चली जाती हूं। अपने गुस्से को मैं वहीं उतारती हूं। जल्दी-जल्दी काम खत्म कर लेती हूं। कुछ समय मिल जाता है कूल होने के लिए और पति व बच्चों को मेरी नाराजगी समझ में आ जाती है। ज्यादा देर माहौल में तनाव नहीं रखती। जल्दी ही सब नॉर्मल कर देती हूं।% कनिका का यह फॉर्मूला एकदम प्रैक्टिकल है। इसमें किसी का कोई नुकसान नहीं। उनका काम भी तेजी से हो जाता है और आवेश भी खत्म हो जाता है। दरअसल, समय की मांग भी यही है। व्यर्थ का तनाव मुश्किलों को बढ़ाएगा ही।

खुशबू से रिलैक्स

भीनी-भीनी सी खुशबू हर मर्ज का इलाज साबित होती है। मल्टीनेशनल कंपनी में मैनेजर पद पर कार्यरत प्रज्ञा श्रीवास्तव के लिए तो कम से कम ऐसा ही है। दफ्तर में छोटी सी बात पर भड़क जाती थीं वह। शुरू में तो उन्हें लगा कि उनके तेज बोलने से काम तेजी से हो रहा है, लेकिन जब लगा कि अपनी टीम से कटने लगी हैं वह तो उन्होंने खुशबू को अपना सहारा बना लिया। जब उनका पारा हाई होने लगता है तो खुशबूदार टिश्यू पेपर निकाल लेती हैं। उससे चेहरे को पोंछने पर उन्हें हीलिंग इफेक्ट का अहसास होने लगता है। इसकी नमी उन्हें ताजगी देती है और खुशबू खुद को काबू करने की क्षमता।

ब्रिस्क वॉक से कूल

मैंने तो छोटी सी बात पर रिएक्ट किया था। ऐसा तो मैं हरदम ही करती हूं। इसमें नया क्या था। ये चाहते तो चुप रहकर बात खत्म भी कर सकते थे, लेकिन इन्होंने ही बहस बढ़ा दी और मेरा गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। अच्छा हुआ कि फिर मैं निकल गई सैर पर। तेज कदम चलकर मैंने अपने गुस्से को बाहर आने की जगह दी और खुद को कूल किया। किरण को शायद यह अहसास नहीं था कि किसी भी मौके पर गुस्सा हो जाना उनकी आदत में शुमार हो गया था और यही झगड़े की जड़ था। फिर भी उन्होंने बिगड़ी बात को और बिगड़ने से बचा लिया और ब्रिस्क वॉक करके अपनी सेहत को भी सुधरने का मौका दिया।

रामबाण है संगीत

संगीत में खो जाना दुनिया भुला देने जैसा है। आवेग को नियंत्रित करने में रामबाण साबित हो सकती है संगीत सुनने की प्रैक्टिस। घर में आपके मनपसंद गीत हल्की आवाज में चल रहे हों तो कोई कुछ भी करे, कुछ भी कहे आपको कोफ्त नहीं होगी। आप शांति से समाधान निकाल पाएंगी। अगर गाड़ी चला रही हैं और मध्यम आवाज में एफएम पर आ रहे पुराने गीत या गजलों का लुत्फ उठा रही हैं तो सड़क पर तकरार जैसी नौबत तो नहीं आएगी। इस संगीत की बदौलत ही शालिनी अपने घर और दफ्तर का सफर बिना किसी तनाव के पूरा कर लेती हैं। घर से भी गुनगुनाती हुई निकलती हैं और ऑफिस में भी अच्छे मूड में प्रवेश करती हैं।

मेरी बीवी से पूछिए

हम दुनिया को हंसाते हैं, उनका तनाव दूर करते हैं, लेकिन खुद मुझे गुस्सा बहुत आता है। सीरियल करते वक्त इसे रोकना मुश्किल हो जाता है। मेरी बीवी से पूछिए मेरे गुस्से की बात, क्योंकि झेलना तो उन्हें ही पड़ता है। मैं अपना गुस्सा बिल्कुल भी मैनेज नहीं कर पाता। अपसेट हो जाता हूं। चिड़चिड़ा हो जाता हूं, लेकिन यह सब चलता है सिर्फ 10 मिनट के लिए। ज्यादा देर के लिए नहीं। बहुत जल्दी ही सब कुछ नॉर्मल हो जाता है।

अतुल परचुरे, टीवी एक्टर

झलक दिख जाती है चेहरे पर

मैं अपने गुस्से को बाहर नहीं निकाल पाती, लेकिन उसकी झलक मेरे चेहरे पर दिख जाती है। खिचड़ी के बाद जब मैं आर. के. लक्ष्मण की दुनियाके लिए आई तो सब लोगों को यही लगा कि मैं बड़ी एटीट्यूड वाली हूं, लेकिन ऐसा नहीं है। हां, शूट में कुछ गलत होता है तो मुझे लगता है क्यों? आखिर ऐसा क्यों हो रहा है? एकदम से गुस्सा आ जाने की अपनी इस आदत को काफी हद तक मैनेज कर लेती हूं मैं।

वंदना पाठक, टीवी एक्टर

गौर करें

- क्या वाकई बात इतनी चुभने वाली थी कि आप रिएक्ट कर गई?
- क्या आपकी अपनी जल्दबाजी तो गुस्से का सबब नहीं?
- क्या मुश्किलें सहन करने की आपकी साम?र्थ्य कम तो नहीं हो गई?
- क्या आपके प्रियजन तो आहत नहीं हुए?
- क्या प्रभाव नजर आ रहे हैं आपको अपने गुस्से के?

क्या करें

- कोई बात आपको बुरी लगी है तो उसे सीधे-सीधे बता दें। जाहिर कर दें अपनी नाराजगी।
- खुद को टाइम दें, स्पेस दें और स्थिति को समझें।
- खुद को उस जगह पर रख कर सोचें।
- बात-बात पर गुस्सा करने से भी इसकी आदत बन जाती है। अगर ऐसा है तो बदलें खुद को और खुश रहने की आदत डालें।
- तुरंत रिएक्ट न करें।

फील गुड फैक्टर

हमारे भीतर का जो गुस्सा होता है वह हमें कहीं न कहीं भरोसा दिलाता है कि हम अपने हालात बदल सकते हैं। हॉर्वर्ड डिसीजन साइंस लेबोरेटरी की रिसर्च के मुताबिक अगर हम अपने अंदर के गुस्से को सही रास्ता दिखा दें तो जिंदगी बदल सकते हैं। अपने अधूरेपन को भरने की कोशिश हमें कहीं से कहीं ले जा सकती है। बदलाव की छटपटाहट एक टॉनिक का काम भी कर सकती है।

क्या हैं कारण

- लाइफस्टाइल में बढ़ती व्यस्तता
- उम्मीदों से कम सफलता
- क्षमताओं से ज्यादा टारगेट

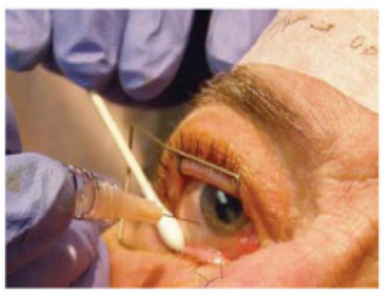

मधुमेह है डायबिटिक रेटिनोपैथी का मुख्य कारण

जीवनशैली से जुड़ी कई बीमारियां हमें अपनी चपेट में ले रही है। मधुमेह भी ऐसी ही एक बीमारी है, जो लोगों को अपने शिकंजे में ले रही है। हमारे हृदय और लीवर को मधुमेह के कारण कितना नुकसान पहुंचता है, यह तो हम अच्छी तरह जानते हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि हमारी आंखों की रोशनी के लिए भी कि मधुमेह उतना ही नुकसानदायक है। मधुमेह होने कि वजह से आंखों का एक गंभीर रोग पैदा हो सकता है, जिसे चिकित्सकों की भाषा में डायबिटिक रेटिनोपैथी कहा जाता है। डायबिटिक रेटिनोपैथी होने से अगर आंखों की दृष्टि चली गई तो उसे वापस नहीं लाया जा सकता है।

ऐसे होती है डायबिटिक रेटिनोपैथी

नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. राजीव जैन के अनुसार डायबिटिक रेटिनोपैथी एक हल्की बीमारी के रूप में शुरू होती है। बीमारी के शुरुआती चरण के दौरान रेटिना में छोटी रक्त वाहिकाएं कमजोर हो जाती हैं और यह छोटे बुल्गेस को विकसित करती है जिसे माइक्रोएनिअरीसम्स कहते है। इस बीमारी में रक्त में शुगर की मात्रा अधिक हो जाती है, जो आंखों सहित पूरे शरीर को नुकसान पहुंचा सकती है। रक्त में मधुमेह अधिक बढ़ने से रेटिना में रक्त वाहिकाओं को नुकसान होता है, जिसके कारण डायबिटिक रेटिनोपैथी हो सकती है। इस बीमारी से रेटिना के ऊतकों में सूजन हो सकती है, जिससे दृष्टि धुंधली होती है। जिस व्यक्ति को लंबे समय से मधुमेह होता है, उसे डायबिटिक रेटिनोपैथी होने की संभावना उतनी ही अधिक हो जाती है। इतन ही नहीं डायबिटिक रेटिनोपैथी का इलाज नहीं कराने पर यह अंधेपन का कारण भी बन सकती है।

डायबिटिक रेटिनोपैथी के लक्षण

- आंखों का बार-बार संक्रमित होना।
- चश्मे के नंबर बार-बार बदलना।
- सुबह उठने के बाद कम दिखाई देना।
- सिर में हमेशा दर्द रहना।
- आंखों की रोशनी अचानक कम हो जाना।
- रंग को पहचानने में कठिनाई।

डायबिटिक रेटिनोपैथी का उपचार

डायबिटिक रेटिनोपैथी के रोगियों का इलाज कैसे किया जा सकता है, इस पर नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. राजीव जैन कहते हैं कि समस्या से निजात पाने के लिए लेजर उपचार का प्रयोग किया जाता है, इस उपचार विधि के दौरान रेटिना के पीछे की नई रक्त वाहिकाओं के विकास के इलाज के लिए और आंखों में रक्त और द्रव के रिसाव को रोकने के लिए किया जाता है। इलाज प्रक्रिया के दौरान आंखों को सुन्न करने और पुतलियों को बड़ा करने के लिए विशेष रूप की आई ड्रॉप डाली जाती है, इसके बाद आंखों का लेजर किरणों से इलाज किया जाता है। इलाज के दौरान लगभग 30.40 मिनट लगते है। इसमें आम तौर पर दृष्टि का धुंधला होना और प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता का बढ़ जाना जैसे कुछ दुष्प्रभाव हो सकते हैं। **इंजेक्शन से उपचार:** डायबिटिक रेटिनोपैथी से निजात पाने के दूसरे तरीके में आंखों में इंफ्लामेशन को कम करने या आंखों के पीछे नयी रक्त वाहिकाओं को बनने से रोकने के लिए आंखों में ल्यूसेंटिस, अवास्टिन जैसे इंजेक्शन लगाए जाते है। इंजेक्शन आम तौर पर एक महीने में एक बार लगाया जाता है और एक बार जब दृष्टि स्थिर हो जाती है तो इंजेक्शन लगाना बंद कर दिया जाता है। इलाज की इस विधि में जलन या बेचैनी आंखों के अंदर रक्तस्राव आंखों में खुजली, आंखों में कुछ तैरने या आंखों में कुछ होने का अहसास हो सकता हैं। **सर्जरी से उपचार:** लेजर और इंजेक्शन उपचकर की विधि से जब इलाज संभव नहीं होता है तो विट्रेक्टॅमी नामक सर्जरी से इलाज किया जाता है, जो इसके इलाज के लिए एक कारगर तरीका है।

डायबिटिक रेटिनोपैथी से ऐसे करें बचाव

आंखों पर मधुमेह के अधिक बढ़ने से प्रभाव शुरू हो जाता है, इसलिए इससे बचने का सबसे अच्छा तरीका है कि मधुमेह का पता लगते ही ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को बढ़ने से रोकें। इसके लिए डॉक्टर के बताए नुस्खों का पालन करें और दवाएं लेते रहें। इसके अलावा डायबिटीज होने पर आपको साल में एक-दो बार आंखों की जांच करानी चाहिए, जिससे आंखों पर अगर किसी तरह का प्रभाव शुरू हो जाए, तो उसका समय पर इलाज किया जा सके। आपको अगर डायबिटीज बहुत समय से हैं तो आपको हर 3 महीने में आंखों की जांच करानी चाहिए।

रेसिपी

वेजिटेबल फिंगर्स

सामग्री

- अरहर दाल: 1 कप ■ लाल मिर्च- 2
- छोटा प्याज (छिला हुआ): 1 कप
- कटे हुए टमाटर: 2
- इमली का गूदा: 4 चम्मच
- सांबर पाउडर- 1 चम्मच
- नमक: स्वा के अनुसार ■ सरसों: 1 चम्मच
- हींग: चुटकी भर ■ करी पत्ता: 6
- बारीक कटी धनिया पत्ती: 4 चम्मच

विधि

अरहर दाल को धोकर दस मिनट के लिए भिगो दें। दाल को कुकर में दो कप पानी के साथ डालें और तीन से चार सीटी लगाएं। जब दाल पक जाए तो उसे अच्छी तरह से मैश कर दें। अब कुकर में टमाटर, इमली का गूदा, सांबर पाउडर, नमक और एक चौथाई कप पानी डालें। कुकर बंद करके दो सीटी लगाएं। अब दाल और इमली के मिश्रण को एक बड़े पैन में डालें और अच्छी तरह से मिलाएं। एक छोटे पैन में एक चम्मच तेल गर्म करें और छौंक की सभी सामग्री डालें। एक मिनट बाद इस छौंक को तैयार सांबर में डाल दें। अब सांबर वाले पैन को गैस पर चढ़ाएं। एक उबाल आने के बाद आंच धीमी कर दें और मध्यम आंच पर पांच मिनट तक उबालें। अगर सांबर गाड़ा है तो उसमें थोड़ा-सा पानी मिलाएं और उबालें। नमक चख लें। धनिया पत्ती से गार्निश करें और सर्व करें।

आलू कुल्चा

सामग्री

■ मैदा: 2 कप ■ चीनी: 1 चम्मच ■ बेकिंग सोडा: 1/4 चम्मच ■ गाढ़ा दही: 1/4 कप ■ तेल: 2 चम्मच ■ गुनगुना पानी: गूंदने के लिए भरावन के लिए ■ उबले आलू: 2 ■ कटी मिर्च: 1 ■ कश्मीरी लाल मिर्च: 1/2 चम्मच ■ गरम मसाला: 1/4 चम्मच ■ अदरक: 1 चम्मच ■ अमचूर: 1/4 चम्मच ■ अजवाइन: 1/4 चम्मच ■ नमक: स्वादानुसार ■ काले तिल: 2 चम्मच ■ हरा धनिया चम्मच ■ बेकिंग पाउडर: 1 चम्मच ■ बटर- 2 चम्मच

विधि

मैदा, चीनी, बेकिंग पाउडर, बेकिंग सोडा, नमक और दही को एक बरतन में डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। गुनगुने पानी की मदद से मैदा को गूंद लें। गीले सूती कपड़े से ढककर दो घंटे के लिए छोड़ दें। एक बाउल में मैश किया आलू और भरावन की सभी सामग्री डालें और अच्छी तरह से मिलाएं। गूंदे हुए मैदे से लोई काटें। उसके बीच में हल्का गड्ढा-सा करें और उसमें थोड़ा-सा आलू वाला मिश्रण डालें। लोई को सील करें। लोई के ऊपर थोड़ा-सा तिल और धनिया पत्ती डालें और हल्के हाथों से लोई को अंडाकार आकार में बेल लें। तवा गर्म करें। कुल्चे में एक ओर से ब्रश की मदद से पानी लगाएं और कुल्चे को गर्म तवे में चिपका दें। एक मिनट बाद तवा को पलट दें और कुल्चे को सीधे आग से सुनहरा होने तक पकाएं। कुल्चे के ऊपर हल्का-सा बटर लगाएं और सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रखें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। काम में लगे रहें लाभ होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। शत्रु से सावधान रहें। शुभांक-1-3-5

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-4-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। पत्नी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-2-4-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 1803

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 1802 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक व्यक्ति ने डाक्टर को धन्यवाद देते हुए कहा-'डाक्टर साहब! मैं आपका बहुत एहसानमन्द हूँ. आपके इलाज से मुझे बहुत फायदा पहुँचा है.'

'मगर.....?' डाक्टर ने चौंकते हुए कहा-'मैंने तो कभी आपका इलाज नहीं किया.'

'आपने मेरा तो नहीं, मगर मेरे करोड़पति चाचाजी का इलाज किया था. पिछले सप्ताह उनका देहान्त हो गया और मैं उनका एकमात्र वारिस हूँ.'

एक पिता मृत्यु की घड़ियां गिन रहा था . उसके तीन पुत्र आपस में बहस कर रहे थे. बड़ा पुत्र बोला-'एम्बूलेंस मंगा लेनी चाहिए.'

मंझला-'नहीं ! बैल ठेला कर लेंगे !'

छोटा-'कन्धे पर डालकर ले चलो !'

सुनकर पिता से रहा नहीं गया, बोला-'तुम मेरी चप्पलें ला दो, मैं खुद ही चला जाऊंगा.'

□ □ □

सीता-'मेरे बाप ने तो तैरने का रिकार्ड तोड़ दिया. पूरे तीन दिन बाद वापस लौटे हैं.'

गीता-'वह तो ठीक है. लेकिन तुम्हारे बाप हमारे बाप के सामने तो टिक नहीं सकते !'

'कैसे ?'

'मेरे बाप चार वर्ष पहले तैरने गये थे और आज तक वापस नहीं आये हैं.'

फिल्म वर्ग पहेली- 1803

बायें से दायें:-

१. अक्षय खन्ना, करीना की प्रियदर्शन निर्देशित एक कॉमेडी फिल्म-४
३. 'झिलमिल सितारों का आँगन' गीत वाली धर्मेन्द्र, राखी की फिल्म-३,२
५. अजय, नाना, फरदीन, उर्मिला, रेखा की 'ये सर्द आहें' गीत वाली फिल्म-२
६. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला' गीत वाली फिल्म-४
१०. 'पर्दे में रहने दो' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा पारेख की फिल्म-३
१२. 'सीता और गीता' में संजीव के साथ वाली हेमामालिनी के पात्र का नाम-२
१३. 'शिकदुम शिकदुम' गीत वाली अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, ईशा देओल, रिमी सेन की फिल्म-२
१६. विकास भल्ला, काजोल की 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'आने वाला पल जाने' गीत वाली अमोल पालेकर, बिंदिया की फिल्म-४
२०. जैकी, मोहसिन खान, नीलम की 'एक तू ही मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'तेरा काम है जलना' गीत वाली राज कपूर और नर्गिस की फिल्म-२
२३. शाहरुख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२४. सुदर्शन नाग निर्देशित सनी देओल, नीलम की १९९१ की एक फिल्म-३
२८. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'हम भूलेंगे' गीत वाली अमिताभ, अरशद, करिश्मा की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. शॉवरअली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
२. 'भागे रे मन' गीत वाली फिल्म-३
३. सनी, सलमान, करीश्मा, तब्बू की फिल्म-२
४. अमिताभ, दीपक, डिम्पल, करिश्मा की 'कभी खुशियों की' गीत वाली फिल्म-४
५. 'तेरे नाम' में सलमान की नायिका थी-३
७. कमल हासन, शाहरुख, रानी की फिल्म-१,२
९. 'जिंदगी इम्तिहान' गीत वाली अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
१०. नागार्जुन, अमला की एक फिल्म-२
११. सुनील शेट्टी, रवीना, करिश्मा, की फिल्म-३
१३. संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की 'बेनाम सा ये दर्द' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तुम ने दी आवाज' गीत वाली फिल्म-३
१५. सनी, अजय जडेजा, सेलिना की 'तुमको कितना है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'इस टूटे दिल' गीत वाली फिल्म-२
१७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला टैगोर की एक फिल्म-३
१८. 'अकेले ही अकेले चला' गीत वाली दिलीपकुमार, सायरा बानो की फिल्म-२
१९. आयूब खान, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. 'ऐ मेरी जिंदगी' गीत वाली जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
२२. राजकुमार, मीना की 'ठाड़े रहियो ओ बांके यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
२६. मनोज बाजपेयी, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-२
२७. 'कैसे कटे दिन' गीत वाली राजेश खन्ना, गोविंदा, जूही, माधवी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1802

सूडोकु -1803

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1802 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

शब्द पहेली - 1803

बाएँ से दाएँ

1.अत्यावश्यक-6
5.कारागार,जेल-4
8.पानी,नीर-2
9.मीन,मत्स्य-3
10.लक्ष्मी,कमला-2
11.कलाकार,फनकार-4
12.मर्द,मादा का विलोम-2
14.हसरत,मुराद-4
15.कैद में,अवरुद्ध,रुका-2
17.भूमि,धरती-3
19.मतवासा,मदहोश-4
21.फिल्मी दुनिया-3,3
24.दुर्भाग्यशाली-5
27.ठोकर लगना,भिड़ना-4
29.ढौंडी पीटना-3
31.सांप,सर्प-2
32.दाल-4
33.हूर,अप्सरा-2
35.गाड़ी चलाने वाला-4
36.पिता का छोटा भाई-2
38.पुत्र,बेटा-3
39.टौंटी,नलका-2
40.ललचाना,तड़फाना-4
41.टाऊन हाल, नागरिक भवन-2,4

ऊपर से नीचे

1.ईश्वर,अनश्वर-3,3
2.तेलहन-2
3.सुखद वस्तु, वर देना-4
4.करधनी,कमर पेटी-5
5.गलीचा-3
6.दिन-2
7.समस्या का हल-4
11.धरोहर,थाती-4
13.मिट्टी,धूल-2
16.चमकना-4
18.वायुसेना का एक विमान-3
19.इतराना-4
20.परत-2
22.जाप करना-3
23.किवाड़,द्वार-2
25.उदाहरणत:-4
26.परवरिश-3,3
28.राग छेड़ना-5
29.भेंट,मेल-मिलाप-4
30.दिया,दीपक-2
32.औषधालय, दवाखाना-4
34.खाली होना-3
37.छोटी सवारी गाड़ी-2
39.नया,नवीन-2

शब्द पहेली - 1802 का हल

ईथनोल से जुड़ी प्रधानमंत्री जी-वन योजना में संशोधन को मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। जैव ईंधन के क्षेत्र में नवीनतम विकास के साथ तालमेल रखने और अधिक निवेश आकर्षित करने के लिए प्रधानमंत्री जी - वन योजना को संशोधित करने और इसकी अवधि को अब पांच वर्ष और बढ़ाने को मंजूरी दी गयी है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की हुयी बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी देते हुये कहा कि संशोधित प्रधान मंत्री जी-वन योजना को मंजूरी दी गयी है। संशोधित योजना योजना के कार्यान्वयन की समयसीमा को पाँच (5) वर्ष यानी 2028-29 तक बढ़ाती है और इसके दायरे में लिग्नोसेल्यूलोसिक फीडस्टॉक यानी कृषि और वानिकी अवशेष, औद्योगिक अपशिष्ट, संश्लेषण (सिन) गैस, शैवाल आदि से उत्पादित उन्नत जैव ईंधन शामिल हैं। 'बोल्ट ऑन' प्लांट और 'ब्राउनफील्ड प्रोजेक्ट' भी अब अपने अनुभव का लाभ उठाने और अपनी व्यवहार्यता में सुधार करने के लिए पात्र होंगे।

बिरला ने नव निर्वाचित सांसदों के प्रबोधन कार्यक्रम का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संसद भवन परिसर में 18वी लोक सभा के नव निर्वाचित सांसदों के लिए, संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) द्वारा आयोजित प्रबोधन कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर, श्री बिरला ने कहा कि अध्यक्ष विचारधारा अथवा दल के आधार पर कार्य नहीं करते। वास्तव में अध्यक्ष सभी सदस्यों के अधिकारों के संरक्षक होते हैं। उन्होंने नए सदस्यों से आग्रह किया कि वे अपनी सुविधाओं और सदन के कामकाज के बारे में अपने सुझाव दें जिससे उनके लिए अधिक प्रभावी व्यवस्थायें उपलब्ध कराई जा सकें।

उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि 18वीं लोक सभा में कुल 280 सदस्य पहली बार निर्वाचित होकर संसद सदस्य बने हैं,जो कि पिछली लोक सभा की तुलना में अधिक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नए सदस्यों के नए विचार पुनः निर्वाचित सदस्यों के बृहद अनुभवों के साथ लोक सभा के कार्य में अधिक गुणवत्ता लाएंगे। श्री बिरला ने बताया कि अध्यक्ष पद के उनके कार्यकाल में नवनिर्वाचित सांसदों को प्रोत्साहित करने हेतु कई कदम उठाए गए हैं। इस सन्दर्भ में उन्होंने बताया कि नए सदस्यों लिए यह अति आवश्यक है कि वे सदन की गरिमा और प्रतिष्ठा को और बढ़ाने के लिए कार्य करें। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि सदन के अंदर और सदन के बाहर सांसदों का आचरण सदैव उच्च कोटि का हो और अध्यक्ष पीठ के निदेशों के अनुकूल हो। उन्होंने नवनिर्वाचित सदस्यों को सुझाव दिया।

यासीन मलिक को उम्रकैद की याचिका पर अपना पक्ष रखने की मिली अनुमति

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने आतंकवादी गतिविधियों के लिए आर्थिक मदद देने और उस में शामिल होने के जुर्म में उम्र कैद की सजा काट रहे जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट प्रमुख व अलगावादी नेता यासीन मलिक को इस अदालत के समक्ष अपना पक्ष रखने की अनुमति मिल गई। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत और न्यायमूर्ति गिरीश कठपालिया की पीठ ने मलिक की मौत की सजा की मांग करने वाली राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की याचिका के खिलाफ दोषी की व्यक्तिगत रूप से बहस करने की गुहार स्वीकार करने के साथ ही उसे अगली सुनवाई 19 सितंबर से पहले इस पर एक बार और विचार करने का विकल्प दिया।

मुख्य न्यायाधीश की इजलास में आमिर खान की उपस्थिति का जलवा

नयी दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता एवं फिल्म निर्माता आमिर खान उच्चतम न्यायालय रिपीट न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अदालत की कार्यवाही के दौरान अपनी उपस्थिति के कारण आकर्षण का केंद्र रहे। खचाखच भरे न्यायालय कक्ष में बॉलीवुड अभिनेता आमिर पीठ के सामने की पहली पंक्ति में बैठे थे। उनकी उपस्थिति की ओर संकेत करते हुए न्यायमूर्ति चंद्रचूड ने कहा,'मैं अदालत में भगदड़ नहीं चाहता, हम उच्चतम न्यायालय के एक बहुत ही विशेष अतिथि का स्वागत करते हैं।' आमिर के साथ फिल्म निदेशक किरन राव भी वहां बैठी थीं।

सीएमएस स्कूल वैन हादसाः बच्चों की चीख-पुकार सुनकर सहम गए राहगीर

लखनऊ। हादसे के बाद पलटी स्कूली वैन के नीचे दबे बच्चों की चीख-पुकार सुन राहगीर सहम गए। जब मौके पर पहुंचे तो बच्चों के बैग बिखरे हुए थे। कुछ बच्चे खुद ही वैन से निकलने का प्रयास कर रहे थे, जबकि कुछ बेसुध थे। वैन में नीचे दबी माही हादसे के बाद बेसुध हो गई थी। मदद के लिए पहुंचे लोग उसको मृत समझ रहे थे। लोगों ने अन्य बच्चों को निकालना शुरु किया। इस बीच माही की चीख सुनकर लोग दौड़कर उसके पास पहुंचे और उसे भी अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसे के वक्त एक निजी स्कूल की शिक्षिका अपनी कार से स्कूल जा रही थीं। हादसा देखकर वह रुक गईं। लोगों ने वैन के नीचे से खून से लथपथ आराध्या को निकाला। शिक्षिका ने अपनी कार से बच्ची को अस्पताल पहुंचाया।

बंगलादेश में अशांति के बीच मिजोरम मे सीमा सुरक्षा कड़ी

एजेंसी

आइजोल। मिजोरम - बंगलादेश सीमा पर कड़े प्रतिबंध अभी भी जारी है हालांकि राज्य पुलिस ने पड़ोसी देश से मिजोरम में शरणार्थियों की कोई आमद या घुसपैठ की कोशिश की सूचना नहीं दी है।

शांति के बावजूद, 318 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करने वाले लॉन्टलाई, लुंगलेई और ममित जिलों के जिला मजिस्ट्रेट कड़े सुरक्षा उपाय लागू करना जारी रखे हुए हैं।

ममित के जिला मजिस्ट्रेट जैकब लालावम्पुइया के एक आदेश में प्रतिबंधों का कारण बंगलादेश में अशांति का हवाला दिया गया है, जिसमें अवैध प्रवासियों की संभावित आमद की चेतावनी दी गई है जो कानून और व्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हो सकता है। आदेश में कहा गया है कि जिला

पुलिस अधीक्षक (एसपी) और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) अवैध घुसपैठ को रोकने के लिए नियमित जांच और गश्त के साथ सीमा पर कड़ी निगरानी रखें। एसपी और बीएसएफ को अपनी गतिविधियों और किसी भी घटना या निष्कर्ष का विवरण देते हुए जिला मजिस्ट्रेट के कार्यालय में नियमित रिपोर्ट जमा करने की भी आवश्यकता होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले राजस्थान विधानसभा के स्पीकर वासुदेव देवनानी

नई दिल्ली। राजस्थान विधानसभा के स्पीकर वासुदेव देवनानी ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इसकी तस्वीरें उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर की। स्पीकर वासुदेव देवनानी ने संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी को पुष्प गुच्छ और भगवान झूलेलाल की तस्वीर भेंट की। उन्होंने तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने की शुभकामनाएं भी दी।

वासुदेव देवनानी ने सोशल एक्स पर प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, युगपुरुष से भेंट, यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदीजी से आज संसद भवन, नई दिल्ली में शिष्टाचार मुलाकात की। देवनानी ने आगे लिखा, उन्हें भगवान झूलेलाल जी का चित्र भेंट कर लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री पद को सुशोभित करने पर आत्मीय शुभकामनाएं प्रेषित की। आदरणीय

प्रधानमंत्री जी ने पिछले 10 वर्षों में अजमेर सहित देश के संपूर्ण विकास को गति प्रदान की है, इस हेतु उनका आभार प्रकट किया।

उन्होने लिखा, प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात पर राजस्थान विधानसभा में किये जा रहे नवाचारों के संबंध में उन्हें जानकारी देकर विभिन्न विषयों में उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। बता दें कि वासुदेव देवनानी ने इससे पहले संसद भवन में लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला से भी मुलाकात की थी और राजस्थान विधानसभा में किए जा रहे नवाचारों के संबंध पर चर्चा की थी।

वायनाड में तेज आवाजों और झटकों से दहशत का माहौल

एजेंसी

वायनाड। केरल में वायनाड जिले के व्यथिरी और सुल्तान बाथरी तालुकों के अंतर्गत आने वाली पांच पंचायतों के निवासी सुबह तेज आवाजों और झटके महसूस करने के बाद घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। स्थानीय लोगों ने बताया कि सुबह करीब 10:15 बजे पदीपरम्बा, अम्बुकुथिमाला, अम्बालावायल, पोझुथाना, कुरिच्यारमाला पिनांगोड और एडक्कड़ गुफाओं में तेज आवाजें सुनायी दीं और झटके महसूस किए गए। अम्बालावायल क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र (आरएआरएस) के वैज्ञानिकों और कर्मचारियों ने भी तेज आवाजें सुनने की सूचना दी। झटके के कारण एक घर की मेज पर रखे गिलास गिर गए। इसी समय वायनाड के आस-पास के जिलों में भी हल्के झटके महसूस किए गए, जिनमें कोझिकोड जिले के मुक्कम के पास कुदरंजी और मनस्सेरी और

पलक्कड़ जिले के अलानालूर गांव के कुन्हीकुलम शामिल हैं।भूकंप का अंदेशा होने पर लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए।

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के सूत्रों ने बताया कि भूकंपमापी यंत्रों पर कोई कंपन दर्ज नहीं किया गया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के निदेशक ओ पी मिश्रा ने बताया कि वायनाड जिले के भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में ध्वनि, संभवतः पृथ्वी की ऊपरी और निचली परतों के बीच घर्षण के कारण आ रही है। जिला कलेक्टर मेघश्री डी.आर ने कहा कि जिले में कोई घबराहट की स्थिति नहीं है, और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने के लिए राजस्व विभाग द्वारा पहले ही कदम उठाए जा चुके हैं। विधायक के. बालकृष्णन ने मीडियाकर्मियों से कहा कि झटकों और ध्वनियों का वास्तविक कारण विस्तृत अध्ययन के बाद पता चल सकता है, लेकिन जिला अधिकारियों को लोगों की चिंता दूर करनी चाहिए। गौरतलब है कि 11 दिन पहले चूरलमाला और मुंडक्कई में हुए भीषण भूस्खलन के कारण वायनाड के लोग पहले से ही बेहद खराब स्थिति में हैं। बारिश और भूस्खलन के परिणामस्वरूप लगभग 400 लोगों की मौत हो गई। इस बीच, भूस्खलन के 11वें दिन गुरुवार को बचाव दल द्वारा तलाशी अभियान के दौरान कंथनपारा में सोचीपारा घाटी से तीन शव और एक मानव शरीर का अंग बरामद किया गया।

आदिवासी समाज ने कभी भी अपनी सभ्यता- संस्कृति और मान-सम्मान के साथ नहीं किया कोई समझौता : हेमंत सोरेन

एजेंसी

रांची। झारखंड में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान, रांची में दो दिवसीय झारखंड आदिवासी महोत्सव- 2024 का आज भव्य शुभारंभ हुआ।

उद्घाटन समारोह में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, मुख्य अतिथि एवं राज्य समन्वय समिति के अध्यक्ष -सह- राज्यसभा शिबू सोरेन, विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने राज्यवासियों को विश्व आदिवासी दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर राज्य में तीसरी बार झारखंड आदिवासी महोत्सव का भव्य आयोजन हो रहा है। यह सिर्फ एक महोत्सव मात्र नहीं है, बल्कि यह अपनी प्राचीन और समृद्ध जनजातीय सभ्यता- संस्कृति और विरासत को संजोने, संवारने और देश -दुनिया में पहचान दिलाने का एक प्रयास है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज राज्यभर में हर्ष, उल्लास और उत्साह के साथ आदिवासी दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर आयोजित हो रहे विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए आदिवासी अपनी सभ्यता और संस्कृति की चमक बिखेर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी महोत्सव आदिवासी जीवन दर्शन और कला-संस्कृति को अलग पहचान देने का एक बड़ा माध्यम बनता जा रहा है। यहां आयोजित हो रहे आदिवासी महोत्सव में हमें आदिवासियों की कला -संस्कृति, परंपरा, गीत- नृत्य और उनकी वेशभूषा से रूबरू होने का मौका मिल रहा है।

लगातार तेज बारिश के कारण कामां में भरभराकर गिरा मकान, मां-बेटी की मौत

एजेंसी

कामां। लगातार तेज बारिश होने के कारण डीग जिले के कामां क्षेत्र के गांवडी में शनिवार तड़के एक मकान भरभराकर गिर गया। इससे मलबे में दबने से मां-बेटी की मौत हो गई। मकान गिरने की आवाज सुनकर आसपास के लोग बाहर निकल आए और तुरंत बचाव कार्य शुरू कर दिए। इधर, घटना की सूचना मिलते ही जुरहरा थाना अधिकारी और कामां डीएसपी तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों की मदद से बचाव एवं राहत कार्य शुरू करवाया। काफी मशक्कत के बाद मलवे को हटाकर मृतक मां-बेटी के शवों को बाहर निकाला। मकान के मलवे में दबने से गांव गांवड़ी निवासी साजिद पुत्र फजरू की पत्नी और बच्ची की मौत हुई है। बता दें कि डीग और भरतपुर जिले में पिछले 2-3 दिन से तेज बारिश हो रही है।

यूपी में खेल व खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार उठा रही कदम - सीएम योगी

एजेंसी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश सरकार महत्वपूर्ण कदम उठा रही है।

गोरखनाथ मंदिर के मेला परिसर में नागपंचमी के अवसर पर दो दिवसीय प्रदेश स्तरीय पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता का समापन हुआ। इसके पुरस्कार वितरण समारोह को सीएम योगी ने संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि खेल व्यक्ति को स्वस्थ रखने का माध्यम तो है ही, सरकार की खेल और खिलाड़ियों के हित में बनाई गई नीति से यह भविष्य संवारने का भी सशक्त माध्यम बन गया है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा, वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर मेडल जीतने वाले प्रदेश के खिलाड़ियों को सरकार यूपी पुलिस के साथ ही अन्य सरकारी विभागों में बड़े पैमाने पर नौकरी दे

रही है। सीएम ने कहा, सरकार खेल और खिलाड़ियों के हित में स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत कर रही है। साथ ही खिलाड़ियों को पुरस्कार, नियुक्ति और भरपूर आर्थिक सहायता देकर उन्हें प्रोत्साहित भी करने का काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे खिलाड़ी खेल को नई ऊंचाई पर ले जा रहे हैं। सरकार का प्रयास है कि खिलाड़ियों को हर संभव मदद देकर खेल की गतिविधियों को आगे बढ़ाया जाए।उन्होंने पेरिस ओलंपिक का जिक्र करते हुए कहा कि नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक में रजत पदक जीतकर और हॉकी टीम ने लगातार दूसरी बार ओलंपिक में पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि 2020 के टोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने वाली हॉकी टीम का यूपी सरकार ने लखनऊ में सम्मान किया था। हॉकी टीम के ओलंपिक खिलाड़ी, यूपी के ललित उपाध्याय को यूपी पुलिस में डिप्टी एसपी पद पर नियुक्ति दी गई है। ललित कुमार ने इस बार भी ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन किया है। यूपी के ही खिलाड़ी राजकुमार ने कांस्य पदक के मुकाबले में अपने शानदार प्रदर्शन से स्पेन को हराने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों का उल्लेख करते हुए सीएम योगी ने बताया कि खिलाड़ियों को यूपी में सम्मानजनक सरकारी नौकरी दी जा रही है।अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी ललित उपाध्याय, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी दीप्ति शर्मा, एथलेटिक्स में पारुल चौधरी और कबड्डी में अर्जुन देशवाल को डिप्टी एसपी, कुश्ती में दिव्या काकरान और जुडो में विजय कुमार को नायब तहसीलदार, नौकायन में पुनीत कुमार, एथलेटिक्स में प्राची को जिला युवा कल्याण अधिकारी और अर्जुन को परिवहन विभाग में यात्री एवं माल कर अधिकारी पद पर नियुक्त किया गया है।

कश्मीरी प्रवासियों के लिए विशेष मतदान केंद्र स्थापित

एजेंसी

जम्मू। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने कहा कि आयोग ने जम्मू एवं कश्मीर में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले कश्मीरी प्रवासियों के लिए विशेष मतदान केंद्र स्थापित किए हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू के साथ मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा, कश्मीरी प्रवासियों के लिए दिल्ली, जम्मू और उधमपुर में 26 विशेष मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि जम्मू और उधमपुर के लिए बोझिल फॉर्म-एम की कोई आवश्यकता नहीं है। सीईसी ने कहा, फॉर्म एम की आवश्यकता को खत्म करने के फैसले का सभी हितधारकों ने स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि 3.71 लाख ऐसे मतदाता हैं

जो पहली बार मतदान करेंगे। उन्होंने कहा कि 19 अगस्त को अमरनाथ यात्रा समाप्त हो जाएगी और 30 अगस्त को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी तथा राजनीतिक दलों को इसकी प्रतियां उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे पहले, मुख्य चुनाव आयुक्त ने घोषणा की थी कि जम्मू-कश्मीर में जल्द से जल्द विधानसभा चुनाव कराए जाएंगे और चुनाव आयोग के दिल्ली लौटने पर समग्र समीक्षा के बाद तारीखों की घोषणा की जाएगी। उन्होंने कहा कि चूंकि संसद ने दिसंबर 2023 में जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम पारित किया है, इसलिए उससे पहले जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने की कोई संभावना नहीं है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा, आपने लोकसभा चुनावों के दौरान वह किया है, जो कई दशकों में यहां नहीं हुआ था। लोगों ने नींव रखी है और अब समय आ गया है कि हम उस मजबूत नींव पर ढांचा खड़ा करें। उन्होंने कहा कि कोई भी बाहरी या आंतरिक ताकत हमें जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने से नहीं रोक सकती। सीईसी ने कहा, हम जल्द से जल्द विधानसभा चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सरकार का अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए क्रीमी लेयर का प्रावधान करने का विचार नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली । सरकार ने कहा है कि उसका अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्गों को सरकारी नौकरियों और उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश के लिए दिये जाने वाले आरक्षण में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की तर्ज पर क्रीमी लेयर का प्रावधान करने का कोई विचार नहीं है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मंत्रिमंडल ने आरक्षण के संबंध में उच्चतम न्यायालय के हाल में आये आदेश पर विस्तार से चर्चा की । उन्होंने कहा कि इस दौरान उच्चतम न्यायालय द्वारा आरक्षण के प्रावधानों

के संबंध में दिये गये सुझावों पर भी बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के संविधान में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आरक्षण में क्रीमी लेयर का कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार बाबा साहेब के संविधान के प्रति पूरी तरह वचनबद्ध है।

चर्चा के बाद मंत्रिमंडल का सुविचारित मत है कि संविधान के अनुसार अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आरक्षण में क्रीमी लेयर के प्रावधान का सरकार का कोई विचार नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार का मानना है कि यह व्यवस्था संविधान के अनुरूप ही होनी चाहिए।

बंगलादेश में हिन्दुओं की सुरक्षा हेतु गृह मंत्री से मिले विहिप अध्यक्ष व महामंत्री

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद के एक प्रतिनिधिमडल ने यहां केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की और उनसे बंगलादेश में हिन्दूओं तथा अन्य अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों रोकने और उन्हें सुरक्षा प्रदान करने के लिए राजनयिक स्तर पर कार्रवाई करने की गुजारिश की। प्रतिनिधिमंडल ने हिंदुओं तथा अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा की घटनाओं की निंदा की और श्री शाह से वहाँ उत्पीड़ित समाज की सुरक्षा के लिए शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करने की अपील की। विहिप के राष्ट्रीय महामंत्री बजरंग बागड़ा ने बताया कि आज हमारे अध्यक्ष आलोक कुमार और मैं खुद श्री शाह से मिले तथा उन्हें बंगलादेश में हिन्दुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न पर भारत के हिंदू समाज की व्यथा और चिंता से अवगत कराया और उनसे बंगलादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा हेतु शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करने की गुजारिश की। श्री बागड़ा से बताया कि इस दौरान गृह मंत्री ने उनकी सरकार द्वारा इस दिशा में की गई कार्रवाइयों से अवगत कराया और कहा कि सरकार इस विषय में पूरी तरह से संवेदनाशील है और गंभीरता के साथ आवश्यक कार्रवाई कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वहाँ गठित अंतरिम सरकार के प्रधान को भेजे अपने शुभकामना संदेश में भी हिन्दुओं की सुरक्षा का विषय उठाया है। विद्यार्थियों सहित समस्त भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की गई है और हिंदू, सिख, बौद्ध एवं ईसाई अल्पसंख्यकों की और उनके पूजा स्थलों की सुरक्षा पर वहाँ के अधिकारियों के साथ निरंतर सम्पर्क स्थापित कर यथा संभव कार्रवाई की गई है। गृह मंत्री ने आशा जताई है कि जैसे अंतरिम सरकार के प्रधान ने हिन्दू अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न की घटनाओं को अस्वीकार नहीं किया है, वैसे ही वे इन पर तत्काल नियंत्रण स्थापित करने के निमित्त उचित कार्रवाई करेंगे।

1700 करोड़ रुपए के स्वच्छ पौध कार्यक्रम को स्वीकृति

एजेंसी

नई दिल्ली। बागवानी के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार ने 1700 करोड रुपए के निवेश के साथ स्वच्छ पौध कार्यक्रम (सीपीपी) को स्वीकृति दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शाम यहां हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि महत्वाकांक्षी स्वच्छ पौध कार्यक्रम देश में बागवानी क्षेत्र में क्रांति लाएगा। उन्होंने कहा कि 1,765.67 करोड़ रुपये के निवेश के साथ यह कार्यक्रम देश में बागवानी क्षेत्र को एक नई दिशा देगा। इससे उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि पूरे भारत में नौ विश्व स्तरीय अत्याधुनिक स्वच्छ पौध केंद्र (सीपीसी) स्थापित किए जाएंगे। इनमें अंगूर (एनआरसी, पुणे), शीतोष्ण फल - सेब, बादाम, अखरोट आदि (सीआईटीएच, श्रीनगर और मुक्तेश्वर), खट्टे फल (सीसीआरआई, नागपुर और सीआईएएच, बीकानेर), आम, अमरूद, एवाकाडो (आईआईएचआर, बेंगलुरु), आम,अमरूद, लीची (सीआईएसएच, लखनऊ), अनार (एनआरसी, शोलापुर) और पूर्वी भारत में उष्णकटिबंधीय, उप-उष्णकटिबंधीय फल शामिल हैं।

कार्यक्रम को प्रभावी रूप से

लागू करने के लिए बीज अधिनियम 1966 के तहत एक नियामक ढांचा बनाया जाएगा? जिसके अंतर्गत प्रमाण पत्र जारी होंगे।

यह कार्यक्रम राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सहयोग से लागू किया जाएगा। श्री वैष्णव ने कहा कि सीपीपी की घोषणा फरवरी 2023 में वित्त मंत्री ने बजट भाषण में की थी। सीपीपी पूरे देश में फलों की फसलों की गुणवत्ता और उत्पादकता बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि स्वच्छ पौध कार्यक्रम से किसान को वायरस मुक्त, उच्च गुणवत्ता वाली रोपण सामग्री तक पहुंच प्रदान की जा सकेगी।

जिससे फसल की पैदावार बढ़ेगी और आय के अवसरों में वृद्धि होगी। इस कार्यक्रम में पौधा नर्सरी में सुधार किया जाएगा जिससे उपभोक्ताओं को गुणवत्ताएं युक्त उत्पादन में सकेंगे। इसके अलावा भारतीय कृषि उपज को अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी स्थापित किया जा सकेगा।उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम सभी किसानों के लिए स्वच्छ पौध सामग्री तक किफायती पहुंच को प्राथमिकता देगा। कार्यक्रम की योजना और कार्यान्वयन में महिला किसानों को सक्रिय रूप से शामिल किया जाएगा, जिससे संसाधनों, प्रशिक्षण और निर्णय लेने के अवसरों तक उनकी पहुंच सुनिश्चित होगी। श्री वैष्णव ने कहा कि यह कार्यक्रम क्षेत्र-विशिष्ट स्वच्छ पौधों की किस्मों और प्रौद्योगिकियों को विकसित करके देशभर में विविध कृषि-जलवायु स्थितियों में होगा।

तलाक

रखें वित्तीय जानकारी

अजकल बड़ी संख्या में दंपति जीवन की आपाधापी में तिल का ताड़ बन जाने वाले घरेलू मुद्दों के कारण अलगाव या विवाह विच्छेद का रास्ता अपनाने लगे हैं। ऐसे में तलाक लेने से पहले किसी भी महिला के लिए यह विचार आवश्यक बन जाता है कि तलाक के बाद वह अपना भरण-पोषण किस प्रकार करेगी?

यदि वह तलाक के बाद बच्चे की कस्टडी लेना चाहती है तो क्या वह भली-भाँति बच्चे का पालन-पोषण कर सकेगी। अगर तलाक पाने की इच्छुक महिला नौकरीशुदा है तो क्या उसकी आय इतनी है जिससे वह अपने और अपने बच्चे के पालन-पोषण की जिम्मेदारी उठा सकेगी? जिस शिक्षण संस्थान में बच्चा शिक्षा ले रहा है उसकी फीस भरना क्या उसके लिए आसान होगा?

इसलिए महिलाओं को अपना और अपने बच्चे का भविष्य देखते हुए फाइनेंशियल पोजिशन जरूर चेक करनी चाहिए। अक्सर तलाक की पिटिशन डालने से पहले ही पति-पत्नी के संबंध खासे खराब हो जाते हैं, जिसके कारण दोनों अलग-अलग रहते हैं। गैर नौकरीशुदा महिला के लिए यह समय भी भारी पड़ सकता है अतः इस ओर पहले से वह ध्यान दे तो बेहतर होगा। फिर तलाक प्रक्रिया आगे बढ़ाने के लिए पत्नी अपना वकील तय करती है जिसकी फीस की व्यवस्था उसे स्वयं करनी होगी।

चूँकि परिवार न्यायालय भी अपेक्षा करता है कि तलाक होने से पहले एक बार फिर पति-पत्नी अपने संबंधों पर गौर फरमाएँ। इसलिए वह कुछ समय के लिए तलाक देने पर अपना निर्णय विचाराधीन रखता है। बिना मुआवजे और भरण-पोषण भत्ते के यह समय बिताना भी आय का साधन न होने पर महिला को भारी पड़ता है।

इन स्थितियों के आने से पहले समझदारी इसी में है कि एक बजट बनाया जाए जिसमें कुल खर्च का हिसाब बनाकर यह आकलन किया जाए कि क्या तलाक की इच्छुक महिला की आय उस खर्च के हिसाब से है?

चूँकि विपरीत परिस्थितियों में अकेलेपन से समस्याएँ आती हैं, उस पर हाथ तंग हो तो मुश्किलें बढ़ती ही हैं। अक्सर देखने में आता है कि तलाक के बाद महिलाएँ भावनात्मक रूप से टूट जाती हैं और जब तक संभल पाती हैं उनके बैंक के संयुक्त खाते में एक पैसा भी नहीं बचता। लिहाजा, उन्हें मुआवजे से मिली रकम पर निर्भर होना पड़ता है या फिर गुजारे भत्ते की छोटी-सी रकम को अपनी आय का साधन बनाना पड़ता है।

उस पर अगर बच्चे की जिम्मेदारी हो तो परिस्थितियाँ और विषम बन जाती हैं। परिवार में किसी भी परिस्थिति से निबटने के लिए महिलाओं का आर्थिक रूप से सक्षम और आत्मनिर्भर होना जरूरी है। खासतौर पर वे महिलाएँ जो अपने छोटे से छोटे काम के लिए भी पतियों पर निर्भर होती हैं जिससे उन्हें वित्तीय प्रबंधन का जरा भी ज्ञान नहीं होता।

वे बैंक, बीमा या दूसरे आर्थिक क्षेत्रों में अपने पति या घर के दूसरे पुरुषों के ऊपर निर्भर रहती हैं। ऐसे में उन्हें इतनी जानकारी भी नहीं होती है कि बैंक डिपॉजिट किसके नाम है और उसमें कितना पैसा है? अगर मकान है तो वह उनके नाम है क्या नहीं? बैंक का कौन-सा खाता संयुक्त है? पॉलिसी में नॉमिनी कौन है? प्रीमियम की नियत तारीख क्या है? म्युचुअल फंड यदि लिया गया है तो फंड में मिलने वाला रिटर्न किसके खाते में जा रहा है? ऐसी परिस्थिति में अगर तलाक की गाज महिला के ऊपर गिरती है, तो वह इस भावनात्मक और आर्थिक दुर्घटना से एकसाथ जूझने में खुद को अक्षम पाती है।

यदि तलाक होना निश्चित हो ही गया हो तो पहले ये महत्वपूर्ण कदम होने चाहिए : संयुक्त बैंक खातों पर पूर्व पति-पत्नी की सहमति से निर्णय।

संयुक्त बीमा पॉलिसी संबंधी निर्णय।

प्रोविडेंट फंड, भूमि, भवन और अन्य संपत्तियों में नामांकन परिवर्तन।

ये तीनों ही आवश्यक और महत्वपूर्ण कदम हैं। तलाक के बाद यदि बैंक खाते में पति का नाम नामांकित है तो जल्दी से जल्दी उसे बदलवा देना आवश्यक है, क्योंकि कई बार जब तक महिला तलाक के दर्द से उबरती है उसका पूर्व पति संयुक्त बैंक खाते में जमा रकम गायब कर चुका होता है। नौकरीशुदा महिला अपनी बीमा पॉलिसियों, प्रोविडेंट फंड आदि के कागजातों में नामांकित पूर्व पति का नाम समय पर हटवाकर कई परेशानियों से बच सकती है।

अगर आर्थिक रूप से तलाकशुदा महिला मुआवजे और गुजारे भत्ते पर ही निर्भर हो तो उसे उस रकम को सुनियोजित निवेश करने की योजना बना लेनी चाहिए। शॉर्ट टर्म पॉलिसी में निवेश करके निश्चित अंतराल में थोड़ा-थोड़ा धन मिलते रहने से आर्थिक सुरक्षा मिल सकती है। यदि तलाक की तैयारी करते समय ही ऐसी बचत योजनाओं में पैसा लगाया जाए जिनमें पति न नॉमिनी हो, न संयुक्त दावेदार तो तलाक के बाद महिला को पैसों का मोहताज नहीं होना पड़ेगा।

आज के दौर में हर महिला को अपने वित्तीय फैसले खुद लेने चाहिए। कहाँ कितना पैसा बचाना है और कहाँ लगाना है, इसका हिसाब खुद भी रखना चाहिए। चूँकि महिलाएँ अपने वित्तीय फैसले भावनात्मक आधार पर लेती हैं, इसलिए पीछे रह जाती हैं, जबकि पुरुष भावनात्मक आधार पर वित्तीय फैसले कम लेते हैं इसलिए अच्छे इनवेस्टमेंट प्लानर होते हैं।

दूसरी ओर यह भी देखने में आता है कि जो महिलाएँ दिखावे में पड़कर अनाप-शनाप खर्च करती हैं वे भी वित्त संबंधी निवेशों से अनजान रहती हैं, जबकि इन सबसे बचे पैसे को वे समझदारी से निवेश करके परेशानी से बच सकती हैं।

यदि तलाक के बाद जीवन निर्वाह करने की बात आती है तो मुआवजे से मिलने वाली जमा-पूँजी को खर्च न कर उसे वित्तीय निवेशों में निवेश करना चाहिए जिनसे मिलने वाले ब्याज से उनका काम आसानी से चल सकता है।

खुशी का विस्तार है परिवार

समाजशास्त्र बताता है कि परिवार इंसान की पहली पाठशाला है। वह जो कुछ भी अच्छा या बुरा सीखता है, परिवार से ही सीखता है। मनोचिकित्सक जब किसी मुश्किल केस को हल करते हैं तो परिवार पर ज्यादा तवज्जो देते हैं। संक्षेप में परिवार हमारी नींव में, आचरण में और फिर हमारे पूरे जीवन में झलकता और छलकता है।

परिवार एक विचार है, सुरक्षा और जीवनशैली है। इसमें होने और रहने का एक तरीका है, जिसे हम पारिवारिक संस्कार कहते हैं। यह मैं से निकलकर हम तक फैलता है।

पारिवारिक संस्कृति का मतलब साथ-साथ रहने का आनंद, निर्भरता और निश्चिंतता का सुख, सुरक्षा का आश्वासन, संस्कारों और संवेदनाओं की सहभागिता। साथ रहने और जोड़ते चलने का संबल है परिवार। इसी पर आगे आपका चरित्र, आकांक्षा, अपेक्षा और प्राथमिकता का निर्धारण निर्भर करता है।

शहरीकरण के साथ-साथ आए बदलावों ने परिवारों को तोड़ जरूर दिया है, लेकिन उसकी भावना अब भी जीवित है। तभी तो होली या फिर दिवाली के आसपास कोई कहीं भी रह रहा हो, कितना ही व्यस्त हो, अपने परिवार के पास पहुँचना चाहता है।

इस दौरान बसों और ट्रेनों की भीड़ देखकर हमें एहसास होता है कि परिवारों का होना मात्र सांस्कृतिक जरूरत नहीं, बल्कि यह इंसानी वजूद का अहम हिस्सा है। त्योहारों को साथ मनाना... मतलब साथ-साथ खुश होना, खुशी को बाँटना। यह खुद से बाहर खुद के होने या स्व का विस्तार है। अरस्तू परिवार के विस्तार को ही समाज मानते हैं तो फिर यह दुनिया की पहली या प्रारंभिक इकाई है। यही हमें मानवीय गुणों से समृद्ध करती है।

परिवार में रहना हमें सहिष्णुता सिखाता है। हम अपने छोटे-छोटे स्वार्थों और छोटी जरूरतों के प्रति आक्रामकता का परित्याग परिवार में रहकर ही सीख पाते हैं और आश्चर्य यह है कि हमें यह अहसास भी नहीं होता है कि हमने कुछ त्यागा है, ऐसा नहीं है कि यह एकाएक होता है। एक पूरी प्रक्रिया के तहत एक बच्चा पारिवारिक संस्कृति के इस स्तर तक पहुँचता है। कहा जा सकता है कि आपका चरित्र आपके परिवार का आईना है।

इसमें ही इंसान असहमत होते हुए भी सहमत होता है। इसमें ही वह प्रेम और उदारता सीखता है। इसमें ही वह खुद के अतिरिक्त दूसरों को स्वीकारता है और प्रेम करता है।

यही वह जगह है, जहाँ व्यक्ति मैं से हम तक का सफर तय करता है। इसी से आगे स्वस्थ, सुखी और संतुष्ट समाज की तरफ जाता रास्ता खुलता है।

ट्रेंडी एक्सेसरीज का सही प्रयोग

अपने सपनों के संसार यानी अपने घर को सही और ट्रेंडी एक्सेसरीज से सजाने की अभिलाषा हर किसी के मन में होती है, पर क्या यह काम आप सही ढंग से कर पाती हैं। अगर नहीं तो अपनाइए

इंटीरियर डेकोरेटर एलेक्स डेविस के सुझाव

घर की साज-सज्जा को संपूर्ण टच देने के लिए आप जो भी एक्सेसरीज चुनती हैं, वे आपके घर की खूबसूरती में चार चांद लगा देती हैं तो कभी-कभी उसकी सुंदरता को कम भी कर देती हैं। इसके लिए आपने जो एक्सेसरीज चुनी हैं उनका सही ढंग से प्रयोग करना जरूरी होता है। आप ऐसा करती हैं या नहीं, यहां दिए जा रहे सुझावों के जरिए जानिए और उन्हें अपनाइए भी।

व्यवस्थित करें एक्सेसरीज

कमरों को नेचुरल लुक देने के लिए फूलदान या फिर कैंडल को तीन के समूह में या दूसरी किसी विषम संख्या में रखें ताकि सजावट अप्राकृतिक न लगे। फोटो फ्रेम, कैंडल्स और फूलदान की व्यवस्था का सही प्रयोग करें- बड़ी-बड़ी और लंबी कैंडल्स को डेकोरेशन के वक्त सबसे पीछे रखें। जैसे एक टेबल पर कैंडल को सबसे पहले रखें, फिर फूलदान लगाएं और उसके आगे फोटो फ्रेम रखें। इसके अलावा आप इन कैंडल्स को एक के ऊपर एक करके रख सकती हैं, साथ सटाकर भी रख सकती हैं।

चीजें एक तरह की हों

मान लें दो छोटी टेबल हैं तो उसमें फूलदान और फूल भी एक ही जैसे रखें। कुशन भी एक तरह के हों। अगर बेड के एक तरफ चौकोर कुशन रखा है तो दूसरी तरफ भी वैसा ही हो। ऐसा न हो कि उस तरफ कोई अलग आकार का कुशन रख दें। ये सामान सुंदर दिखते हैं।

सजावट में विविधता

सजावटी चीजों की ऊंचाई, आकार और कट को अलग-अलग तरह से इस्तेमाल कर सकती हैं। विभिन्नता और कंट्रास्ट का प्रयोग आप आराम से कर सकती हैं, लेकिन कई रंगों का एक साथ इस्तेमाल कम करें वर्ना सारी चीजें बेमेल नजर आएंगी। राज की बात यह है कि तीन प्राइमरी रंगों से ज्यादा का प्रयोग न करें, क्योंकि इससे कमरा बहुत भरा-भरा सा दिखने लगता है। साथ में सफेद या पारदर्शी ग्लास का इस्तेमाल करें।

अपने कमरे को एक थीम दें

अपने कमरे में कुछ इस ढंग से एक्सेसरीज को इस्तेमाल करें कि लगे आप किसी थीम को दर्शा रही हैं। मसलन अगर आप बाथरूम को सजाना चाहती हैं तो उसमें शंख, छोटे-छोटे पत्थर रखें, उसकी टाइल्स में मछलियों, लहरों या पानी से संबंधित दृश्य हों। दीवार पर समुद्र या पानी से संबंधित कोई बेहतरीन चित्र लगाएं, जो बाथरूम को ताजगी से भर दे।

कुशन्स में मिक्स ऐंड मैच करें

ऐसा प्रयोग करने से पहले यह ध्यान रखें कि तीन प्राइमरी रंगों से ज्यादा का इस्तेमाल न करें। पहले फ्लोरल पैटर्न के कुशन्स लगाएं, फिर स्ट्राइप्स वाले कुशन्स। व्यवस्थित करते समय दोनों तरह के कुशन्स को एक साथ मिलाकर रखें। ऐसा न हो कि एक ओर सिर्फ फ्लोरल पैटर्न वाले, दूसरी तरफ स्ट्राइप्स वाले कुशन रखें।

ज्यादा प्रयोग न कर सकें तो

अगर आपके घर और बजट में ज्यादा प्रयोग करने की गुंजाइश नहीं है तो आप साधारण या प्लेन कुशन के साथ आकर्षक रंगों की पाइपिंग से सजे कुशन्स रख सकती हैं, ताकि सोफे और कुशन्स उभरकर नजर आएं। प्लेन कुशन्स में भी अलग-अलग तरह के शेड्स का प्रयोग कर सकती हैं। इसके अलावा सोफे के फैब्रिक को ध्यान में रखकर उसके कंट्रास्ट फैब्रिक वाला कुशन सजा सकती हैं। बड़े दो सीट वाले सोफे पर पांच से छह कुशन लगाएं। यदि आपको एक ही आकार वाले कुशन्स रखने अच्छे नहीं लगते हैं तो आप इसमें कुछ नया प्रयोग कर सकती हैं। जैसे विभिन्न शेप के कुशन्स रख सकती हैं। कोई चौकोर, गोल, त्रिकोणाकार, अंडाकार या फिर हार्ट शेप वाला कुशन एक साथ रख सकती हैं। इस तरह आप अपनी पसंद की एक्सेसरीज को सही ढंग से व्यवस्थित करके अपने घर-आंगन को नया और आकर्षक रूप दे सकती हैं।

अगर हमें खिलाड़ियों को चुनने के मामले में कुछ अलग करने की जरूरत पड़ी तो हम ऐसा करेंगे : रोहित

पेरिस। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने स्वीकार किया कि स्पिन की अनुकूल परिस्थितियों का सामना करने की कोशिश करते समय उनके खिलाड़ी 'लगातार पर्याप्त बहादुरी नहीं' दिखा पाए और उन्होंने संकेत दिया कि अगर ऐसा हुआ तो वे विशिष्ट परिस्थितियों के लिए विशेष खिलाड़ियों को चुनने से पीछे नहीं हटेंगे। भारत ने तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला का पहला मैच टाई किया लेकिन अगले दो मैचों में भारतीय बल्लेबाजों श्रीलंका के स्पिन आक्रमण के सामने घुटने टेक दिए। रोहित ने बिना किसी संकोच के कहा, ''हमें यह सोचने की जरूरत है कि कौन से खिलाड़ी इस तरह की पिचों पर खेल सकते हैं, लेकिन आपको लगातार मौके देने की भी जरूरत है क्योंकि एक या दो मौकों पर अच्छा प्रदर्शन करना आसान नहीं है। यह एक खराब श्रृंखला रही और हमें इसे स्वीकार करना होगा।' ' तीसरे वनडे में 249 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 138 रन पर आउट होने के बाद कप्तान ने कहा, ''हमें यह स्वीकार करना होगा कि हमने कहां गलतियां कीं। हम स्पिनरों के खिलाफ अधिक दृढ़ निश्चय और आक्रामकता नहीं दिखा सके और उन्होंने हम पर लगातार दबाव बनाया।'' भारतीय टीम में जिस चीज की कमी थी, वह थी खिलाड़ियों की व्यक्तिगत योजनाएं। रोहित ने कहा, ''यह व्यक्तिगत योजनाओं के बारे में है। हमारे सामने पहले भी ऐसी समस्याएं आई हैं, जब गेंद थोड़ी घूम रही थी। मैं देख सकता हूं कि खिलाड़ी नेट्स में कड़ी ट्रेनिंग कर रहे हैं और वे अलग-अलग शॉट खेलने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन हमें यह जानना होगा कि लय कैसे बनाए रखें। हम तीन बार विफल रहे। हमें वह पहला मैच जीतना चाहिए था जो टाई रहा।

हॉकी इंडिया का बड़ा ऐलान, संन्यास के बाद पीआर श्रीजेश को सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम की दीवार कहे जाने वाले गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य मेडल जीतने के बाद संन्यास ले लिया। हालांकि, अब भी वह टीम से जुड़े रहेंगे। हॉकी इंडिया ने दिग्गज खिलाड़ी को जूनियर पुरुष हॉकी टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। वह अब युवा टीम को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करेंगे। भारत ने स्पेन को 2-1 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इसके साथ ही श्रीजेश ने हॉकी को अलविदा कह दिया। श्रीजेश लंबे समय से भारतीय हॉकी टीम के अहम सदस्य रहे हैं। उन्होंने पेरिस ओलंपिक में भी शानदार प्रदर्शन किया और विरोध टीम के सामने दीवार बनकर खड़े रहे। स्पेन के खिलाफ कांस्य पदक मुकाबले में भी श्रीजेश ने अंतिम क्वार्टर में शानदार बचाव किए थे और उन्हें बढ़त लेने से रोका था। इस तरह टीम ने श्रीजेश को जीत के साथ विदाई दी।

हॉकी इंडिया ने ओलंपिक कांस्य पदक विजेता टीम के लिये नकद पुरस्कार का ऐलान किया

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के प्रत्येक सदस्य को 15 लाख रूपये और सहयोगी स्टाफ को 7 . 5 लाख रूपये नकद पुरस्कार देने का ऐलान किया है। भारत ने स्पेन को 2 . 1 से हराकर लगातार दूसरी बार ओलंपिक में कांस्य पदक

जीता। यह भारत का ओलंपिक हॉकी में 13वां पदक था। हॉकी इंडिया ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा ,'' हॉकी इंडिया पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले प्रत्येक खिलाड़ी को 15 लाख रूपये और सहयोगी स्टाफ को साढे सात लाख रूपये नकद पुरस्कार देने की घोषणा करता है।

महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 की मेजबानी को लेकर बीसीबी ने सेना प्रमुख को लिखा पत्र, नहीं छोड़ी वर्ल्ड कप की मेजबानी की उम्मीद

नई दिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने महिला टी20 वर्ल्ड कप की मेजबानी को लेकर उम्मीदें नहीं छोड़ी हैं। हिंसक विरोध प्रदर्शन के बीच देश की अंतरिम सरकार ने आपातकाल लगा दिया है। इस बीच बोर्ड ने गुरुवार को बांग्लादेश के आर्मी चीफ ऑफ स्टाफ जनरल वकर-उज-जमान को पत्र लिखकर टूर्नामेंट के आयोजिन के लिए सुरक्षा आश्वासन मांगा है। टूर्नामेंट 27 सितंबर को अभ्यास मैचों के साथ शुरू होने वाला है। इस बीच आईसीसी बांग्लादेश की स्थिति पर नजर बनाए हुए है। उसने मेजबानी के विकल्पों पर भी विचार किया है। टूर्नामेंट को शिफ्ट करना पड़ता है तो बांग्लादेश के टाइम जोन वाले देश में इसे करान के संभावना है। भारत, यूएई और श्रीलंका इसकी आवश्यकता के अनुरूप है।वहीं नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को नए चुनाव होने तक देश चलाने के लिए नियुक्त किया गया।

पेरिस ओलंपिक : मुक्केबाजी के अंतिम दिन उज्बेकिस्तान ने जीते दो स्वर्ण

एजेंसी

पेरिस। रोलांड गैरोस में मुक्केबाजी के अंतिम दिन चार स्वर्ण पदक दिए गए, जिसमें चीन की वू यू, अल्जीरिया की इमान खलीफ और उज्बेकिस्तान की जोड़ी असदखुजा मुयदिनखुजाएव और लाजीजबेक मुलोजोनोव ने स्वर्ण पदक जीता। महिलाओं के 50 किग्रा के फाइनल में, चीन की वू यू ने तुर्किये की बुसे नाज़ काकिरोग्लू को विभाजित निर्णय के माध्यम से 4-1 से हराकर मुक्केबाजी में चीन का दूसरा स्वर्ण पदक जीता। दूसरी ओर, यांग लियू चीन के स्वर्ण पदकों की संख्या में इज़ाफा नहीं कर सकीं और महिलाओं के 66 किग्रा वर्ग के फाइनल में इमान खलीफ से सर्वसम्मत निर्णय से हार गई। पुरुषों के 71 किग्रा के फाइनल में, 1968 के बाद से मैक्सिको के पहले ओलंपिक स्वर्ण की तलाश कर रहे मार्को वर्डे, उज्बेकिस्तान के असदखुजा मुयदिनखुजाएव से हार गए।

मुयदिनखुजाएव के फुटवर्क ने मैक्सिकन खिलाड़ी को कमियों को तीन राउंड में उजागर कर दिया, क्योंकि उज्बेक ने वर्डे के चारों ओर घेरा बनाया, अपने कंधे के रोल का उपयोग करके प्रभावी ढंग से मुक्कों को अंजाम दिया। यह परिणाम उज्बेकिस्तान के खेलों का दूसरा मुक्केबाजी स्वर्ण है। उज्बेकिस्तान ने ल्द ही अपने तीसरे स्वर्ण का जश्न मनाया, जब लेज़िज़बेक मुलोजोनोव ने पुरुषों के 92 किग्रा फाइनल में सर्वसम्मत निर्णय के माध्यम से अज़रबैजान के लोरेन अल्फोंसो को हराया।

पेरिस ओलंपिक में अमन सेहरावत ने जीता कांस्य पदक

एजेंसी

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक 2024 में भारतीय पहलवान अमन सहरावत ने कुश्ती में कांस्य पदक जीता। अमन ने कांस्य के लिए खेले गए मुकाबले में पुअर्तो रिको के डारियान टोई क्रूज को 13-5 के अंतर से हराया। इससे पहले, 21 वर्षीय पहलवान अमन ने गुरुवार को प्री क्वार्टर फाइनल और क्वार्टर फाइनल में दमदार प्रदर्शन किया था लेकिन पुरुषों के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग के सेमीफाइल में जापान के शीर्ष वरीय रेई हिगुची से एकतरफा अंदाज में हार गए थे। भारत ने पेरिस ओलंपिक में अबतक पांच कांस्य और एक रजत सहित कुल छह पदक जीते हैं। पहले राउंड में ही अमन 6-3 से आगे चल रहे थे। दूसरे राउंड अमन ने इस बढ़त को और आगे बढ़ाया और क्रूज को कोई मौका नहीं दिया। इस तरह अमन सहरावत ने जीत हासिल की। अमन पेरिस ओलंपिक में भारत के एकमात्र पुरुष पहलवान थे। हालांकि, उन्होंने

कुश्ती में पदकों के सिलसिले को बरकरार रखा। भारत 2008 बीजिंग ओलंपिक के बाद से हर ओलंपिक में कुश्ती में पदक जीत रहा है। 2008 में सुशील कुमार ने कांस्य, 2012 में सुशील ने रजत और योगेश्वर दत्त ने कांस्य, 2016 में साक्षी मलिक ने कांस्य, 2020 टोक्यो ओलंपिक में रवि दहिया ने रजत और बजरंग पूनिया ने कांस्य पदक जीता था। अमन का यह पहला ओलंपिक था और उन्होंने अपने पहले ही ओलंपिक में कांस्य पदक जीत लिया है। अमन ने इस तरह ओलंपिक में कुश्ती में भारत का पदक का खाता खोला। विनेश फोगाट के अयोग्य करार दिए जाने के बाद निराशा में डूबे भारत को उन्होंने खुशियां दी हैं।

पेरिस ओलंपिक : ब्राजीली जोड़ी रामोस-लिस्बोआ ने महिला बीच वॉलीबॉल में जीता स्वर्ण

एजेंसी

पेरिस। विश्व की नंबर एक जोड़ी ब्राजील की एना पेट्रीसिया सिल्वा रामोस और एडुआर्डा सैंटोस लिस्बोआ ने कनाडा की मेलिसा हुमाना-पारेडेस और ब्रांडी विल्करसन को तीन सेटों के रोमांचक फाइनल में हराकर पेरिस ओलंपिक में महिला बीच वॉलीबॉल का स्वर्ण पदक जीता।

ब्राजील की जोड़ी ने एफिल टॉवर स्टेडियम में 26-24, 12-21, 15-10 से लगातार सातवीं जीत दर्ज की, जबकि ह्यूमैना-पैरेडेस और विल्करसन ने महिला बीच वॉलीबॉल में कनाडा का पहला ओलंपिक पदक जीता। लकी लूजर राउंड से लेकर फाइनल तक संघर्ष करने के बाद, कनाडाई टीम ने

आश्चर्यजनक रूप से पहले सेट में 8-2 की बढ़त हासिल कर ली, लेकिन अपराजित ब्राजीलियाई जोड़ी ने 17-17 की बराबरी पर वापसी की। इसके बाद दोनों टीमों ने 24-24 की बराबरी पर बढ़त हासिल की, जिसके बाद सिल्वा रामोस और सैंटोस लिस्बोआ ने लगातार दो अंक हासिल किए और पहला सेट अपने नाम किया।ह्यूमैना-पैरेडेस और विल्करसन ने 10-10 की बराबरी से आगे बढ़ते हुए दूसरे सेट को 11-2 की बढ़त के साथ समाप्त किया और टाईब्रेकर के लिए मजबूर किया, जहां ब्राजीलियाई टीम ने 5-2 की बढ़त हासिल की और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा।

इससे पहले स्विट्जरलैंड की तान्जा ह्युबर्ली और नीना ब्रूनर ने ऑस्ट्रेलिया की मारियाफे आर्टाचो डेल सोलर और तालिक्का क्लैंसी को 21-17, 21-15 से हराकर कांस्य पदक जीता।

पेरिस ओलंपिक : स्पेन ने फ्रांस को हराकर 32 साल बाद जीता पुरुष फुटबॉल में स्वर्ण

एजेंसी

पेरिस स्थानापन्न सर्जियो कैमेलो के अतिरिक्त समय में किये गए दो गोल की बदौलत स्पेन ने ओलंपिक पुरुष फुटबॉल फाइनल में फ्रांस को 5-3 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। तीन साल पहले टोक्यो में रजत पदक जीतने वाले स्पेन ने दूसरी बार ओलंपिक पुरुष फुटबॉल में स्वर्ण पदक जीता है। इससे पहले स्पेन ने 1992 में बार्सिलोना में पेप गार्डियोला और लुइस एनरिक की टीम के साथ जीत हासिल की थी। मैच में फ्रांस ने अच्छी शुरुआत की और

मैच के 12वें मिनट में एंजो मिलोट ने गोल कर फ्रांस को बढ़त दिला दी। हालांकि 18वें और 26वें मिनट में फर्मिन लोपेज ने और 29वें मिनट में एलेक्स बेना ने फ्री-किक के जरिये गोल कर स्पेन की बढ़त 3-1 कर दी। स्पेन ने मध्यांतर तक अपनी बढ़त बरकरार रखी।हालांकि मध्यांतर के बाद फ्रांस ने शानदार वापसी की और मैच के 80वें मिनट में मैगनेस अक्लिओचे और जीन-फिलिप माटेता ने वीएआर समीक्षा के बाद मिले स्टॉपेज-टाइम पेनल्टी को गोल में बदल कर फ्रांस को 3-3 से बराबरी दिला दी।। इससे फाइनल अतिरिक्त समय में चला गया, जहां रेयो वैलेकानो के फॉरवर्ड कैमेलो ने दो गोल कर स्पेन को 5-3 से जीत दिला दी।

पेरिस ओलंपिक : लिंग-विवाद में फंसी मुक्केबाज खलीफ ने स्वर्ण जीतने पर कहा- मैं एक महिला हूं

एजेंसी

पेरिस। लिंग-विवाद में फंसी अल्जीरियाई मुक्केबाज इमान खलीफ ने कहा कि पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद कहा कि वह भी अन्य महिलाओं की तरह एक महिला हैं। खलीफ ने रोलांड गैरोस में महिलाओं की 66 किग्रा फाइनल में आसानी से जीत हासिल की। मुक्केबाज ने एक बड़े लिंग विवाद को चुनौती देते हुए रोलैंड गैरोस की भीड़ के सामने स्वर्ण पदक जीता, खलीफ ने महिलाओं के 66 किग्रा फाइनल में चीन की यांग लियू पर सर्वसम्मति से जीत दर्ज की।

15,000 सीटों वाले कोर्ट फिलिप चैटरियर में बड़ी संख्या में अल्जीरियाई प्रशंसक मौजूद थे, जो आमतौर पर ग्रैंड स्लैम टेनिस का घर होता है, लेकिन इसके बजाय यह खेलों में सबसे विवादास्पद एथलीटों में से एक को देखने के लिए वहां मौजूद रहे।

1.79 मीटर (5 फीट 9 इंच) की ऊंचाई वाली खलीफ ने फाइनल तक पहुंचने के दौरान अपने तीन प्रतिद्वंद्वियों पर ऊंचाई और ताकत का लाभ उठाया था।

यांग एक अलग तरह की खिलाड़ी थीं, 32 वर्षीय यांग की लंबाई लगभग उतनी ही थी और

उनके पास विश्व चैंपियन के बराबर का रिकॉर्ड था।खलीफ ने पहले राउंड में रिंग के बीच से ज़्यादातर समय दबदबा बनाए रखा और यांग पर दो-तिहाई मुक्कों की झड़ी लगाकर शुरुआती बढ़त हासिल कर ली। दूसरे राउंड की शुरुआत भी इसी तरह हुई, खलीफ के मुक्कों में ज़्यादा तेज़ी, ताकत और ख़तरनाकपन नज़र आया। अल्जीरियाई खिलाड़ी तीसरे और अंतिम राउंड में सभी जजों के स्कोरकार्ड पर आगे थी, और अंततः उन्होंने स्वर्ण पदक जीत लिया।

ताइवान की लिन यू-टिंग के साथ, जो शनिवार को 57 किग्रा महिलाओं के फाइनल में लड़ेंगी, खलीफ को लिंग पात्रता परीक्षण में विफल होने के बाद पिछले साल की विश्व चैंपियनशिप से अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

हालांकि उन्हें पेरिस में प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति दे दी गई, जिससे खेलों के सबसे बड़े विवादों में से एक के लिए मंच तैयार हो गया। स्वर्ण पदक जीतने के बाद 25 वर्षीय खलीफ ने बीआईएन स्पोर्ट्स को बतायः मुझे धमकाया गया और एक भयंकर अभियान चलाया गया और यह उनके लिए सबसे बड़ी प्रतिक्रिया है। स्वर्ण पदक गले में लटकाए खलीफ से भरी प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनसे खेलों में भाग लेने की पात्रता संबंधी विवाद के बारे में पूछा गया।

उन्होंने कहा, मैं भाग लेने के लिए पूरी तरह से योग्य हूँ, मैं भी अन्य महिलाओं की तरह एक महिला हूँ। मैं एक महिला के रूप में पैदा हुई, एक महिला के रूप में रही और एक महिला के रूप में प्रतिस्पर्धा की। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) पेरिस में मुक्केबाजी का आयोजन कर रही है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आईबीए) द्वारा खेल के संचालन पर चिंता जताई जा रही है। इस सप्ताह एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, आईबीए के क्रेमलिन से जुड़े अध्यक्ष उमर क्रेमलेव ने दावा किया कि खलीफ और लिन ने आनुवांशिक परीक्षण करवाया है, जिससे पता चलता है कि ये पुरुष हैं। आईबीए 2023 में विश्व चैंपियनशिप के लिए जिम्मेदार था, जिसमें लिन और खलीफ को बाहर कर दिया गया था। हालांकि आईओसी ने उन्हें पेरिस में मुक्केबाजी करने की अनुमति दे दी थी।

ओलम्पिक : बनारस के बेटे ललित उपाध्याय ने कहा, यह मेरी नहीं आप सभी के प्यार की जीत है

एजेंसी

वाराणसी। 52 साल बाद ओलम्पिक में हॉकी में लगातार दूसरी बार पदक जीतने की खुशी जहां पूरे में है, वहीं बनारस के ओलम्पियन ललित उपाध्याय ने अपनी जीत की खुशी का इजहार किया है। स्पेन जैसी दमदार टीम को

संघर्षपूर्ण मुकाबले में हरा कर कांस्य पदक जीतने पर ललित ने ट्विटर पर अपनी जीत का श्रेय पूरे देश को दिया है। ललित ने लिखा है कि हमारे देश के लिए ओलंपिक पदक जीतना एक सपना सच होने जैसा है, और मैं बहुत गर्व और कृतज्ञता से भरा हुआ हूं। यह जीत सिर्फ़ मेरी नहीं है - यह सभी की है, आपके प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद। उल्लेखनीय है कि ओलंपिक में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया और सेमीफाइनल मुकाबले तक पहुंची। हालांकि रोमांचक मुकाबले में उसे सेमीफाइनल में जर्मनी के हाथों हार झेलनी पड़ी। इसके बाद गुरुवार को टीम ने ब्रोंज मेडल मुकाबले में स्पेन को 2-1 से हराकर पदक हासिल किया।

रिमझिम फुहारों के बीच तैराकों ने पूल में दिखाई प्रतिभा

एजेंसी

प्रयागराज। सीआईएससीई उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड क्षेत्रीय अंडर-14, अंडर-17, अंडर-19 (बालक एवं बालिका) तैराकी प्रतियोगिता शुरू हुई। रिमझिम फुहारों के बीच नन्हे तैराकों ने पूल में अपनी प्रतिभा का हुनर दिखाया। पहले दिन दो जगह सेंट जोसेफ कॉलेज और प्रयागराज स्विमिंग पूल में मुकाबले हुए। इस तैराकी प्रतियोगिता में 13 ज़ोन (आगरा, बरेली, गाजियाबाद, गोरखपुर, झांसी, कानपुर नार्थ, कानपुर साउथ, लखनऊ 'ए', लखनऊ 'बी', मेरठ, प्रयागराज, उत्तराखंड और वाराणसी) के लगभग 400 तैराक प्रतिभाग कर रहे हैं।

प्रथम दिन 1500 एवं 100 मीटर फ्री फ्रीस्टाइल, 200 मीटर एवं 50 मीटर का बैकस्ट्रोक, 100 मीटर का ब्रेस्ट स्ट्रोक, 200 मीटर की बटरफ्लाई और 4 गुणे 100 की फ्रीस्टाइल रिले स्पर्धाएं हुईं।

मुख्य अतिथि कर्नल (डॉ.) अरविन्द झा एवं विशिष्ट अतिथि

जोसेफ कॉलेज की पूर्व अध्यापिका दिव्या राज ने सेंट जोसेफ कॉलेज में प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। मेजबान कॉलेज के प्रधानाचार्य रेव्ह फादर वाल्टर डी सिल्वा ने पुष्पगुच्छ देकर मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का स्वागत किया। प्रतियोगिता के लिए सेंट जॉन एकेडमी करछना की प्रधानाचार्य डॉ. जरीन रिजवी प्रयागराज जोन की समन्वयक हैं। स्पर्धाएं विद्यालय के खेल समन्वयक एवं इस प्रतियोगिता के आयोजन सचिव शबी रफीक के नेतृत्व में हुई। इसमें लेफ्टिनेंट अजहर उस्मानी के नेतृत्व में राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेटों ने अपना योगदान दिया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका मधुलिका डी सूजा ने किया।

इस मौके पर मिडिल स्कूल एडमिनिस्ट्रेटर डिकन ग्लाड्विन फ़र्नान्डिज, एडिशनल एडमिनिस्ट्रेटर ए. मगावन तथा मुख्य समन्वयक ज्योति दुबे, रोमन कैथोलिक डायोसीज ऑफ इलाहाबाद के आर्च बिशप डॉ. रैफी मंजली, प्रांतीय शिक्षा अधिकारी एवं सेंट जोसेफ कॉलेज के प्रबंधक रेव्ह फादर लौरेंस फर्नान्डिस और यशवंत सिंह, शीतल सेबेस्टियन, डैनी इक्का, क्रिकेट कोच ज़हीर अब्बास, पूनम सिंह, उत्कर्ष कुमार शर्मा, प्रतिभा शुक्ला, हर्षित ग्लाड्विन, एसजेसी के पूर्व छात्र एवं प्रयागराज स्विमिंग पूल के ऑनर गौरव अग्रवाल एवं उनकी धर्मपत्नी सौम्या अग्रवाल, विकास सिंह बिसेन आदि उपस्थित रहे।

मेरा ओलंपिक अनुभव किसी भी अन्य गोल्फ इवेंट से अलग रहा : शुभंकर शर्मा

एजेंसी

मोहाली। शीर्ष पेशेवर गोल्फर शुभंकर शर्मा ने पेरिस ओलंपिक 2024 में पुरुष गोल्फ में पहले भारतीय के तौर पर प्रदर्शन दर्ज किया। उन्होंने मेंस इंडिविजुअल स्ट्रोक प्ले स्पर्धा राउंड 4 में 40वें रैंक पर अपना प्रदर्शन समाप्त किया। उन्होंने ले गोल्फ नेशनल में चार राउंड के बाद 1-अंडर 283 का स्कोर दर्ज किया। ओलंपिक में पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन टोक्यो 2020 में अनिर्बान लाहिड़ी का था, जहां वह 42वें स्थान पर रहे थे।

अपने पहले ओलंपिक अनुभव के बारे में शुभंकर ने कहा कि मेरा ओलंपिक अनुभव किसी भी अन्य गोल्फ इवेंट से अलग रहा है। इसमें एक बड़े टूर्नामेंट का अनुभव था। मेरा मानना है कि ओलंपिक गोल्फ बहुत जल्द ही दुनिया भर में होने वाले सर्वश्रेष्ठ गोल्फ इवेंट्स में शामिल हो जाएगा। मुझे यह भी विश्वास है कि एक राष्ट्र के रूप में हमारे पास और भी अधिक सफलता हासिल करने की क्षमता है। यह तो बस सिर्फ शुरुआत है। हम राष्ट्रीय गौरव की ओर एक यात्रा पर निकल पड़े हैं। शुभंकर के पेरिस प्रदर्शन पर गर्व व्यक्त करते हुए

राउंडग्लास के संस्थापक सनी गुरप्रीत सिंह ने कहा, शुभंकर ने अपने पहले ओलंपिक में असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है। उनका प्रदर्शन भारत के कई युवा गोल्फरों को भविष्य की प्रतियोगिताओं में देश के लिए अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा। मुझे विश्वास है कि शुभंकर अगले ओलंपिक के लिए मजबूत वापसी करेंगे और भारत के लिए पदक जीतेंगे। शुभंकर ने कहामेरा मानना है कि देश में गोल्फ के प्रति सामान्य जागृति से परे, राउंडग्लास जैसी पहल जमीनी स्तर पर खेल को काफी आगे बढ़ाएगी। राउंडग्लास गोल्फ अकादमी एक गेम चेंजर साबित होगी, जो हमारे देश में विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करेगी। शुभंकर राउंडग्लास स्पोर्ट्स के ब्रांड एंबेसडर हैं और ब्रांड के साथ उनके जुड़ाव में इसकी विभिन्न संस्थाओं का प्रचार शामिल है। राउंडग्लास फाउंडेशन और राउंडग्लास गोल्फ अकादमी दो साल में चालू होने की उम्मीद है। यह एसोसिएशन भारत में शीर्ष एथलीटों का समर्थन करने और बढ़ावा देने के लिए राउंडग्लास स्पोर्ट्स के मिशन का एक विस्तार है।

सीएएस को विनेश फोगाट मामले में ओलंपिक खेल समाप्त होने से पहले फैसला आने की उम्मीद

एजेंसी

पेरिस। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट के मामले में कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स (सीएएस) ने बड़ा अपडेट दिया है। सीएएस ने बताया है कि विनेश फोगाट की अयोग्यता के खिलाफ उनकी याचिका पर फैसला ओलंपिक खेलों के समाप्त होने से पहले आने की उम्मीद है। कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स (सीएएस) ने एक बयान में बताया कि भारतीय पहलवान विनेश फोगाट की ओर से 7 अगस्त को 16:45 सीईएसटी (टाइम) पर सीएएस एड हॉक डिवीजन में एक अपील दायर की गई थी। विनेश ने सीएएस एड हॉक डिवीजन से चुनौती दिए गए निर्णय को रद्द करने और अंतिम मैच से पहले एक बार और वजन मापने का आदेश देने के साथ-साथ उन्हें

फाइनल में भाग लेने के लिए योग्य घोषित किए जाने की मांग की थी। हालांकि, उन्होंने तत्काल अंतरिम उपायों का अनुरोध नहीं किया। सीएएस एड हॉक डिवीजन प्रक्रिया तेज है, लेकिन एक घंटे के भीतर योग्यता पर निर्णय जारी करना संभव नहीं था, यह ध्यान में रखते हुए कि प्रतिवादी यूडब्ल्यूडब्ल्यू को पहले सुनना होगा। हालांकि, प्रक्रिया चल रही है और आवेदक ने पुष्टि की है कि वह चुनौती दिए गए निर्णय को रद्द करना चाहती है और वह एक (संयुक्त) रजत पदक से सम्मानित होने का अनुरोध करती है। सीएएस के अनुसार इस मामले को डॉ. एनाबेले बेनेट एसी एससी (ऑस्ट्रेलिया) को भेजा गया है, जो एकमात्र मध्यस्थ के रूप में पक्षों के साथ सुनवाई करेंगे। एकमात्र मध्यस्थ का निर्णय ओलंपिक खेलों की समाप्ति से पहले जारी होने की उम्मीद है।

पेरिस ओलंपिक : 4×400 मीटर रिले में भारत की महिला एवं पुरुष टीमें नहीं कर सकीं क्वालीफाई

एजेंसी

पेरिस। पेरिस ओलंपिक 2024 में महिला 4×400 मीटर रिले के पहले राउंड में भारतीय महिला टीम को हार का सामना करना पड़ा है। ज्योतिका श्री दांडी, एमआर पूवम्मा, विथ्या रामराज और सुभा वेंकटेशन की महिला टीम हीट 2 में 3:32.51 के समय के 8वें स्थान पर रही और फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी। चार भारतीय धावकों में ज्योतिका सबसे तेज थीं, जिनका समय 51.30 सेकेंड था। हीट 2 से जमाइका की टीम ने 3:24.92,

नीदरलैंड ने 3:25.03, आयरलैंड ने 3:25.05 और कनाडा ने 3:25.77 का समय लेकर क्वालिफाई किया। उधर, भारतीय पुरुष टीम भी पुरुषों की 4×400 मीटर रिले दौड़ पहले राउंड में हार गई। अमोज जैकब, राजेश रमेश, मुहम्मद अजमल और मुहम्मद अनस की भारतीय टीम 3:00.58 के समय के साथ हीट 2 में चौथे स्थान पर रही। इस प्रकार वे भी फाइनल में जगह नहीं बना सके। अजमल सबसे तेज भारतीय धावक रहे, जिनका समय 44.60 रहा। फ्रांस (2:59.53), बेल्जियम (2:59.84) और इटली (3:00.26) ने हीट 2 से फाइनल में जगह बनाई।

श्रद्धा कपूर

की 'स्त्री 2' के नए गाने में ऐसा क्या दिख गया, जो लोग कहने लगे- फिल्म पक्का ब्लॉकबस्टर होगी

श्रद्धा कपूर, राजकुमार राव और पंकज त्रिपाठ 'स्त्री 2' के साथ एक फिर से वापस आ रहे हैं. फिल्म 15 अगस्त को रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार है. हालांकि, उससे पहले मेकर्स इस फिल्म के गाने रिलीज करके माहौल बनाने की कोशिश में लगे हुए. 'आज की रात' और 'आई नहीं' के बाद अब इस फिल्म का तीसरा गाना रिलीज हो गया है. इस गाने का नाम है 'खूबसूरत'. इसमें कुछ ऐसा दिखा है, जिसके बाद लोगों का कहना है कि ये फिल्म ब्लॉकबस्टर होगी.इस गाने को विशाल मिश्रा और सचिन-जिगर ने मिलकर गाया है. म्यूजिक भी सचिन-जिगर ने ही दिए हैं. लिरिक्स अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं. ये गाना लोगों को काफी पसंद आ रहा है. जैसे ही ये गाना रिलीज हुआ लोगों ने यूट्यूब पर कमेंट करना शुरू कर दिया. लोगों का कहना है कि ये फिल्म ब्लॉकबस्टर होगी.

लोगों को क्यों लग रहा है कि फिल्म ब्लॉकबस्टर होगी ?

गौरतलब हो कि 'स्त्री 2' जिस हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स का हिस्सा है, वरुण धवन की 'भेड़िया' और अभय वर्मा की 'मुंज्या' भी उसी यूनिवर्स की फिल्में हैं. ऐसे में वरुण धवन भी 'स्त्री 2' में कैमियो करने वाले हैं. अब 'खूबसूरत' के नाम से जो नया गाना सामने आया है उसमें वरुण धवन भी नजर आ रहे हैं. 'भेड़िया' और 'स्त्री' दोनों ही ऐसी फिल्में हैं, जिनकी लोगों के बीच तगड़ी फैन फॉलोइंग है. ऐसे में लोगों का कहना है कि अगर 'स्त्री' और 'भेड़िया' एक साथ दिखेंगे तो पक्का ब्लॉकबस्टर होगी. नीचे आप कुछ यूजर्स के रिएक्शन भी देख सकते हैं.

एक यूजर ने कमेंट किया, भेड़िया+स्त्री, महा ब्लॉकबस्टर ऑफ द ईयर. एक दूसरे यूजर ने लिखा, वरुण धवन, श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव= गूजबंप्स . एक और यूजर ने लिखा, 'स्त्री 2' महा ब्लॉकबस्टर है लिखकर ले लो. एक और शख्स ने कमेंट किया, भेड़िया+स्त्री 2= बॉक्स ऑफिस धमाका.

'स्त्री 2' की राह आसान नहीं

'स्त्री' का पहला पार्ट साल 2018 में आया था. लोगों की तरफ से फिल्म को इस कदर प्यार मिला था कि इस फिल्म ने बजट से 6 गुना ज्यादा कमाई कर ली थी और ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी. रिपोर्ट की मानें तो फिल्म का बजट 30 करोड़ रुपये था और दुनियाभर में फिल्म ने 182 करोड़ की कमाई कर ली थी. हालांकि, 'स्त्री 2' की राह आसान नहीं होने वाली है, क्योंकि इसका कई फिल्मों के साथ क्लैश होने वाला है. और भी दूसरे स्टार्स 15 अगस्त को ही अपनी फिल्में रिलीज कर रहे हैं.जॉन अब्राहम 'वेदा' लेकर आ रहे हैं. अक्षय कुमार की 'खेल खेल में' में रिलीज होने वाली है.

ऐश्वर्या राय

की खातिर तोड़ा जिसका दिल! अब वो हसीना सलमान खान के शो में आएंगी?

बिग बॉस ओटीटी 3 खत्म हुए एक हफ्ता गुजर गया, लेकिन इसके बाद अब ऋद्वदद ऋण्ह्यह्य 18 की चर्चा शुरू हो गई है. सलमान खान के रियलिटी शो को लेकर फैन्स काफी एक्साइटेड हैं. छोटे पर्दे का मोस्ट कॉन्ट्रोवर्शियल रियलिटी शो बिग बॉस हर साल सिंतबर के अंत तक या अक्टूबर की शुरुआत में ऑन एयर किया जाता है. ऐसे में अब हर कोई बिग बॉस 18 में आने वाले कंटेस्टेंट्स के नामों पर काफी दिलचस्पी ले रहा है. हालांकि सोशल मीडिया पर शो में शामिल होने वाले कंटेस्टेंट्स के नामों का जिक्र शुरू भी हो गया है.हर साल शो शुरू होने से पहले ही ये खुलासा होने लगता है कि कौन-कौन बिग बॉस का हिस्सा बनने वाला है. हालांकि खुद कंटेस्टेंट्स या फिर मेकर्स इस बात का ऐलान नहीं करते हैं. लेकिन वायरल हो रहे नामों में से लगभग काफी नाम सही ही साबित होते हैं. ऐसे में जो नई लिस्ट सामने आई है, उसमें एक नाम काफी चौंकाने वाला भी है. दरअसल खबरें हैं कि इस बार सलमान खान के शो में सोमी अली भी शिरकत करने वाली हैं.

सोमी अली ने सलमान खान पर लगाए थे गंभीर आरोप

सोमी अली को लेकर कहा जाता है कि वो सलमान खान की एक्स गर्लफ्रेंड रह चुकी हैं. हालांकि ये नाम चौंकाने वाला इसलिए भी है क्योंकि सोमी ने कई दफा सलमान के खिलाफ बातें की हैं और उनपर काफी तंज भी कसा है. सोमी अली ने सलमान पर कई गंभीर आरोप भी लगाए हैं. उनका कहना था कि सुपरस्टार ने उन्हें चीट तक किया है. इसके अलावा सोमी ने सलमान को अब्यूजर का टैग तक दिया था.हालांकि सलमान खान ने कभी उनके खिलाफ कोई बात नहीं की और नाही कभी उनका जिक्र किया. इतने सारे पंगे होने के बाद सलमान के ही शो में सोमी अली का आना कुछ खास हजम नहीं हो रहा है. ज्यादातर फैन्स इस खबर को पूरी तरह से फर्जी मान रहे हैं. क्योंकि सलामन बिग बॉस शो की जान हैं और उनके खिलाफ जाकर मेकर्स इतना बड़ा फैसला नहीं ले सकते. ऐसे में उनके नाम पर यकीन कर पाना यूजर्स के लिए थोड़ा मुश्किल हो रहा है.

आदित्य चोपड़ा काफी सख्त हैं, वो सिर्फ शाहरुख को फिल्म दिखाते हैं... 'पठान' रिलीज के डेढ़ साल बाद बोले जॉन अब्राहम

पिछले साल शाहरुख खान ने 'पठान' के जरिए चार सालों के बाद पर्दे पर कमबैक किया था. सिद्धार्थ आनंद इस फिल्म के डायरेक्टर थे. YRF फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म को आदित्य चोपड़ा ने प्रोड्यूस किया था. शाहरुख के अपोजिट फिल्म में दीपिका पादुकोण दिखी थीं. जॉन अब्राहम भी इस फिल्म का हिस्से थे. उन्होंने विलेन का रोल प्ले किया था. निगेटिव रोल में उन्हें काफी पसंद किया गया था.ये फिल्म जनवरी 2023 में रिलीज हुई थी. इसे रिलीज हुए डेढ़ साल से ज्यादा का समय हो चुका है. अब जॉन ने इस फिल्म और इसकी सफलता पर बात की है. रणवीर इलाहाबादिया को दिए एक इंटरव्यू में उनसे पूछा गया कि जब पहले ही दिन 'पठान' हिट बन गई तो क्या सक्सेस के बाद शाहरुख से उनकी बात हुई थी. इस पर जॉन ने कहा, हमलोग साथ में ही थे. हमलोगों ने फिल्म देखी. ऐसा एहसास हुआ कि इस फिल्म में कुछ बहुत अच्छा है. हम दोनों ने कहा कि ये बहुत अच्छा है यार.

शाहरुख को फिल्म दिखाते हैं आदित्य

'पठान' के रिलीज होने से पहले के बारे में बात करते हुए जॉन ने कहा, आदित्य चोपड़ा काफी सख्त हैं. किसी को फिल्म नहीं दिखाते, सिर्फ शाहरुख खान को. तो मुझे जो भी जानकारी मिलती थी तो वो शाहरुख खान से ही मिलती थी. उन्होंने कहा कि वो शाहरुख से पूछते थे कि फिल्म कैसे बनी है और वो उन्हें सारी जानकारी दे देते थे. जॉन ने एसआरके के बारे में ये भी कहा कि वो काफी स्वीट हैं.

क्यों हिट हुई पठान ?

जॉन ने आगे कहा, वो फिल्म इसलिए चली, क्योंकि हमारे एनर्जी बहुत सही थे. शाहरुख मेरे जज थे जब मेरा करियर शुरू हुआ था. और 'पठान' के समय में उनके साथ काम कर रहा था, तो वहां इज्जत थी, प्यार था. एक इंसान के तौर पर वो काफी इंटेलिजेंट हैं, स्मार्ट हैं. साथ ही वो काफी केयरिंग भी हैं. वो बहुत ही क्यूट इंसान हैं. इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कमाई के मामले में धमाल मचा दिया था. ये फिल्म 250 करोड़ के बजट में बनी थी और लागत से इसने 4 गुना ज्यादा कमाई की थी. फिल्म ने दुनियाभर में 1050 करोड़ का कलेक्शन किया था.

बहरहाल, जॉन इस वक्त अपनी अपकमिंग फिल्म 'वेदा' को लेकर चर्चा में चल रहे हैं. ये फिल्म 15 अगस्त को रिलीज होने वाली है. बॉक्स ऑफिस पर इसका क्लैश कई फिल्मों से होने वाला है. वो फिल्में हैं, श्रद्धा कपूर-राजकुमार राव की 'स्त्री 2', अक्षय कुमार की 'खेल खेल में', साउथ सुपरस्टार विक्रम की 'तंगलान' और राम पोथिनेनी-संजय दत्त की 'डबल आईस्मार्ट'. अब देखना होगा कि इस क्लैश में कौन बाजी मारता है.

नहीं आया ड्रामा काम, खतरों के खिलाड़ी के इतिहास में सबसे कम रेटिंग के साथ ओपन हुआ शो

सलमान खान का 'बिग बॉस' और रोहित शेट्टी का 'खतरों के खिलाड़ी' इन दोनों शोज पर 'टीआरपी माता' की हमेशा कृपा रहती है. इन दोनों शो के आते ही कलर्स टीवी के अच्छे दिन भी लौट आते हैं. लेकिन 'खतरों के खिलाड़ी' के इतिहास में पहली बार कुछ ऐसा हुआ है, जिसकी ऑडियंस को बिलकुल भी उम्मीद नहीं थी. रोहित शेट्टी का ये एडवेंचर रियलिटी शो इस हफ्ते 1.7 की रेटिंग पर ओपन हुआ है. ये खतरों के खिलाड़ी के इतिहास में शो को मिली सबसे कम ओपनिंग टीआरपी है. आमतौर पर रोहित शेट्टी का शो 2.6 से 3 तक की रेटिंग के साथ ओपन होता है.दरअसल 'खतरों के खिलाड़ी 14' के पहले हफ्ते में ही शो में शामिल हुए कंटेस्टेंट आसिम रियाज और अभिषेक कुमार के बीच काफी बड़ा ड्रामा देखने मिला था. इस ड्रामे के बाद आसिम की बदतमीजी को देखते हुए उन्हें शो से बाहर निकाल दिया गया था. मेकर्स को उम्मीद थी कि इस ड्रामा के बाद रोहित शेट्टी के शो को अच्छी टीआरपी मिलेगी. लेकिन 1.7 की रेटिंग को देखते हुए ये कहा जा सकता है कि ऑडियंस ड्रामा सिर्फ बिग बॉस के घर में ही देखना चाहती हैं और खतरों के खिलाड़ी में उन्हें सिर्फ उनके पसंदीदा सेलिब्रिटी को स्टंट करते हुए देखना है.

कंटेस्टेंट में भी 'बिग बॉस'

आमतौर पर 'खतरों के खिलाड़ी' में हर फील्ड के सेलिब्रिटी शामिल किए जाते हैं. इन सेलिब्रिटी में एक्टर के साथ-साथ डांसर, रैपर, कोरियोग्राफर, सिंगर जैसे कई टैलेंटेड चेहरे शामिल होते हैं. लेकिन इन दिनों इस शो में ज्यादातर बिग बॉस कंटेस्टेंट ही देखने को मिल रहे हैं और शायद इस वजह से ही ऑडियंस 'खतरों के खिलाड़ी' से कनेक्ट नहीं कर पा रही है. हालांकि ये सफर अभी शुरू हुआ है, अब आगे क्या रोहित शेट्टी के इस शो की रेटिंग बढ़ेगी या कम होगी? ये देखना दिलचस्प होगा.

सिंगिंग और डांसिंग शो से अच्छी टीआरपी

भले ही रोहित शेट्टी का 'खतरों के खिलाड़ी' इस एडवेंचर रियलिटी शो के अन्य सीजन के मुकाबले टीआरपी के चार्ट पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया हो, लेकिन सोनी टीवी के सिंगिंग रियलिटी शो 'सुपरस्टार सिंगर' और डांसिंग रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर' के मुकाबले इस शो की टीआरपी कहीं ज्यादा हैं. यानी रियलिटी शोज में फिलहाल ये शो नंबर वन पर है.